RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 10 जनवरी, 2015 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2014

प्रदीप बाहेती
समाज-सेवा

MAHESHWARI OF THE YEAR 2014

श्यामसुन्दर राठी
उद्यम

डॉ. आर.डी. मोहता
शिक्षा

महासभा का हुआ 'बृज समागम'

महासभा ने दिया नारा...
'परिवार बढ़ाओ - बहू को पढ़ाओ'

'ओजसम्' ने दिया
प्रतिभाओं को नया आकार

RAM RATNA
GROUP

RR KABEL LIMITED, 305/A, WINDSOR PLAZA, R. C. DUTT ROAD, ALKAPURI,
VADODARA - 390007.
T: 0265 -2321891/2/3 FAX: 0265-2321894. E: baroda@ramratna.com

नये स्थान पर
नये परिवेश में

अब आपकी
अपनी पत्रिका

जय महेश

श्री माहेश्वरी टाईम्स

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
अब फेसबुक के साथ
मोबाइल पर भी
एक क्लिक पर उपलब्ध.

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734 2526561, 2526761
e-mail : smt4news@gmail.com, sri_maheshwaritimes@yahoo.com

विनम्र निवेदन- 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' का सम्पादकीय कार्यालय अपने नवीन सुसज्जित भवन में स्थानांतरित हो गया है। अत: समस्त प्रबुद्ध पाठकों, विज्ञापनदाताओं, लेखकों व स्नेहीजनों आदि से अनुरोध है कि वे अब किसी भी प्रकार का पत्राचार उक्त पते पर ही करें।

समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली निष्पक्ष एवं अग्रणी पत्रिका

500/-

पृथक से प्रति बुक् करवाने के लिए
शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे - आपके द्वार

शीघ्र प्रकाशन की ओर...

श्री माहेश्वरी मेलापक 2015

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

बायोडाटा प्राप्त होने की अंतिम तिथि- 15 जनवरी, 2015

▸▸ बेटियों के बायोडाटा नि:शुल्क प्रकाशन ▸▸ कहीं मौका चूक न जाए.

▸▸ उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर ▸▸ आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

हाईटेक व प्रोफेशनल
युवक-युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734-2526561, 2526761, 2513059, 094250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail..com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-8 ▸▸ जनवरी, 2015 ▸▸ वर्ष-10

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

♦

अतिथि सम्पादक
ईश्वर बाहेती (इन्दौर)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
PH.: 0734-256561, 2526761
MOBILE : 094250-91161
e-mail: smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
■ ICICI A/c. No. : 030005001198

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

महात्मा ईसा के नववर्ष 2015 पर
'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के सभी सुधी पाठकों को
हार्दिक मंगलकामनाएँ

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार

विचार क्रान्ति

आलोचक

स्वयं को प्रसन्न रखो
और स्वस्थ रखो
अपने आलोचकों को सदैव व्यस्त रखो।

– बालकवि बैरागी

पं. भवानीप्रसाद मिश्र के अनुसार–

"आलोचकों का सम्मान करो
पर उनकी परवाह मत करो
क्योंकि संसार में कहीं भी
आलोचकों के 'स्मारक' नहीं बने।"

लोकतंत्राय नमः

श्री माहेश्वरी महासभा ने अपनी 'ब्रज समागम' बैठक में जिस तरह लोकतंत्र को सलाम किया, उससे संस्था में यह विश्वास एक बार फिर स्थापित हो गया कि समाज के फैसले किसी एक पर केन्द्रित नहीं हो सकते। जो समाज चाहता है, वही फैसला सर्वमान्य होना चाहिए। मुद्दा कोलकाता प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव का था। लोकतांत्रिक प्रणाली से निर्वाचन के बाद इस चुनावी फैसले को रोक दिया गया था। महासभा ने निर्वाचन को मान्य करते हुए रोक हटाने का ऐलान कर दिया। महासभा का यह निर्णय सराहनीय ही नहीं, बल्कि मील का पत्थर भी साबित होगा, जिसकी बानगी आगे भी दी जाती रहेगी।

वृन्दावन में हुई बैठक को इसलिए भी ऐतिहासिक कहा जाना चाहिए कि जिस तरह महासभा के सभापति को लेकर अप्रत्यक्ष असन्तोष जताया जा रहा था और कयास लगाए जा रहे थे कि बैठक में यह मुद्दा बनेगा, लेकिन महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने जिस कुशलता से इस पूरे मामले की दिशा बदल दी, उससे उठाए जा रहे सवालों को स्वयं जवाब मिल गया। इससे महासभा की एकता और गरिमा दोनों को बल मिला है। इससे महासभा की लोकतांत्रिक आस्था की मजबूती सामने आई है।

महासभा ने बेटी की जल्दी शादी और बहू को शिक्षित करने का जो नया विचार दिया है, उससे समाज की पारिवारिक मुश्किलों का हल ढूँढने में मदद मिलेगी। बेटी और बहू के अन्तर को यह विचार पाटेगा। जिसका फायदा परिवारों की मजबूती के रूप में सामने आयेगा। महासभा ने विवाह उत्सवों पर होने वाले दिखावे को भी सीमित करने के लिए आचार संहिता बनाने का फैसला लिया है। इससे समाज में आर्थिक रूप से ऊँच-नीच की भावना को रोकने में मदद मिलेगी। परिवार ऐसे अवसर पर अनावश्यक आर्थिक बोझ से बच सकेंगे। महासभा के ये ऐतिहासिक फैसले समाज में आने वाले समय में परिलक्षित होंगे, तो इनका फायदा भी समाज को मिलेगा। इस आयोजन की व्यवस्थाओं को अजय काबरा और लोकेन्द्र करवा की टीम ने जिस तरह अभूतपूर्व बनाया, इसके लिए भी साधुवाद देना हमें आवश्यक लगता है।

इधर अहमदाबाद में महिला संगठन ने भी किशोरियों और युवतियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का जो जतन किया है, उसकी गूँज भी सुनाई देगी। निश्चित तोर से समाज में संस्कारों की पुष्टता महिलाओं से आती है, जो घर-परिवार में इसका बीजारोपण नई पीढ़ी में करती हैं। तरुणाई की दहलीज पर आई जागृति समाज को संस्कारित रखने का बड़ा कदम माना जाना चाहिए।

''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' ने इस साल के 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' अवार्ड का भी ऐलान किया है। इस कड़ी में सेवा पथ के अनूठे पथिक जयपुर के प्रदीप बाहेती, जिन्होंने अपनी सेवा-भावना से समाज को हमेशा गौरवान्वित किया, लघु उद्योगों के मसीहा माने जाने वाले गुजरात के श्यामसुन्दर राठी तथा शिक्षा जगत् में महागुरु की उपाधि से प्रसिद्ध नागपुर के शिक्षाविद् डॉ. आर.डी. मोहता के नाम से शायद ही कोई अपरिचित हो। तीनों विभूतियों का चयन ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' की चयन समिति ने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर ही किया है कि इनके व्यक्तित्व और कृतित्व की आभा से न केवल समाज आलोकित है, अपितु नई पीढ़ी के लिए भी ये प्रेरणा-पुंज हैं।

सूर्यदेव के दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर प्रस्थान की संक्रान्ति के मौके पर इस अंक में आपकी अपेक्षा के अनुरूप और भी आलेख और पठनीय सामग्री प्रस्तुत है। महासभा और महिला संगठनों के आयोजनों की आँखों देखी रपट और विशेष सामग्री के साथ स्थायी स्तम्भ की सामग्री भी आपको पसन्द आयेगी। अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें। नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...। जय महेश।

पुष्कर बाहेती

शृंखलाबद्ध संगठन की सर्वोच्च संस्था है महासभा

इन्दौर। *इन्दौर निवासी ख्यात समाजसेवी श्री ईश्वर बाहेती का जन्म १३ अप्रैल,१९५६ को स्व. श्री गोपीकिशन बाहेती के यहाँ हुआ। बी.काम. तक शिक्षा प्राप्त श्री बाहेती विद्यार्थी जीवन के दौरान ही वर्ष १९७१-७२ से स्वयं सेवक के रूप में जनसंघ की राजनीति से जुड़ गये। फ़िर १९७५ से जनसंघ से सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में सम्बद्ध हो गये। वर्ष १९८० से भाजपा सक्रिय सदस्य, १९९० में भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ नगर मंत्री, २००३ में भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ नगर मंत्री, २००४ में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक ५ इन्दौर आजीवन सहयोग निधि प्रभारी, २००७ में भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष, २००८ में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक ३ इन्दौर प्रभारी (चुनाव संचालक), २०१२ में भाजपा सक्रिय सदस्यता प्रभारी (इन्दौर नगर) व २०१३ में आजीवन सहयोग निधि सहप्रभारी रहकर योगदान देते रहे हैं। वर्तमान में शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर (शास.निकाय) के अध्यक्ष तथा सदस्य-श्री माहेश्वरी विद्यालय इन्दौर के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। अपनी तमाम व्यवस्थाओं के बावजूद सामाजिक गतिविधियों में अध्यक्ष-श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी, श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज अध्यक्ष १४ वर्ष तक मंत्री, म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री, श्री माहेश्वरी समाज, इन्दौर के मानंद मंत्री, श्री माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ के संस्थापक संयोजक एवं श्री माहेश्वरी सोशल ग्रुप के अध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में श्री माहेश्वरी सार्वजनिक ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी मेला २००१, २००५ में स्वागत महामंत्री रहे हैं।*

अ.भा. माहेश्वरी महासभा मार्गदर्शक है, उसी मार्ग पर अनुशांगिक एवं माहेश्वरी संगठन की रचना है। सामाजिक चिन्तन, समाज में चल रही उथल-पुथल आदि के निराकरण में मार्गदर्शन देने वाली संध्या आज स्वयं ही कठिन दौर में है। वर्तमान सत्र के प्रथम कार्यकारी मंडल तथा कार्यसमिति की मीटिंग में कुछ सदस्यों ने मीटिंग चलने में बे-बात का बखेड़ा खड़ा किया। उन्होंने यह नहीं सोचा कि गत सत्र में भी चुनाव के बाद पहली मीटिंग 19 माह बाद हुई थी, तब क्या किसी ने उन्हें कुछ कहा था? साथ ही उस कार्यकाल में केवल विधान संशोधन जिसमें ट्रस्ट से आने वाले सदस्यों की संख्या में इजाफा, महिला संगठन एवं युवा संगठन से आने वाले सदस्यों की संख्या में इजाफा के अलावा और क्या हुआ? साथ ही नियत समय पर चुनाव करवाने का उपदेश देने वाले द्वारा स्वयं ही चुनाव की तारीख बढ़ाने हेतु दूसरी सभा आमंत्रित की गई। फिर सभापति महोदय के लिये बार-बार टिप्पणी किया जाना अनुचित ही है?

वर्तमान पदाधिकारियों को छोटी-छोटी बातों पर बार-बार टोकना-रोकना जारी रहा। उन सदस्यों के लिये जो बहुत दूर-दूर से इतनी ठंड में इतना खर्च करके वृदांवन पहुँचे। शायद कोई विचार, व्यवस्था, सुझाव-आगामी योजना प्राप्त होगी, तो अपने क्षेत्र में उन्हें लागू सभी समाज बन्धुओं को लाभ पहुँचा सकेंगे। कहने के लिये अनेक ट्रस्ट महासभा के हैं, किन्तु वास्तविक स्थिति कुछ अलग ही नजर आई। जब ट्रस्ट की रिपोर्ट में महासभा से प्रतिनिधि भेजने का आह्वान ही कर दिया।

वास्तव में यदि सभी ट्रस्ट महासभा के हैं तो सभापति या महामंत्री तो पदेन ट्रस्टी होने ही चाहिये। यदि ऐसा नहीं है तो वे महासभा के ट्रस्ट नहीं हो सकते हैं। केवल ट्रस्ट के माध्यम से महासभा तक पहुँचने का रास्ता ही बनाया गया है। कुछ ट्रस्ट द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया जाना भी उचित नहीं माना जा सकता है। एज्युकेशनल ट्रस्ट में तो चेअरमेन भी उन्हीं के हैं, महासभा का कहीं उल्लेख ही नहीं है।

बहुत कम समय में कुछ अच्छी बातें हुई, जिसमें मांगलिक अवसर पर होने वाले खर्च में कमी के हिसाब पहले आचार संहिता लागू करने की बात हुई तो महासभा के माध्यम से वेबसाइट पर विवाह योग्य लड़के-लड़कियों की जानकारी उपलब्ध कराने की बात हुई, वहीं बेटी पढ़ाओं के साथ ही सही उम्र में लड़की का विवाह होकर बहू को पढ़ाने का आह्वान किया गया। बार-बार मंच पर बैठे वर्तमान पदाधिकारी द्वारा भी महासभा की गलतियां बताने का प्रयास किया गया। जिसका जवाब उन्हें देना था, वे ही प्रश्न करते रहे। जिम्मेदार पद पर होने से उन्हें अपनी बात पदाधिकारियों की बैठक में रखना चाहिये, निर्णय होने पर उनके लिये भी बन्धनकारी होना चाहिये।

नववर्ष की मंगलकामनाओं के साथ...।

ईश्वर बाहेती
अतिथि सम्पादक

माँ कुलदेवी

श्री चान्दसिनी माताजी

श्री चान्दसिनी माताजी माहेश्वरी समाज की फोफलिया व न्याती खांप की कुलदेवी हैं।

माताजी श्री चान्दसिनी का मंदिर राजस्थान के टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम टोरडी सागर के उत्तर में स्थित है। मंदिर प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक खुला रहता है। पुजारी श्याम सुंदर शर्मा से मिली जानकारी के अनुसार श्री राजेन्द्र न्याती के पुत्र छगनलाल न्याती तह. भड़गाँव जिला जलगाँव (महाराष्ट्र) को माताजी ने स्वप्न दिया था। इसके आधार पर उन्होंने 20 वर्ष पूर्व इसकी खोज की। लगभग 100 देवी मंदिरों के भ्रमण के बाद वे यहाँ पहुँचे।

यह मंदिर टोरड़ी गाँव से डेढ़ कि.मी. दूर मोहनगिरी पहाड़ की तलहटी में स्थित है। मंदिर में एक काले पत्थर की माताजी की विशाल मूर्ति है। यहाँ सिंदूर, वस्त्र, नेत्र आदि से माताजी का शृंगार किया जाता है। गुम्बद में चाँद-सूर्य के निशान विद्यमान हैं। किवदंतियों के अनुसार मंदिर द्वापर युग का बताया जाता है। कहा जाता है कि रुख्मिणजी अम्बिका पूजन के लिये यहीं आई थी, जहाँ से भगवान श्रीकृष्ण ने उनका हरण किया था। समीप रुख्मिणी के भाई रुक्मैया का भोजकट भी खण्डहर अवस्था में विद्यमान है एवं खुदाई के दौरान कई पुरातात्विक जानकारियाँ प्राप्त हुईं।

विशेष-

यहाँ माताजी की पूजन-आरती, वेश, अखण्ड ज्योत व भोग का विशेष महत्व है।

कैसे पहुँचें-

श्री चान्दसिनी माताजी का मंदिर राजस्थान को टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम टोरडी सागर में है। अजमेर व टोक दोनों से बस सुविधा उपलब्ध है।

ब्रज की मधुरता ने कम की महासभा की कटुता

अ.भा. माहेश्वरी महासभा का अधिवेशन ब्रज समागम सम्पन्न ▶▶आपसी सौहार्द्र का दिखा नजारा

वृंदावन। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 27 वें सत्र की तृतीय कार्यसमिति व प्रथम कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन गत 20 व 21 दिसम्बर को वृंदावन (उ.प्र.) में हुआ। विवादास्पद कलकत्ता चुनावों को मान्य करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय इस बैठक में लिये गये।

वृंदावन में कृष्ण सभा स्थल, हरे कृष्ण आर्चिड (रिसोर्ट), सनराव रोड़ में इस दो दिवसीय बहुप्रतीक्षित बैठक का आयोजन हुआ। बैठक का संयोजन पूर्वी, मध्य व पश्चिमी उत्तरप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यसमिति की बैठक का शुभारम्भ 20 दिसम्बर प्रातः तथा कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन मध्याह्न पश्चात् किया गया। दोनों बैठक का आयोजन स्थल रिसोर्ट "हरे कृष्ण आर्चिड" ही था। महासभा के चुनावों के एक लम्बे अन्तराल के बाद इस बैठक का आयोजन हुआ था। इस बीच सभापति की अस्वस्थता, पदाधिकारियों में मतभेद व सभापति द्वारा कलकत्ता चुनावों को लेकर फैली कटुता जैसी कई अप्रिय स्थितियाँ निर्मित हुई थीं। इनके कारण इस बैठक के हंगामाखेज होने की आशंका व्यक्त की जा रही थी। कुछ सदस्यों ने सभापति पर कटाक्ष करने प्रारम्भ भी किये, लेकिन महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने अत्यन्त निपुणता से सभी स्थितियों को सम्भाल लिया। यह उनके कुशल नेतृत्व का ही परिणाम था कि इस पूरी बैठक के दौरान न तो कोई व्यवधान उत्पन्न हुआ और न ही कोई अप्रिय घटना घटित हुई, बल्कि इस बैठक को सभी ने अभी तक की सबसे सफल बैठक ही करार दिया।

सभापति की अनुपस्थिति में हुई कार्यसमिति की बैठक

कार्यसमिति की बैठक में अपनी अस्वस्थता के कारण सभापति जोधराज लड्ढा शामिल नहीं हो सके। अतः यह बैठक उनकी अनुपस्थिति में ही आयोजित हुई। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, पूर्वांचल उपसभापति विनोद माहेश्वरी, दक्षिणांचल उपसभापति रामनिवास जैथलिया, अर्थमंत्री रमेश बंग व संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमानी आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। संयुक्त मंत्री महामंत्री कार्यालय कमलकिशोर चाँडक, पूर्वांचल संयुक्त मंत्री रामरतन लाहोटी, मध्यांचल संयुक्त मंत्री वैद्य रमेशकुमार माहेश्वरी, संगठन मंत्री संदीप काबरा, पश्चिमांचल उपसभापति रतनलाल नौलखा, संयुक्त मंत्री अजय काबरा तथा पूर्व सभापति रामपाल सोनी आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री भूतड़ा ने किया व स्वागत भाषण उपसभापति विनोद माहेश्वरी ने दिया।

कार्यकारी मंडल की बैठक में सभापति हुए शामिल

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल की बैठक का शुभारम्भ प्रथम दिवस शाम 4 बजे हुए। अतिथि के रूप में राजस्थान की जल संसाधन मंत्री किरण माहेश्वरी, कोटा के सांसद ओम बिड़ला, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्याम जाजू, न्यायमूर्ति दीपक माहेश्वरी, पूर्व सभापति रामपाल सोनी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में शामिल होकर सभापति जोधराज लड्ढा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रणीता काहल्या व उनकी टीम ने अत्यंत आकर्षक ढंग से महेश वंदना व स्वागत गीत तथा नृत्य की प्रस्तुति दी। आईएएस विनोद अजमेरा, सेवा सदन अध्यक्ष श्याम बिड़ला, युवा संगठन अध्यक्ष कमल भूतड़ा आदि भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसी अवसर पर आयोजन की सफल व्यवस्थाओं को लेकर अजय काबरा व लोकेन्द्र करवा को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दिये अपने सम्बोधन में श्रीमती माहेश्वरी ने युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज में कई विशिष्ट प्रतिभा हैं, उन्हें आमंत्रित कर उनकी प्रतिभा का लाभ लें। सांसद श्री बिड़ला ने कहा कि मैं और भाजपा समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर हैं। समाज के विकास में सभी मिल जुलकर योगदान देंगे। श्री जाजू ने भी समाज को संगठित कर समाज की समस्याओं को दूर करने के लिए युवाओं का आह्वान् किया।

कलकत्ता चुनाव बहाल - विधान की जीत

कार्यसमिति की बैठक में वृहत्तर कलकत्ता प्रदेश में गत दिनों हुए विवादास्पद चुनावों का मुद्दा प्रमुखता से उठा। बैठक में इस मुद्दे पर मुख्य चुनाव अधिकारी प्रकाश बाहेती सहित कलकत्ता प्रदेश के निर्वाचित पदाधिकारियों से भी उनका पक्ष रखने के लिये कहा गया। उल्लेखनीय है कि गत दिनों हुए इन चुनावों को सभापति ने आदेश जारी कर अवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था। इससे चुनाव अधिकारी के स्वतंत्र अधिकारों पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया था। बैठक के दौरान सदस्यों ने चुनाव अधिकारी व सभी सम्बंधितों का पक्ष सुनकर इन्हें वैधानिक मान वैध करार दे दिया। अजमेर, बीकानेर व दिल्ली प्रदेशों में लम्बित चुनावों पर चुनाव अधिकारी श्री बाहेती ने बताया कि प्रपत्र 1-2 भरवाकर इनके चुनाव भी शीघ्र करवा लिये जाएंगे। शेष सभी प्रदेशों में चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं। श्री बाहेती ने कलकत्ता चुनाव को मान्य करने को विधान की जीत करार दिया।

नंदकिशोर लखोटिया फिर 'जीते'

वृहत्तर कोलकता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के लम्बे समय से टलते चुनाव तमाम विवादों के बाद गत 14 सितम्बर 2014 को सम्पन्न हुए थे। इनमें नंदकिशोर लखोटिया अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। फिर कुछ सदस्यों की आपत्ति पर महासभा के सभापति ने पत्र जारी कर इन चुनावों को निरस्त कर दिया था। इससे चुनाव जीतने के बाद भी श्री लखोटिया का निर्वाचन अधर में लटक गया था। इस मामले पर सभापति व मुख्य चुनाव अधिकारी में वैधानिक टकराव हुआ। आखिरकार विधान की जीत हुई और श्री लखोटिया चुनाव के बाद इस दूसरी जंग में भी विजेता सिद्ध हुए। 52 वर्षीय बी.काम. तक शिक्षित हावड़ा (प.ब.) निवासी श्री लखोटिया अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद लगभग 25 वर्षो से समाज के विभिन्न संगठनों से सम्बद्ध होकर अपनी निःस्वार्थ सेवा दे रहे हैं। आप माहेश्वरी युवा मंच हावड़ा के अध्यक्ष व सचिव, अ.भा. माहेश्वरी युवा अधिवेशन हावड़ा तथा उसकी नृत्य स्पर्धा 'अपना उत्सव' के संयोजक, माहेश्वरी सभा हावड़ा के अध्यक्ष तथा सचिव व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के गत 26 वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। वर्तमान में समाजसेवी गतिविधियों के अन्तर्गत नागाबाबा आश्रम हावड़ा के संयुक्त सचिव, लायंस क्लब हावड़ा के सदस्य, लोहार्गल प्रोजेक्ट राजस्थान के फाउण्डर ट्रस्टी व वित्त सचिव एवं लखोटिया परिवारों के संगठन लखोटिया विकास परिषद के अध्यक्ष आदि जैसी कई जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

मेजबानी करने में जुटे भूतड़ा परिवार के श्री रामवल्लभ, श्री दामोदर, श्री बजरंग व श्रीकान्त भूतड़ा तथा विजय काबरा- ब्यावरा एवं विकास झँवर।

प्रारम्भ से चुस्त-दुरूस्त व्यवस्था का नजारा

आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से आगन्तुक सदस्यों का पंजीयन प्रारम्भ कर दिया गया था। इस बार पंजीयन व्यवस्था से ही हाईटेक व्यवस्थाओं के नजारे देखने के लिये मिले। सभी सदस्यों के पंजीयन कम्प्यूटराईज्ड किये गये। पंजीयन के लिये अंचल के अनुसार भिन्न-भिन्न काउण्टर बनाऐ गये थे जिससे कोई परेशानी न आये। इसके साथ यातायात, आवास आदि व्यवस्थाओं के लिये भी पृथक से काउण्टरों की व्यवस्था थी। पंजीयन में प्रदीप झँवर (लखनऊ) अपनी टीम के साथ समर्पित भाव से जुटे हुऐ थे। सदस्यों को सभी आवश्यक सूचनाएँ एसएमएस, वॉट्स-अप, ई-मेल आदि से प्राप्त हो रही थीं। यह नजारा महासभा की बैठक में प्रथम बार दिखाई दिया।

श्रीमती बिड़ला की उपस्थिति में अगले दिन की शुरूआत

द्वितीय दिवस को आयोजित बैठक का शुभारम्भ बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन व श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उनकी अगवानी सभापति श्री लड्ढा व महामंत्री श्री भूतड़ा ने की। श्रीमती बिड़ला की उपस्थिति से उपस्थित सदस्यों में एक विशेष उत्साह का संचार हो गया। स्वागत भाषण महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने दिया। बैठक में पूर्व सभापति रामपाल सोनी दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री देवकीनंदन सारड़ा मध्यांचल उपसभापति रामगोपाल मून्दड़ा, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, संगठन मंत्री संदीप काबरा, अर्थमंत्री रमेश बंग, पूर्वांचल उपसभापति विनोद माहेश्वरी सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक में देश के साथ ही नेपाल-भूटान आदि देशों से कई सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती बिड़ला, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्याम जाजू, राष्ट्रीय सभापति जोधराज लड्ढा, निवर्तमान सभापति रामपाल सोनी, राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप काबरा ने भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया।

''राजश्री'' ने बताए सफलता के ''राज''

बैठक के दौरान श्रीमती बिड़ला से सदस्यों ने उनके जीवन के अनुभव बताने का अनुरोध किया। इसे स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी नामुमकिन नहीं है। हर क्षेत्र में साहस के साथ संघर्ष करने से ही सब कुछ हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धैर्य खोने से सफलता की राह कठिन हो जाती है। उन्होंने आह्वान किया कि जीवन के प्रवाह के साथ चलने का संकल्प लेना चाहिए। भूतकाल के बोझ को ढोने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में नाना प्रकार के उतार चढ़ाव आते रहते है, लेकिन उनका डटकर सामना करने से ही दिक्कतों से निजात पाई जा सकती है। श्रीमती बिड़ला ने बड़े ही सहज भाव से माहेश्वरी समाज को आगे बढ़ने की सीख देते हुए कई उदाहरण प्रस्तुत किये। उन्होंने इस सीख को अपने ससुर सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति जी.डी. बिड़ला द्वारा लिखी गई किताब के अंशो को उद्धत किया। उन्होनें कहा कि आत्म नियंत्रण कर लेने से ही तरक्की का रास्ता स्वयं खुल जाता है। उन्होनें यह भी कहा कि कुछ भी स्थायी नहीं है, परिवर्तन आते रहते है। उन्होंने उपस्थित लोगो का आह्वान किया कि कठिनाईयों मे हताश नही होना चाहिए और प्रसन्नता में गर्व नहीं करना चाहिए। उन्होनें कहा कि जीयो और जीने के सिद्धांत के तहत जीवन का पथ प्रशस्त करना चाहिए। ईमानदारी के बल पर आदमी ऊचाईयों को छू सकता है, इसके उलट ईर्ष्या करने वाले लोग कभी सफल नहीं होते। अंत में एक पंक्ति सुनाई-

जीवन को कुछ यूँ आसाँ कर लिया,
कुछ से माफी माँग ली, कुछ को माफ कर दिया।

श्रीमती बिड़ला विभिन्न मुख मुद्रा में

सभापति ने दिल्ली भवन के लिये की 1 करोड़ की घोषणा !

अगले दिन कार्यकारी मण्डल की बैठक के दौरान सभापति को लेकर कई बार तल्ख टिप्पणियों की स्थिति भी निर्मित हुई। इस बैठक में सभापति श्री जोधराज लड्ढा द्वारा दिल्ली में प्रस्तावित माहेश्वरी भवन के लिये 1 करोड़ रुपये के अपनी ओर से आर्थिक योगदान की घोषणा की गई। इस पर कुछ सदस्यों ने आपत्ति ली कि पहले सभापति पूर्व में की गई घोषणाएँ तो पूरी करें। इस पर कुछ देर की गहमागहमी के बाद श्री लड्ढा की ओर से तत्काल सम्बंधित संस्था को 11 लाख रुपये की राशि शीघ्र देने का आश्वासन दिया गया।

बदलती परिस्थियों पर चिंता

बैठक के दौरान राजस्थान सरकार के उद्योग आयुक्त एवं वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी विनोद अजमेरा ने बिड़ला उद्योग समूह की चेयरमेन की उपस्थिति पर गर्व करते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन से समाज को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में सोच में भी परिवर्तन आवश्यक है। नई सोच परस्पर सहयोग और नये विजन के साथ माहेश्वरी समाज को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में अनेक बुद्धिजीवी है, जिन्होने अनेक क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित किया है। उनका मार्गदर्शन लिये जाने की भी जरूरत है। समारोह को सम्बोधित करते हुए महासभा के निवृत्तमान सभापति रामपाल सोनी ने कहा कि जनरेशन गेप को खत्म करने के लिए समाज के बुजुर्ग अपने अनुभव युवा पीढ़ी को दें, ताकि युवा पीढ़ी भी माहेश्वरी समाज को आगे बढ़ाने मे अपना योगदान दे सके। उन्होंने सामाजिक संगठनों मे परिवर्तन की जरूरत पर भी जोर दिया।

अति उत्साह में 'पानी फेरा'

महासभा का मुखपत्र पत्रिका 'माहेश्वरी' लगातार परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वर्तमान संचालक मण्डल ने इसे नया स्वरूप देकर इसकी लोकप्रियता बढ़ाने का एक प्रयास किया है। इन प्रयासों को प्रोत्साहित करने के चक्कर में बैठक के दौरान उपस्थित एक वक्ता अति उत्साह में ऐसा वक्तव्य दे गये जिसने कई सदस्यों की भावनाओं को चोट पहुँचाई। उनका कहना था कि ''पहले तो माहेश्वरी पत्रिका 'कूढ़े में फेंकने' काबिल ही थी।'' उनके इस वक्तव्य का 'माहेश्वरी' पत्रिका के पूर्व संचालकों ने यही अर्थ निकाला कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ भी नहीं किया हो। इस वक्तव्य ने उनके किये धरे पर 'पानी ही फेर' दिया। इस तरह उन्होंने इस वक्तव्य को अपना अपमान जरूर समझा, लेकिन शान्ति बनाये रखने के लिए कोई भी खुलकर विरोध में खड़ा नहीं हुआ।

इससे पूर्व बिड़ला ग्रुप की चेयरमेन श्रीमती बिड़ला का शोभा सादानी, जोधराज लड्ढा, रामपाल सोनी, विनोद माहेश्वरी, अजय काबरा, संदीप काबरा ने जोरदार स्वागत किया। कार्यकारी मंडल की बैठक शुरू होने से पहले माहेश्वरी समाज की दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ट्रस्टों की सेवाओं का होगा विस्तार

बैठक में महासभा द्वारा प्रायोजित संस्थाओं श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र, रामगोपाल माहेश्वरी शिक्षा सहयोग क्रेंद, श्री बांगड़ वेलफेयर सोसायटी, श्री बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग क्रेंद्र, श्री कोठारी बंधु शोर्य स्मृति संस्थान, माहेश्वरी मुख पत्र, अखिल भारतीय माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट, माहेश्वरी सर्वांगीण विकास योजना एवं श्री मातोश्री सेवा प्रकोष्ठ ट्रस्टों के कार्यो पर चर्चा करते हुए इनको और अधिक विस्तार देने का निर्णय लिया गया। कार्यकारी मंडल में इसके अलावा सामाजिक समस्याओं पर भी विस्तार से मंथन किया गया। जिसमें सुंदूर एवं असुरक्षित क्षेत्रों में रह रहे बंधुओ की सुरक्षा, बढ़ते हुए आपसी मतभेद एवं धड़ेबाजी को खत्म करने, निर्भिक व सशक्त संगठन तैयार करने, सगाई-संबंध समस्याएं एवं टूटते रिश्तों पर चिंतन व्यक्त करते हुए समाधान के रास्ते निकालने पर जोर दिया गया। साथ ही अत्यधिक खर्चीले विवाह व अन्य समारोह में भी आने वाले खर्च में कटौती के प्रस्ताव रखे गये। घटती आबादी व बढ़ते लिंगानुपात, टूटते परिवार भ्रूण हत्या आदि पर भी गहन मंथन किया गया। बैठक में घटते रोजगार, सामान्य एवं मध्यम वर्ग के परिवारों के लिये तरह-तरह की योजनाएं चलाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने पर भी चर्चा की गई।

महत्पूर्ण निर्णयों पर एक नजर.....

- पारिवारिक समस्याओं के समाधान पर चिंतन।
- मांगलिक आयोजनों में दिखावा व बेतहाशा खर्च पर रोक के लिये आचार संहिता का दृढ़ता से पालन।
- दिल्ली में शीघ्र ही माहेश्वरी भवन (समाज का सचिवालय) के निर्माण हेतु सभापति द्वारा एक करोड़ रुपये की घोषणा।
- ''बेटी बचाओ अभियान'' जिसमें सही उम्र में बेटी का विवाह और बहू को पढ़ाने का आह्वान किया जाऐगा।
- महासभा वेबसाईट का निर्माण करेगी जिसके द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों के डाटा उपलब्ध करवाऐगी।
- कोलकाता में बालक व बालिकाओं के लिये पृथक-पृथक छात्रावासों का निर्माण।
- दिल्ली में माहेश्वरी समाज की राष्ट्र निर्माण कार्यशाला का आयोजन करना, जिसमें प्रधानमंत्री को बुलाना।
- घटती जनसंख्या की स्थिति में परिवार बढ़ाने पर जोर।

खुले मंच के अवसर पर समाज के वरिष्ठजन अपने विचार रखते हुए।

'श्री कोठारी बन्धु शौर्य स्मृति ट्रस्ट' ने किया शौर्य सम्मान

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल की बैठक के दौरान ही ''श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट'' द्वारा समाज की साहसिक विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसके अन्तर्गत ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी घनश्याम करनानी व अध्यक्ष गोवर्धनलाल झँवर के नेतृत्व में उपस्थित अतिथियों के कर कमलों से अप्रतीम शौर्य के साथ ही समर्पित समाजसेवा के लिये भी समाजसेवियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। इस समारोह में अप्रतीम शौर्य के लिए पीपलखुँटा (बड़ा) तहसील मोरसी जिला अमरावती (महाराष्ट्र) के श्रीराम चांडक, पिपरिया (मध्यप्रदेश) की नन्दन मोहता, भाम्ब देवी- यवतमाल (महाराष्ट्र) की रजनी सारड़ा, जालना की प्रणीता राठी तथा समाजसेवा के लिये राष्ट्र स्तरीय सेवा पुरस्कार से किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान की मुस्कान राठी तथा आगरा के बांकेलाल माहेश्वरी को सम्मानित किया गया।

इनको किया नमन.....

शौर्य सम्मान - श्रीराम चाण्डक

21 वर्षीय श्रीराम चांडक सुपुत्र श्री भोजराज चांडक पीपलखुँटा (बड़ा) तहसील मोरसी जिला अमरावती (महाराष्ट्र) ने कई बार असामाजिक तत्त्वों से जूझ कर कसाइयों के चंगुल से गायों को बचाया। अमरावती जिले का राजुरा बाजार से कसाई लोग गौ-हत्या के लिये गायें खरीद कर बूचड़ खानों को बेच देते हैं। श्रीराम ने कई बार जान की बाजी

लगाकर गाय बचाई। एक बार श्रीराम चांडक ने 9 गायों को पूर्ण संघर्ष के साथ बचाया। कसाइयों ने उन पर हमला भी किया और काफी चोटिल भी कर दिया। दुबारा एक कसाई दो गायें ले कर जा रहा था, उनको छुड़ाने में कसाई के साथियों ने उस पर फिर हमला बोल दिया और चोटिल कर दिया। परन्तु राम चांडक को अपने साथियों की मदद से अपने प्रयास में सफलता मिली। कुछ दिन बाद एक ट्रक में 4 गायें जा रही थी, राम ने प्रयास किया तो ट्रक वालों से मारपीट हुई। लहु लुहान होते हुये भी राम ने हिम्मत नही हारी। राम के साथी पुलिस को लेकर आये और गायें बचा ली गईं। इसके बाद पुलिस की सहायता से कई बार गायें छुड़ाई गयी। कसाई लोगों ने राम को पैसों का लालच कई बार दिया, राम ने उनकी बातों को सुना-अनसुना कर दिया। कसाइयों के दलाल राम को लोभ देते रहे एवं साथ ही बराबर धमकी भी मिल रही थी। परन्तु वह अडिग रहा। कसाइयों ने राम के माता-पिता को भी धमकी दी और कहा कि अपने पुत्र को समझा दें अन्यथा परिवार को खत्म कर दिया जायेगा। राम ने हिम्मत नहीं हारी उसने कहा कि मरना तो सबको है। माँ कि सेवा में जाऊगाँ तो पुनः जन्म नहीं होगा अतः वह अन्त तक नहीं हारा। राम के माता-पिता ने घबरा कर राम को उसके नाना के घर भेज दिया, जिससे उसकी पढ़ाई में भी बाधा आयी। परन्तु राम जब भी अपने गाँव आया कसाइयों से लोहा लेता ही रहा।

सेवा सम्मान - नन्हीं लेखिका मुस्कान राठी

कुमारी मुस्कान राठी ऐसी कन्या का नाम है जिसने अपनी 13 वर्ष की छोटी सी उम्र से ही इन्टरनेट पर अंग्रेजी भाषा में कहानियाँ लिखना प्रारम्भ कर दिया था। कहानियाँ लिखते-लिखते धीरे-धीरे उपन्यास की भी रचना कर दी। इसने अपने प्रथम उपन्यास से ही विश्व भर में भारत एवं समाज का मान बढ़ाया। माहेश्वरी समाज का गौरव विश्व पटल पर अंकित करने वाली मुस्कान का आगमन 12 फरवरी 1988 को किशनगढ़ (राजस्थान) में श्रीमती अन्नपूर्णा -शरद राठी के परिवार में नन्हीं परी के रूप में हुआ था। इण्टरनेट के माध्यम से चर्चित होने पर पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में विख्यात PAPTRIDGE (A PENGUIEN RANDOM HOUSE COMPANY) ने मुस्कान से सम्पर्क कर इसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की अनुमती मांगी। इस दुर्लभ उपलब्धि को सहजता से स्वीकार करते हुए मुस्कान ने पुस्तक का नाम SANGOMA-THE SUN रखा। इस पुस्तक से प्रभावित होकर प्रकाशक ने अमेरिका, इंग्लैण्ड,

जापान, जर्मनी, कनाडा, डेनमार्क, फ्रान्स, कोरिया और भारत सहित नौ देशों में एक साथ पुस्तक प्रकाशित कर तहलका मचा दिया। सम्भवतः इतनी कम उम्र में बुलन्दी की ऊचाइयों को छूने वाली कु मुस्कान प्रथम लेखिका है। इस समय मुस्कान की कालजयी रचना को आप फ्लिप कार्ड, अमेजिन, स्नेपडील, वॉट्स-अप सहित करीब 120 साइट्स पर पढ़ सकते हैं। विश्व के नौ देशों में एक साथ प्रकाशित होने वाली सबसे कम उम्र के लेखक की यह पहली पुस्तक है।

शौर्य सम्मान- प्रणीता राठी

नारी एक ऐसी अप्रतीम शक्ति है, जो विपरीत परिस्थितियों में और भी प्रबल होकर सामने आती है। इसी का जीवंत उदाहरण हैं, जालना निवासी 24 वर्षीय प्रणीता राठी, जिन्होंने ड्रायवर सहित अपने सम्पूर्ण परिवार को ही नवजीवन दिया था। विजयकुमार राठी जालना की सुपुत्री प्रणीता को सोलो डान्स प्रतियोगिता में 7 से 10 सितम्बर 2012 को राष्ट्रीय युवा संगठन की ओर से इन्दौर में आयोजित "युवा महोत्सव" में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला था। लेकिन 8 तारीख को सुबह दादीजी का स्वर्गवास होने की सूचना मिलने पर प्रातः 10 बजे उन्हें जालना के लिये रवाना होना पड़ा। इन्दौर से 85 कि.मी. की दूरी पर सामने से आने वाले ट्रक से अपने आपको बचाने के प्रयास में गाड़ी रोड के सेपरेटर से टकराकर 10 से 12 फीट नीचे पानी से भरे नाले में उल्टी गिर गयी। गाड़ी में पानी भरना शुरू हुआ। प्रणीता को भी गहरी चोंट लगी थी, दर्द भी हो रहा था। लेकिन परिस्थिति को देखकर जब दरवाजा खुला नहीं तो अपने दोनों हाथों से गाड़ी का कांच तोड़ा और बाहर निकलकर अपने पापा व छोटी बहन को खिडकी से बाहर निकाला। ड्रायवर को चोट कम थी, होश में था, उसे भी बाहर निकाला। फिर खिड़की से वापस पानी डूबती कार में घुसकर और बहन, पापा व ड्रायवर के सहयोग से मम्मी को बाहर निकालकर ही मानी। इसके बाद तमाम परेशानियों से जुझते हुए सभी को अस्पताल भी पहुँचाया।

शौर्य सम्मान - कु. नंदनी मोहता

पिपरिया, (मध्यप्रदेश) की दस वर्ष की नन्ही बच्ची को हवस का शिकार बनाने की पड़ोसी ने गत 16 नवम्बर 2014 को कोशिश की। परन्तु अपने साहस, धैर्य और हिम्मत से उसने उस पिशाच को अपने दांतों से काट-काट कर एवं नाखुनों की मार से अपनी इज्जत तो बचा ली, परन्तु वह दुष्ट व्यक्ति नन्हीं

बच्ची पर 20-22 जगह चाकू से वार करके उसे मरणासन्न अवस्था में छोड़कर भाग गया। यह साहसी बिटिया इतने घावों के होते हुये भी स्वयं चलकर अंधेरी गली से सड़क पर गिरते पड़ते आ गई। उसके बदन को लहूलुहान हालत आस-पास के लोगों ने देखी तो उसके परिवार को सूचित करके तुरन्त स्थानीय अस्पताल ले गये। तब तक उसके पिता श्री हरिसिंह एवं अन्य परिवार के सदस्य भी पहुँच गये। स्थानीय अस्पताल के डॉक्टर ने परिस्थिति को देखकर जिला अस्पताल के लिये रेफर कर दिया। इस घटना से पूरा इटारसी समाज उद्दीग्न हो गया। राजनीति से परे सब दल के लोग, सारे व्यापारिक संगठन, सभी सामाजिक संगठन सबने इस काण्ड की निंदा की एवं शहर बन्द का आवाहन किया और हड़ताल भी ऐसी की लोग चाय को भी तरस गये। जनता जनार्दन की सिर्फ एक ही मांग उस दरिन्दें को गिरफ्तार किया जाये और और कड़ी से कड़ी सजा दी जाय। पूरे शहर व समाचार पत्रों ने इस नन्हीं सी बालिका के अदम्य साहय व त्वरित सूझबूझ आदि की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय समाज सेवा सम्मान- बांकेलाल माहेश्वरी

जिसने अपने जीवन के 38 वर्ष सिर्फ सेवा कार्यो में निःस्वार्थ भाव से बिना सरकारी सहायता के अर्पित कर दिये, ऐसे महामानव का नाम है, बाँकेलाल जी माहेश्वरी आगरा। आज से 38 वर्ष पूर्व आगरा की एक स्टेशन "राजा की मण्डी" में रेल दुर्घटना हुयी। श्री बाँके लाल जी माहेश्वरी का घर स्टेशन के पास में ही था। उन्होंने बाल्टी भर कर पानी लिया और स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाना शुरू किया जो आज बहुत बड़े रूप में आगरा में "श्रीनाथ जी निःशुल्क जल सेवा" के नाम से विख्यात है। निरंतर श्री बाँके लाल जी माहेश्वरी अपने मित्रों, रिश्तेदारों एवं दानदाताओं के माध्यम से आगरा में सैंकड़ों जगहों पर जल सेवा द्वारा यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। इनकी दूसरी बड़ी सेवा रैन-बसेरा है। जाड़े में ठिठुरते यात्रियों के लिये अनेक जगह रैन-बसेरा के माध्यम से स्थायी-कनात, गद्दा-रजाई की व्यवस्था कर उनके आराम की निःशुल्क व्यवस्था करते हैं। अस्पताल सेवा विगत 11 वर्षो से एवं गौ-सेवा का कार्य भी विगत 2 वर्षो से कर रहे हैं।

शौर्य सम्मान - श्रीमती रजनी सारड़ा

छोटे से गाँव भाम्ब देवी, यवतमाल (महाराष्ट्र) की पुत्रवधू रजनी सारड़ा ने विदर्भ की 300 महिलाओं के साथ उत्तर प्रदेश के सुखताल में भागवत कथा के आयोजन में भाग लेने गई थी। भागवत समाप्त होने के बाद इन लोगों ने दिल्ली पहुँचने पर घुमने का कार्यक्रम बनाया। दिल्ली में भ्रमण के लिये ने क्वालिस गाड़ी ली। सिग्नल लाल होने पर एक चौराहे पर गाड़ी रूकने पर एक बदमाश ने रजनी के गले में पहनी हुई चेन व 35 ग्राम का मंगलसूत्र हाथ डालकर खींच लिया और भागा। चेन व मंगलसूत्र सेपटी पिन से ब्लाउज से टच किया हुआ था। अचानक हुई ऐसी घटना से एक क्षण भी देर किये बिना श्रीमती रजनी भी

खिड़की मे से कूद कर चोर-चोर चिल्लाते हुए उसके पीछे दौड़ी। रजनी के साहस एवं दृढ़संकल्प के कारण कई लोग चोर के पीछे लग गये। सामने से एक पत्रकार अपनी मोटर साइकिल से आ रहा था, रजनी ने उसे इशारे से समझाया के आप अपने हैलमेट से उस पर प्रहार करो, ऐसा करके भागते हुए चोर को उसने पकड़ा। इस बीच पुलिस भी पहुँच गयी। लोगों ने अपनी भड़ास निकाली और चोर को बहुत मारपीट कर सामान के बारे में पूछा। इन लोगों ने पूरी तलाश की परन्तु चेन व मंगलसूत्र नहीं मिला। रजनी ने उसका गला पकड़ा और मुँह में हाथ डालकर चेन व मंगलसूत्र निकाल लिया और चोर को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। साहस,हिम्मत, त्वरित निर्णय की क्षमता मात्र से श्रीमती रजनी ने अपना खोया सामान पा लिया।

सभी ने भूतड़ा को, तो भूतड़ा ने आयोजकों को सराहा

महासभा के अभी तक आयोजित अधिवेशनों में सम्भवतः यह एक मात्र ऐसा प्रथम अधिवेशन था, जिससे सभी सदस्य संतुष्ट नजर आये। आवास व यातायात से लेकर भोजन आदि सभी व्यवस्थाओं की सभी सदस्यों ने मुक्त कंठ से सराहना की। यह आयोजन महामंत्री रामकुमार भूतड़ा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। अतः सभी ने उन्हें इसका श्रेय दिया लेकिन श्री भूतड़ा ने इसका श्रेय आयोजकों को दिया। श्री भूतड़ा ने अंत में आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सफल बैठक के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विशेष रूप से मथुरा जिला सभा द्वारा यातायात व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले सुशील दीवान, केजी माहेश्वरी, ललित माहेश्वरी, राकेश मोहता, बांके बिहारी गांधी, प्रशांत माहेश्वरी की विशेष सराहना की। श्री भूतड़ा ने कार्यक्रम संयोजक अजय काबरा, सहसंयोजक लोकेन्द्र करवा व कार्यक्रम के प्रणेता वीरेन्द्र भुराड़िया वाराणसी के साथ उत्तरांचल क्षेत्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद माहेश्वरी मोदी नगर के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इन्होंने किया व्यवस्थाओं का कुशल प्रबंधन

इस आयोजन के समन्वयक-वीरेन्द्र कुमार भुराड़िया (वाराणसी), संयोजक-अजय काबरा (भदोही) व संयुक्त संयोजक-लोकेन्द्र करवा (वाराणसी) थे। मंच व पण्डाल समिति में दीपक दूजारी (वाराणसी), नन्दकिशोर झँवर (वाराणसी), अभय राठी (अलीगढ़) व कृष्ण कुमार सोमानी (वाराणसी), आवास समिति में किशोर मूंधड़ा, वाराणसी के आकाश करवा, राजेश बाहेती, गोविन्द बजाज, अशोक साबू (भदोही), रोहित सोमानी (गोंडा), गोपाल कृष्ण लड्ढा (मिर्जापुर), मनोज माहेश्वरी (जायस), तथा अजय माहेश्वरी (मुजफ्फरपुर) सदस्य के रूप में सेवा दे रहे थे। इसी प्रकार यातायात समिति में अमृता (वाराणसी) आदित्य सारड़ा (कानपुर) व अशुंल माहेश्वरी (मथुरा), भोजन व्यवस्था समिति में रामजीलाल चाण्डक (वाराणसी), राजकुमार कोठारी (वाराणसी), विजय काबरा (ब्यावर), विकास झँवर (ब्यावर), राम वल्लभ भूतड़ा (इन्दौर), दामोदर भूतड़ा (इन्दौर) व समीर माहेश्वरी (मथुरा) तथा पंजीकरण समिति में वाराणसी के गोपाल दम्मानी, शंकरलाल सोमानी, नारायणदास चांडक, मांगीलाल सारड़ा, प्रदीप झँवर (लखनऊ), हरी कृष्ण मूंधड़ा (कानपूर) तथा प्रचार-प्रसार व संचार समिति में वाराणसी के पवन धूत, विजय काबरा व आकाश करवा अपनी सक्रिय सेवा दे रहे थे। तीनों प्रदेशों के कार्यो के समन्वय में समन्वयक के रूप में वीरेन्द्र भुराड़िया ने अत्यंत सुचारू भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन दीपक दुजारी ने किया। सहसंयोजक के रूप में राजकुमार कोठारी वाराणसी, गोपाल लोहिया कानपुर व प्रमोद माहेश्वरी मोदी नगर अपनी टीम के साथ जुटे थे। पूर्वी उ.प्र. अध्यक्ष विनोद माहेश्वरी, मध्य उ.प्र. अध्यक्ष राजेश माहेश्वरी तथा पश्चिमी उ.प्र. अध्यक्ष कौशल किशोर परतानी अपने-अपने प्रदेश की कार्यकर्ताओं की टीम का नेतृत्व कर रहे थे।

आकाश ने व्यवस्थाओं को दिया "खुला-आकाश"

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा आयोजित कार्य समिति एवं कार्यकारी मंडल अधिवेशन ब्रज समागम वृंदावन में वाराणसी के सबसे युवा कार्यकर्ता आकाश करवा वाराणसी को उनके अभूतपूर्व सहयोग के लिये ओम बिड़ला सांसद कोटा राजस्थान एवं किरण माहेश्वरी केन्द्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। आकाश ने विगत दो माह में अथक प्रयास कर पूरे कार्यक्रम के दौरान समस्त आने-जाने वाले प्रतिनिधियों का कम्प्यूटराईज्ड ब्यौरा सुव्यवस्थित ढंग से रखा तथा उनके ठहरने एवं वापस जाने के दौरान भोजन पैकेट की डिटेल को अपने ताउजी लोकेन्द्र करवा (कार्यक्रम संयोजक) को उपलब्ध कराया। वृंदावन बैठक के दौरान वृन्दावन में उपस्थित रह कर आने वाले प्रतिनिधियों के रजिस्टेशन एवं उनके ठहरने के स्थान से आने एवं जाने के वाहनों की व्यवस्था में अपना सहयोग दिया। इसमें उनकी विशेषता आईटी के उपयोग की थी। उनके कारण प्रथम बार हर सूचना हाईटेक रूप से प्राप्त हुई। आकाश पूर्व कार्यसमिति सदस्य जानकी वल्लभ जी करवा के पौत्र एवं प्रिया-श्रवण करवा वाराणसी के पुत्र व इस कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक तथा महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य लोकेन्द्र करवा वाराणसी के भतीजे हैं।

रातिजगा के साथ सेवल्या कुंज लोकार्पित

भीलवाड़ा। जिले के बागौर कस्बे में गत 30-31 अक्टूबर को श्री सेवल्या माताजी का वार्षिक रातिजगा आयोजित हुआ। इसमें पूरे देश से सोनी परिवार शामिल हुए। गत 30 अक्टूबर को रात्रि 8 बजे से भजन गायिका सुमन सोनी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। अगले दिन 31 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से श्री सेवल्या माता परिवार समिति द्वारा नवनिर्मित भक्त निवास "श्री सेवल्या कुंज" लोकार्पित हुआ। इसका लोकार्पण माताजी की कृपापात्र सुनीता कोठारी एवं अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने मंत्रोच्चार व विधि विधान के साथ किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी, सचिव कैलाश कोठारी, कोषाध्यक्ष रामजस सोनी सहित समस्त दानदाता एवं भक्तगण उपस्थित थे। इस सेवल्या कुंज में 7 कमरें, 2 बड़े हॉल, रसोई घर, स्नान घर, सहित सर्वसुविधायुक्त निवास बनाया गया। लोकार्पण के बाद दानदाताओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें बगंर माताजी के कृपा पात्र रामचन्द्र सोमानी, गोविन्दचार्य महाराज, समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी व सचिव कैलाश कोठारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश कोगटा ने किया। सचिव कैलाश कोठारी ने स्वागत उद्बोधन एवं समिति के विकास कार्य की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सेवल्या कुंज निर्माण में 40 लाख खर्च हुए हैं व 20 लाख रु. का और खर्च सम्भावित है। सेवल्या कुंज निर्माण के दानदाताओं का सम्मान भी अतिथियों द्वारा किया गया। इनमें भूमिदान के लिए सुशीला कोठारी सांगानेर, सुभाष कोठारी अलीराजपुर, जानकीलाल कोठारी व कृष्ण कांत कोठारी सूरत, जगदीश कोठारी सूरत, सचिन सोना, छोटा उदयपुर, बालचन्द सोनी-निम्बाहेड़ा, अनुराग कोठारी, रामजस सोनी, कैलाश कोठारी, रामेश्वरलाल सोनी, राजेन्द्र कोठारी, बंशीलाल कोठारी, रामनारायण कोठारी, मनोज सोनी उज्जैन आदि कई सदस्य शामिल हैं।

कोर्ट के आदेश के बावजूद पोलिथिन का उपयोग

जयपुर। पशु अधिकारों व पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही राष्ट्रीय संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने आरोप लगाया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सख्त निर्देशों के बावजूद भी सरकार के कारिन्दे मानव व पशुओं की दुश्मन, कचरा व सड़ाधं फैलाने वाली पॉलिथिन थैलियों का उपयोग नहीं रोक पा रहे हैं। राज्य में पॉलिथिन खाने से प्रतिदिन 450 पशु अकाल मौत के शिकार हो रहे है। सजा व जुर्माने के प्रावधान केवल कागजों तक सीमित रह गये हैं, जो सरकार की घोर लापरवाही को दर्शाते हैं। पॉलिथिन धरपकड़ करने वाले विभागों के कारिन्दे केवल मात्र कुछ पॉलिथिन थैलियों को पकड़ने का नाटक मात्र कर रहे हैं।

> छोटा-सा समाधान
> बड़ी लड़ाई को भी समाप्त कर देता है,
> और छोटी-सी गलतफहमी
> बड़ी लड़ाई पैदा कर देती है।

मोर व ऊँट के संरक्षण के लिये उठायी आवाज

भीलवाड़ा। संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स द्वारा प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू के नेतृत्व में भीलवाड़ा के मेवाड़ मिल की बाउण्ड्री परिसर में 4 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया। संस्था के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि 29 नवम्बर को पीएफए के कार्यकर्ता कुलदीप कोठारी से 4 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को मेल एवं प्रतापनगर थानाधिकारी को रजिस्टर्ड डाक से 4 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की जहरीला दाना डालकर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। इसी प्रकार राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिंधिया को पत्र लिखकर ऊँट को राज्यपशु घोषित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए ऊँट के संरक्षण के लिये ठोस कदम उठाने की माँग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पशु घोषित होने के बाद से 1000 से अधिक ऊँटों की तस्करी हो चुकी है।

नारी प्रतिभा का शक्ति प्रदर्शन कर गया अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का 'ओजसम्-2014'

माहेश्वरी समाज यदि देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रहा है, तो इसके पीछे उसकी अप्रतीम प्रतिभा ही है। इसे सिद्ध कर गया अहमदाबाद में आयोजित अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन "ओजसम-2014"। इसमें समाज की नारी शक्ति ने अपनी प्रतिभा का इस तरह खुलकर प्रदर्शन किया कि जिसने देखा वह दांतों तले उंगुली दबा गया।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में गत 19 से 21 दिसम्बर तक अहमदाबाद में राष्ट्रीय किशोरी विकास शिविर ओजसम्-2014 का आयोजन किया गया। इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन स्थानीय होटल-"देव कंफर्ट" फन पाईंट कम्पाउण्ड अहमदाबाद में किया गया। इस त्रिदिवसीय आयोजन में समाज की किशोरियों व 18 से 35 वर्ष आयु की महिलाओं ने जमकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे सराहे बिना दर्शक नहीं रहे।

भव्य रूप से हुआ शुभारम्भ

इस त्रिदिवसीय आयोजन का शुभारम्भ प्रथम दिवस 19 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे स्वामी श्री माधव प्रपन्नाचार्यजी महाराज ने अपनी प्रभावी एवं ओजस्वी वाणी से आपने किशोरियों को आधुनिक तंत्र ज्ञान के साथ-साथ पारिवारिक सामाजिक जीवन में सद्भाव बनाकर रहने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति अनिल मोदानी अहमदाबाद, समाजसेवी बाबूप्रसाद खटोड़ (अहमदाबाद), रामनिवास मानधनी (जालना), लता मोहता (हिंगनघाट) तथा गिरधर मूंदड़ा (सूरत) उपस्थित थे। सम्मानीय अतिथि के रूप में अहमदाबाद की मयूर मीनाक्षी बेन पटेल तथा राजस्थान की जल संसाधन मंत्री किरण माहेश्वरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगरानी, संरक्षक रतनीदेवी काबरा, पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, महासभा के मध्यांचल उपाध्यक्ष रामगोपाल मून्दड़ा, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा व युवा संगठन के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार काल्या उपस्थित थे।

संस्कारों की चिंता से शुरूआत

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने कार्यक्रम के प्रयोजन को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। स्वागत मंत्री उमा काबरा ने स्नेह पूर्वक आतिथ्य वचन कहे। रत्नीदेवी काबरा ने युवा पीढ़ी से जुड़ी अपनी चिंता व्यक्त की। सुनील गिगल ने कहा कि यहां संस्कारों की गंगा बहेगी। मदन पेड़ीवाल ने माना कि युवावर्ग के उत्थान से ही सशक्त समाज का निर्माण हो सकता है। युवा संगठन अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने अपील कि युवा अपनी शक्ति को पहचाने और देश और समाज की सेवा में अपना योगदान देवे। मनोरमा लड्ढा ने माहेश्वरियों की कम होती हुई संख्या पर सदन का ध्यान केन्द्रित करवाया। दक्षिणांचल उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा ने बताया कि आज प्रवासी अमेरिकन माहेश्वरी भी बच्चों में संस्कार पर ध्यान दे रहे हैं। गुजरात प्रदेश मंत्री उमा जाजू के आभार प्रदर्शन के साथ प्रथम सत्र समाप्त हुआ।

शाम को औपचारिक उद्घाटन

उद्घाटन सत्र संध्या 6 बजे माननीय अतिथियों के आगमन से प्रारंभ हुआ। पुष्प व स्मृति-चिह्न भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागताध्यक्ष सीमा मोदानी ने अहमदाबाद शहर की विशेषताएं दर्शाते हुए पूरे सदन का स्वागत किया । इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित मेयर मीनाक्षी बेन पटेल ने सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे युवा पीढ़ी को दिशा निर्देश मिलेगा। केबिनेट मिनिस्टर राजस्थान किरण माहेश्वरी ने युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन अनेकों उदाहरणों द्वारा देते हुए स्त्री की छवि उसके कार्यों पर सरल शब्दों में प्रकाश डाला। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमलादेवी साबू का गुजरात प्रदेश की ओर से भावभीना अभिनंदन, शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं अभिनंदन-पत्र प्रदान कर किया गया। रामनिवास मानधनी ने अपने उद्बोधन में महासभा कि "छात्रावास" योजनाओं से सदन को अवगत कराया। बाबूलाल खटोड़ ने पहले और आज की स्त्री की परिस्थिति में अंतर को स्पष्ट किया। हींगनघाट निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी लता मोहता ने गुजरात के विकास के आधार पर मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि अहमदाबाद निवासी अनिल मोदानी ने इस प्रकार के कार्यक्रमों की उपयोगिता दर्शाई व अनका लाभ लेने की अपील की।

कुशल हाथों ने सम्हाली व्यवस्था

इस आयोजन को सफल बनाने के लिये विभिन्न जिम्मेदारियों के अनुसार समितियों का गठन किया गया था। अतिथि स्वागत अध्यक्ष सीमा मोदानी (अहमदाबाद), स्वागतमंत्री सविता बाहेती, कार्यक्रम संयोजिका उमा काबरा (बड़ौदा) व सह संयोजिका निर्मला काबरा (अहमदाबाद) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुजरात प्रादेशिक महिला संगठन अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री (अहमदाबाद), समन्वयक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमलादेवी साबू, किशोरी विकास समिति प्रमुख आशा लड्ढा (अमरावती) व गुजरात प्रदेश सचिव उमा जाजू (सूरत) आदि ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का समापन अंतिम दिवस को दोपहर 1 से 3 बजे तक पुरस्कार वितरण व कार्यकर्ता सम्मान के साथ आयोजित समारोह में हुआ। इसमें अतिथि के रूप में महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा व अहमदाबाद के समाजसेवी दिनेश कुमार कलंत्री उपस्थित थे।

अतिथियों ने बढ़ाया हौंसला

इस त्रिदिवसीय आयोजन में शुभारम्भ से अंतिम दिवस तक विभिन्न कलात्मक व बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस दौरान मनोरमा लड्ढा (ग्वालियर), कमल-रामरतनजी भूतड़ा-सूरत, सुनील गिगल-बड़ोदा, प्रभुलाल काबरा- अहमदाबाद, राधेश्याम जाजू-सूरत, शरद गट्टानी-अहमदाबाद, सुनील पुंगलिया-अहमदाबाद, राज झंवर-कोलकाता, सुरेश राठी जोधपुर, गीता मूंदड़ा व दिनेश कुमार कलंत्री-अहमदाबाद आदि ने अतिथि रूप में उपस्थित रहकर प्रतियोगियों को प्रोत्साहित किया।

युवा पीढ़ी को संगठन से जोड़ना था लक्ष्य-श्रीमती काबरा

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने आयोजन ''ओजसम्-2014'' के औचित्य को व्यक्त करते हुए बताया कि इसका लक्ष्य प्रमुख रूप से युवा पीढ़ी को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था। वर्तमान में युवा पीढ़ी समाज की मुख्यधारा से दूर हो रही है। इससे उनके संस्कारों का क्षरण हो रहा है, जिसका परिणाम परिवार विग्रह सहित विभिन्न विषमताओं के रूप में सामने आ रहा है। इस आयोजन में युवा पीढ़ी की प्रतिभा व भावनाओं के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास किया गया। नई पीढ़ी अत्यधिक ऊर्जावान भी है। इससे उनकी ऊर्जा व प्रतिभा को प्रोत्साहित किया गया।

किसमें कौन महारथी.....

ड्राईंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता (रूझाते रंग-चिंतन संग)- विषय ''सुखी जीवन का आधार शिक्षा,सुरक्षा, संस्कार'' विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छत्तीसगढ़ की नयन लड्ढा, द्वितीय विदर्भ की गुंजन तापड़िया व तृतीय पुरस्कार विदर्भ की मनाली भण्डारी को प्राप्त हुआ।

कॉईन पैकिंग प्रतियोगिता (शरबती शगुन)- इस स्पर्धा का आयोजन दोपहर 12.30 से 1.30 तक हुआ। इसमें प्रथम तमिलनाडू की निकिता टावरी, द्वितीय छत्तीसगढ़ की दीपिका लाहोटी व तृतीय विदर्भ की रूपल मोहता रही।

साड़ी पैकिंग प्रतियोगिता (बोलती परी)- प्रत्येक प्रदेश से इसमें 2 प्रतियोगी शामिल थीं। इसमें प्रथम राजस्थान की श्वेता माहेश्वरी, द्वितीय आन्ध्रप्रदेश की सविता लोया व तृतीय महाराष्ट्र की मोनिका काबरा रही।

वेस्ट से कलात्मक प्रस्तुति (बिगड़ी बनी)- वेस्ट मटेरियल से उपयोगी सामग्री बनाने की इस प्रतियोगिता में प्रथम महाराष्ट्र प्रदेश से प्रेरणा बजाज व स्वाति बलदुआ, द्वितीय नेपाल से गिरीजा बलदुआ व इरा सारड़ा तथा तृतीय उत्तरप्रदेश से कामना सारड़ा व आरती रहीं।

ट्रेजर हंट एवं क्विज कांटेस्ट (बुद्धि विस्तार-तेज रफ्तार)- बौद्धिक परीक्षा की इस स्पर्धा में प्रत्येक प्रदेश से 3 प्रतियोगियों की टीम शामिल हुई। इसमें प्रथम मुम्बई की दिशा, प्रिया व सिद्धी, द्वितीय नेपाल गुलाबी गेंग की पायल, प्रियंका व कीर्ति तथा तृतीय मध्यप्रदेश की पूनम, श्रुति व रश्मी रहीं।

वाद-विवाद प्रतियोगिता (बात एक मुद्दे की)- ''भ्रमित एवं भटकी हुई है युवा पीढ़ी'' -विषय पर इसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें प्रथम जोधपुर की विजया माहेश्वरी, द्वितीय छत्तीसगढ़ की अंकिता-समीर माहेश्वरी, तृतीय नेपाल की गिरजा सारड़ा रही।

गरबा लोकनृत्य (लहर-लहर-लहराऊँ रे)- इसमें विभिन्न प्रदेशों की प्रतियोगियों ने गरबा की प्रस्तुति दी। इनमें प्रथम महाराष्ट्र, द्वितीय मुम्बई, तृतीय गुजरात तथा चतुर्थ तमिलनाडू प्रदेश की टीम रही। इसके अतिरिक्त बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार महाराष्ट्र प्रदेश की प्रिया मोन-मुम्बई व बेस्ट परफार्मर का पुरस्कार गुजरात की निकिता कासट-सूरत को मिला।

पर्सनलिटी कांटेस्ट (ओजसी 2014)- सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास की इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की पूजा मंत्री-प्रथम, आन्ध्रप्रदेश की अर्चना लोया-द्वितीय तथा दक्षिण राजस्थान की सारिका छापरवाल-तृतीय रहीं।

आंचलिक प्रतियोगिता (ओजस्वनी)- इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों की टीमों ने भाग लिया। इनमें मध्यांचल प्रथम, पश्चिमांचल द्वितीय तथा दक्षिणांचल की टीम तृतीय रही।

बातें दो टूकी-संग नाटक नौंटकी- लघु नाटकों की प्रस्तुति वाली इस स्पर्धा में कई सामाजिक समस्याओं की प्रस्तुति दी गई। इसमें पूर्वी मध्यप्रदेश प्रथम, गुजरात प्रदेश द्वितीय तथा मुम्बई प्रदेश का कलाकार दल तृतीय रहा।

बायोडाटा का निःशुल्क पंजीयन

ईचलकरंजी। माहेश्वरी विवाह सेवा सहयोग केन्द्र निःशुल्क मेरिज ब्यूरो का संचालन पिछले कई सालों से कर रहा है। इसमें समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों तथा अपंग, विधवा, विधुर व विकलांग के बायोडाटा फोटो कुंडली सहित भिजवा कर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उक्त जानकारी केन्द्र संचालन नटवरलाल मानधनिया ने दी।

रांदड नौरत्न सम्मान से सम्मानित

नागपुर। गत 16 नवम्बर को नार्थ इंडिया एसोसिएशन द्वारा व्यापार जगत के सफलतम उद्योजकों के सम्मान में ''भारत के नौरत्न'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नागपुर के युवा उद्योगपति रमेश भागीरथ रांदड को भी इस सम्मान से नवाजा गया। ये खिताब उन्हें युनियन टेक्सटाइल मिनिस्टर द्वारा दिल्ली (गुडगांव) में भेंट किया गया।

युवा संगठन ने चलाया स्वच्छता अभियान

अहमदाबाद। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 30 नवम्बर को प्रातः9 बजे प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत ''स्वच्छ अहमदाबाद और यातायात जागरूकता अभियान'' का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत संगठन अध्यक्ष संदेश मूंदड़ा के मार्गदर्शन में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों तथा संगठन सदस्यों द्वारा खोकरा क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर हाथ में झाड़ू व बास्केट थाम कर सफाई की गई। सभी ने इस अवसर पर स्वच्छता तथा यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ ली। श्री मून्दड़ा ने बताया कि निर्मल मून्दड़ा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अरविंद राठी, राघव तापड़िया, पंकज बाहेती तथा कृपाल शाह सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

साबू का किया सम्मान

इन्दौर। विवाह प्रकोष्ठ सेवा ट्रस्ट के 27 वें विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में समाजसेवी राधेश्याम साबू को उनकी आकांक्षा रहित सेवा, अदम्य इच्छा-शक्ति एवं जीवटता से भरे जीवन हेतु सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय महासभा के पूर्व अर्थ मंत्री दामोदर दास मूंदड़ा के मुख्य अतिथ्य एवं कई गणमान्यजनों की उपस्थिति में श्री साबू को शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र के साथ यह सम्मान दिया गया। उल्लेखनीय है कि हाल ही 15 अगस्त को द इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टेट अकाउंटेन्ट आफ इन्डिया इन्दौर शाखा द्वारा 73 वर्षीय श्री साबू को उनकी इन्दौर के एम.वाय एवं सरकारी हॉस्पीटल में विगत कई वर्षो से निर्धन, निशक्त तथा असहाय मरीजों की सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

बिरला नगर महिला मंडल ने करवाई सोमनाथ यात्रा

ग्वालियर। माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा गत 11 से 18 नवम्बर तक सोमनाथ व द्वारका जी की यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल हुये। यात्रा संचालिका निवर्तमान अध्यक्ष चन्दा लखोटिया के द्वारा पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी। यात्रा में अधिकांश वरिष्ठ पुरूष एवं महिलायें शामिल थीं। यह यात्रा ग्वालियर से सोमनाथ, द्वारका, भेंट द्वारका व अहमदाबाद, अक्षरधाम, अम्बाजली माता, डाकौर जी, सिद्धी विनायक के दर्शन करके 18 नम्बर को ग्वालियर में सम्पन्न हुई। यात्रियों का भोपाल स्टेशन पर विदिशा के नवीन राठी, सीहोर स्टेशन पर अजय काबरा एवं उज्जैन स्टेशन पर महेश लड्ढा द्वारा स्वागत किया गया। लौटते वक्त भोपाल स्टेशन पर अजय लखोटिया के द्वारा स्वागत किया गया। यात्रा में माहेश्वरी समाज बिरला नगर ग्वालियर के अध्यक्ष संतोष लखोटिया, सचिव संजय तोषनीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल गोदानी, उपाध्यक्ष महेश करवा, उपाध्यक्ष विष्णु भुराड़िया, कार्यकारिणी सदस्य सुभाष लोईवाल एवं ओमप्रकाश सोनी आदि का विशेष योगदान रहा।

> धैर्य होना अत्यन्त आवश्यक है,
> क्योंकि माली यदि किसी पेड़ को
> सौ घड़े पानी से भी सींचे,
> तब भी फल तो मौसम आने पर ही लगते हैं।

अवंतिका में हुआ माहेश्वरी शक्ति का "आगाज"

पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन आयोजित किया महिलाओं का महाकुम्भ

पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा भगवान महाकालेश्वर की नगरी में अपना प्रदेश स्तरीय माहेश्वरी महिला अधिवेशन "अवंतिका शक्ति समागम-आगाज-2014" का दो दिवसीय आयोजन उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में गत 27 व 28 दिसम्बर को किया गया। इसमें पूरे प्रदेश से चयनित प्रतियोगियों के मध्य प्रदेश स्तरीय स्पर्धाओं का आयोजन कर माहेश्वरी नारी की प्रतिभा को मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया।

उज्जैन। उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती सरिता बाहेती ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन मनोरमा गार्डन कोयला फाटक में हुआ। शुभारम्भ प्रथम दिवस 27 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे महेश वंदना और दीप प्रज्जवलन से हुआ। महेश वंदना स्मिता बांगड़, समता माहेश्वरी, रश्मि बजाज व शालिनी सोमानी ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा- इन्दौर, समाजसेवी मंगला बांगड़- उज्जैन व सीता राठी मुम्बई उपस्थित थीं। मुख्य वक्ता अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष गीता मून्दड़ा इन्दौर थी। अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बाहेती ने करते हुए स्वागत भाषण दिया। विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगडानी-डोंबीवली, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव श्रीमती पुष्पलता परतानी-अमरावती, म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभाध्यक्ष महेश तोतला व प्रदेश सचिव राजेन्द्र इनानी उपस्थित थे। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रंगनाथ न्याती, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बंशीलाल भूतड़ा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रकाश बाहेती, महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा आदि कई गणमान्यजन विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वागत गीत समीक्षा बांगड़ ने प्रस्तुत किया।

संस्कारों के साथ प्रतिभा विकास पर भी जोर

इस आयोजन में नारी शक्ति के सर्वांगीण विकास के स्वर सुनाई दिये। शुभारम्भ अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंगला बांगड़ ने कहा कि यह समय की मांग है कि बेटियों को संस्कारों के साथ उच्च शिक्षा भी दी जाऐ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती काबरा ने इस आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन वास्तव में माहेश्वरी नारी की शक्ति और उसकी प्रतिभा का प्रदर्शन है। भौतिक उन्नति के साथ चरित्र निर्माण पर भी ध्यान दें, यह समय की आवश्यकता है। श्रीमती राठी ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह नारी शक्ति की क्षमता को उजागर करने का अच्छा प्रयास है। बदलते परिवेश में परिवर्तन तो उन्नति की निशानी है और इसे हमें स्वीकार करना ही चाहिये। विशेष अतिथि पुष्पलता परतानी ने कहा कि समाज सम्पन्न तो है ही, लेकिन हमें धन कमाने के साथ अपने सामाजिक व पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वाह करना चाहिये, अन्यथा भौतिक उन्नति अर्थहीन है। श्रीमती गगडानी ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए स्वयं की उज्जैन से जुड़े संस्मरण सुनाये। इसके साथ ही उन्होंनें महिलाओं का आह्वान किया कि युवा पीढ़ी को मार्गदर्शित करें, इसके लिये स्वयं भी अपडेट हों। अब हमें व्यवसाय की तरह पारिवारिक रिश्तों में भी मिसाल बनानी होगी। महिला संगठन प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बाहेती ने सभी का शाब्दिक अभिनंदन करते हुए इस आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महिलाओं की छुपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ संगठित रुप से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास भी है।

उद्योग मेला बना आकर्षण का केन्द्र

इस दो दिवसीय आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में माहेश्वरी नारी शक्ति ने अपनी प्रतिभा का जमकर प्रदर्शन किया। इनमें ही उषा भट्टड़ व भारती कोठारी के संयोजन में आयोजित माहेश्वरी महिलाओं का उद्योग मेला भी शामिल है। अधिवेशन के शुभारम्भ कार्यक्रम के ठीक बाद दोपहर लगभग 1 बजे उद्योग मेला का शुभारम्भ समाजसेवी गोकुलदास झँवर-सेंधवा ने किया। इसमें विभिन्न सामग्री की कुल 54 स्टाल महिलाओं द्वारा लगाई गई थी। इनमें ज्वेलरी से लेकर दैनिक उपयोग की सामग्री सहित साड़ी व अन्य वस्त्र आदि कई ऐसी सामग्री विक्रय की जा रही थी, जो इस दर व क्वालिटी में शहर में उपलब्ध नहीं हो सकती। यही मेला हर आम व्यक्ति के देखने से लेकर खरीदारी करने के लिये खुला है।

नारी शक्ति ने दिखाई प्रतिभा

दोपहर से ही इस आयोजन में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न प्रदेश स्तरीय प्रतियागिताओं की शुरूआत हो गई। कार्यक्रमों की श्रंखला में दोपहर 2 बजे "वाद-विवाद प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मादेवी मूंदड़ा - अमरावती व समाजसेवी अर्चना लाहोटी- राघौगढ़ उपस्थित थीं। शाम 4 बजे स्वामी केशवाचार्यजी महाराज (बनारस) ने प्रेरक आशीर्वचन दिये। शाम 5.15 बजे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरमा लढ़ा ग्वालियर व श्रीलेखा लढ़ा के आतिथ्य में को दीपोत्सव का आयोजन हुआ। शाम 6.30 बजे राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सरस्वती सारड़ा इन्दौर व राजकुमारी काबरा मुम्बई के आतिथ्य में स्वदर्शन उद्बोधन "जीवन-एक आनंद यात्रा" का आयोजन हुआ, जिसमें प्रमुख वक्ता अंजली तापड़िया पूणे थीं।

सभी ने मिलजुलकर बनाई मिसाल

म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री माहेश्वरी मेवाड़ा जिला महिला मंडल, श्री माहेश्वरी मेवाड़ा प्रगति मंडल, श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल तथा श्री माहेश्वरी मारवाड़ी प्रगति मंडल भी सहयोगी बना। उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की जिलाध्यक्ष शोभा राठी, जिला मंत्री रूक्मणी भूतड़ा, स्वागताध्यक्ष गीता तोतला, स्वागतमंत्री शोभा मूँदड़ा, कार्यक्रम कोषाध्यक्ष पुष्पा कोठारी, स्थानीय संयोजक उषा सोड़ानी व कृष्णा जाजू, सन्तोष सोडानी, शैला सारडा, भारती कोठारी, वीणा सोमानी आदि अपनी पूरी टीम के साथ इस आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटी हुईं थीं।

बिरला नगर समाज के हुए चुनाव

सन्तोष लखोटिया

बाबूलाल गोदानी

संजय तोषनीवाल

ग्वालियर। माहेश्वरी समाज बिरला नगर-ग्वालियर का दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट विगत माह सम्पन्न हुआ। अन्नकूट से पहले माहेश्वरी समाज बिरला नगर के त्रिवार्षिक चुनाव अधिकारी डॉ. उमेश होलानी एवं मधु सूदन माहेश्वरी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुऐ। इसमें अध्यक्ष संतोष कुमार लखोटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबू लाल गोदानी, सचिव संजय तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष राम अवतार माईया, उपाध्यक्ष विष्णु भुराड़िया, माधव सुरजन, महेश करवा व अमिताभ माहेश्वरी, सहसचिव मनमोहन लखोटिया, सतीश राठी, नरेश गुप्ता, दिनेश जाजू, संगठन मंत्री अजय भुराड़िया व सांस्कृतिक मंत्री राजेश सोमानी निर्विरोध चुने गये।

सम्पर्क निहारिका का विमोचन

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक का आयोजन कमला नेहरू नगर स्थित माहेश्वरी भवन पश्चिमी क्षेत्र में किया गया। अध्यक्ष डॉ. फूलकौर ने बताया कि ट्रस्ट की अध्यक्ष गीता मून्दड़ा द्वारा इसमें सम्पर्क निहारिका का विमोचन किया गया। रामेश्वरी भूतड़ा ने बताया कि ट्रस्ट से सहयोग के रूप में बहनों को आत्मनिर्भर बनने हेतु सिलाई व कढ़ाई की मशीने, गीली दाल पीसने की मशीन व आटा पीसने की मशीने आदि दी जाती हैं। कार्यक्रम के अन्तर्गत आशा फोफलिया, सुनिता बिडला, उमा बिड़ला, विमला गट्टाणी, संतोष भूतड़ा, उषा बंग, प्रभा वैद्य, छाया राठी व लगभग 20 सहयोगी सदस्याऐं उपस्थित थीं।

> किसी शान्त और विनम्र व्यक्ति से
> अपनी तुलना करके देखिए,
> आपको लगेगा कि आपका घमण्ड
> निश्चय ही त्यागने जैसा है।

नेपाल में 'विराट ऊर्जा-2015' का आयोजन

विराटनगर (नेपाल)। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की तृतीय कार्यसमिति व द्वितीय कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन आगामी 10 व 11 जनवरी 2015 को विराटनगर नेपाल में होगा। इसका आयोजन नेपाल प्रादेशिक युवा संगठन के संयोजन एवं नेपाल माहेश्वरी युवा मंच विराटनगर के आतिथ्य में होने जा रहा है। संगठन अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने सभी आमंत्रित सदस्यों से उनका यात्रा कार्यक्रम प्रेषित करने का अनुरोध किया है, जिससे उनकी समुचित व्यवस्था की जा सके। संयोजक आनंद जाजू ने आगंतुकों की सुविधा के लिये जानकारी दी कि सड़क तथा ट्रेन से नेपाल आने वालों को पासपोर्ट की जरूरत नहीं है, लेकिन फोटो आईडी होना अनिवार्य होगा। हवाई मार्ग से आने वालों के लिये पासपोर्ट या वोटर आईडी अनिवार्य होगा। नेपाल में भारत के 500 तथा 1000 रूपये के नोट न लाऐं क्योंकि ये प्रतिबंधित हैं। तेज ठंड होने से गर्म कपड़े पर्याप्त रखें। यहाँ कोहरा अधिक होने से ट्रेन व प्लेन लेट हो सकते हैं। अतः एक दिवस पूर्व 9 जनवरी शाम को ही नेपाल आ जाऐं।

मंत्री नेशनल फेडरेशन में शामिल

नागपुर। नगर माहेश्वर सभा अध्यक्ष, साधना सहकारी बैंक नागपुर के संचालक व नागपुर नागरिक सहकारी बैंक तथा नागपुर नाग विदर्भ ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष रमेश मंत्री को भारत सरकार के कृषि मंत्रालय ने देश में सहकारी तथा क्रेडिट सोसायटी को शीर्ष स्तर पर प्रोत्साहन देने वाली नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी में सदस्य मनोनीत किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री मंत्री काफी समय से सहकारी एवम् ट्रेड सेन्टर में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त राजनीतिक रूप से भारतीय जनता पार्टी नागपुर के अध्यक्ष भी रहे हैं।

युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

हनुमानगढ़ (करवा)। माहेश्वरी युवा संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन अतिथि गृह में 23 नवम्बर को जिलाध्यक्ष नौरंग सोमानी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नरेंद्र चांडक को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी के मनोज कालाणी व आशीष बागड़ी उपाध्यक्ष, महेश नढाणी सचिव, केशव करवा उपसचिव, अखिल कलाणी कोषाध्यक्ष, दिवाकर सोनी सांस्कृतिक मंत्री व गोपाल मलाणी को प्रचार मंत्री मनोनीत किए गए। कार्यक्रम में सामाजिक कुरीतियां दूर करने, समाज की जनगणना करवाने व 28 दिसम्बर को तहसील स्तर पर मेंहदी, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन करने का निर्णय किया गया।

स्वच्छता संदेश'' के साथ ''दीपावली मिलन

आकोला। स्थानीय माहेश्वरी वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ की ओर से माहेश्वरी भवन में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम स्वच्छता संदेश देकर मनाया गया। मंडल की सचिव प्रमिला लाहोटी ने सभी सदस्याओं का अभिवादन दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''स्वच्छता'' अभिमान को साकार करने हेतु सभी सदस्याओं से प्रतिज्ञा कराई गयी।

जोधपुर में दो दिवसीय परिचय सम्मेलन

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में अ.भा. विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2015 का आयोजन जोधपुर में 10 व 11 जनवरी को होगा। अध्यक्ष जे.एम.बूब व सम्मेलन संयोजक सुरेश राठी ने बताया कि इसमें विभिन्न वर्गो का तीन चरणों में सम्मेलन आयोजित होगा। प्रथम दिवस 10 जनवरी को प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक उच्च व तकनीकी शिक्षा प्राप्त, अगले दिन 11 जनवरी प्रातः 10 से शाम विशिष्ट वर्ग अर्थात् तलाकशुदा, 35 वर्ष से अधिक आयु तथा विधुर-विधवा आदि का परिचय सम्मेलन आयोजित होगा। सम्मेलन में दर्शकों को प्रवेश नहीं मिलेगा, सिर्फ प्रत्याशी के दो अभिभावक ही प्रवेश कर सकेंगे।

स्वच्छता अभियान में मिली सोने की पायजेब लौटाई

उदयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान से प्रेरित होकर बैंक कर्मी श्रीरत्न मोहता ने एक अलग स्वच्छता अभियान चलाया, शादी समारोहों में हर कहीं फैंक दिए गए प्लास्टिक के कपों और अन्य सामग्रियों को उठाकर डस्टबीन में डालने का। इसी दौरान उन्हें सोने का एक पायजेब मिला जो उन्होंने मालिक को सौंपकर ईमानदारी की मिसाल कायम की। काफी तलाशने के बाद पायजेब आदिनाथ नगर निवासी पूजा चपलोत का निकला, जिनके पास पायजेब की दूसरी जोड़ी मौजूद थी। पूजा को तब तक यह पता ही नहीं था कि उनका पायजेब गिर चुका है। जब उन्हें लौटाया गया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

प्रधानमंत्री के साथ बैठक में शामिल हुए सचिन

पुणे। गत माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी म्यानमार (ब्रम्हदेश) की यात्रा पर गये थे। वहां पर भारतीय राजदूत द्वारा म्यानमार में रहने वाले शीर्ष 250 भारतीयों को मोदी से मिटींग के लिए निमंत्रण पत्र दिया गया। इसमें माहेश्वरी समाज के सचिन बियाणी भी शामिल थे। बैठक के दौरान सचिन ने उनके पैर छू कर प्रणाम किया। हाथ मिलाकर श्री मोदी ने सचिन से चंद क्षण बात की। सचिन कासोदा के डॉ. अशोक बियाणी के ज्येष्ठ सुपुत्र हैं। गत 3 वर्षों ये यंगुन में सचिन ल्यूपिन फार्मा में काउण्ट्री मैनेजर के पद पर कार्यरत है। पुणे से बी. फार्मा व एम.बी.ए. करके वे कोल्हापुर, पुणे, मस्कत और अब यंगुन में कार्यरत हैं।

विदर्भ केसरी स्व. श्री बियाणी की मनी जयंती

आकोला। स्थानीय गांधी जवाहर बाग में गत 9 दिसम्बर को विदर्भ केसरी स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री ब्रजलाल बियाणी की 117 वीं जयंती मनाई गई। माहेश्वरी समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेशचन्द्र चांडक की अध्यक्षता तथा आकोला के विधायक गोवर्धन शर्मा की प्रमुख उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ट्रस्ट, महिला मंडल जिला संगठन, तहसील संगठन, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ, वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ, जिला युवा संगठन, तहसील युवा संगठन, नवयुवती मंडल, दाल मिल असोसिएशन, सेवाश्रम सहित कई संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। संचालन सहसचिव सुरेश मूंदड़ा ने किया एवम् रमण हेड़ा ने आभार माना।

> हर माँ अपने बेटे को
> श्रवणकुमार बनाना चाहती है
> लेकिन अपने पति को बनने से रोकती है।

जन्मदिवस पर नि:शक्तों की सेवा

परभणी। वरिष्ठ एडवोकेट अशोक सोनी के 62 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर, शाखा मराठवाड़ा (गंगाखेड), कनक महिला नागरी पत संस्था जिंतूर, बी. रघुनाथ महाविद्यालय परभणी तथा बेलेश्वर नर्सिंग कॉलेज परभणी के सहयोग से परभणी जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ब्रिजगोपाल रामनारायणी तोष्णीवाल द्वारा "निःशुल्क पोलियो शल्य चिकित्सा, जाँच तथा कृत्रिम अंगरोपण और निःशक्तों का सहायता सामग्री वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 419 विकलांगजनों की जाँच उदयपुर से आऐ डॉ. निलेश वाघ ने की। इनमें से 48 को ट्रायसिकल, 15 को व्हील चेअर, 30 को वैशाखी तथा 25 कर्ण बधिरजनों को श्रवण यंत्र वितरित किये। लगभग 50 निःशक्तों को कृत्रिम हाथ एवं पैर लगाकर दिए। 171 विकलांगों को ऑपरेशन की जरूरत होने से उन्हें जल्द ही स्पेशीयल रेल्वे बोगी से "नारायण सेवा संस्थान उदयपुर" पहुँचाया जाऐगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूतपूर्व विधायक सुरेश दादा देशमुख ने की। उद्घाटन परभणी की उपजिलाधिकारी स्वाति सूर्यवंशी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में परभणी के सांसद संजय जाधव उपस्थित थे। इसी अवसर पर परभणी जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ब्रिजगोपाल रामनारायण तोष्णीवाल को राष्ट्रीय जैन कॉफ्रेंस की ओर से "समाज रत्न" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अन्नकूट उत्सव हुआ आयोजित

लखनऊ। माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में अन्नकूट उत्सव व सुन्दरकांड पाठ का आयोजन हुआ। मंडल की सभी सदस्यों के द्वारा छप्पन भोग का प्रसाद भगवान के आगे अर्पण किया गया। तत्पश्चात् सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। पुष्पा गट्टानी व नीता सादानी ने माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी युवा परिषद एवं माहेश्वरी महिला मंडल के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

महेश सोसायटी ने ली शपथ

उदयपुर। महेश सोसायटी महिला एवं पुरूष की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह समाजसेवी भुवनेश बांगड़ के मुख्य आतिथ्य तथा शंकरलाल भदादा एवं मुरलीधर गट्टानी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. मुकेश जाखेटिया एवं सचिव रमेश मून्दड़ा भी मौजूद थे। संस्था अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर ने अतिथि स्वागत किया। आभार सचिव राकेश मून्दड़ा ने माना। कार्यक्रम का संचालन शांता माहेश्वरी ने किया।

बी.एल. मूंदड़ा बने क्षेत्रीय अध्यक्ष

उज्जैन। लाइफ इंश्योरेंस एजेन्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया "लियाफी" की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक विगत दिनों सिलीगुड़ी में सम्पन्न हुई। तीन दिवसीय कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष के जीवन बीमा अभिकर्ताओं के शाखा स्तर, मंडल स्तर, क्षत्रीय स्तर और राष्ट्रीय स्तर के करीब 5000/- पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस राष्ट्रीय स्तर की बैठक के दौरान सम्पन्न चुनाव में उज्जैन शहर के बी.एल.मूंदड़ा अपने निकटतम प्रतिद्वंदी से 700 मतों से अधिक प्राप्त कर अपनी जीत दर्ज करवाते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष चुने गये।

जरूरतमंदों तक पहुँचाई मदद

सूरत। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अन्तर्गत संचालित श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट अपनी सतत सेवा दे रहा है। इसके अन्तर्गत गत माह नवम्बर में ट्रस्ट ने कुल 395 समाजजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके अन्तर्गत राजस्थान में 199, विदर्भ में 64, महाराष्ट्र में 10, उत्तर प्रदेश में 47, मध्यप्रदेश में 49, आसाम में 1, आंध्रप्रदेश में 2, दिल्ली में 5, कलकत्ता में 13, हरियाणा में 2, पंजाब में 1, छत्तीसगढ़में 1 तथा नेपाल में 1 जरूरतमंद को सहायता प्रदान की गई।

वरिष्ठ नारियों का किया सम्मान

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित वृद्ध महिलाओं का सम्मान समरोह बाड़मेर जिले के चोहटन गाँव में आयोजित हुआ। अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) फूलकौर मून्दड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 70 वर्ष से अधिक आयु की 20 बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान शाल, माला व भजन की पुस्तकें भेंटकर किया गया। चोहटन महिला संगठन की अध्यक्ष रीटा बाहेती ने कार्यक्रम को संजोया। बाड़मेर जिला महिला संगठन की अध्यक्ष सुधा डागरा की प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें जोधपुर से रामेश्वरी भूतड़ा (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य), सुनीता बिड़ला (प्रदेश उपाध्यक्ष) व कोषाध्यक्ष कमला मून्दड़ा ने भाग लिया।

> हमारा कल इस बात पर निर्भर है
> कि हम आज क्या हैं
> और हमने जीवन की चुनौतियों का सामना
> किस प्रकार किया है।

भूमिगत पार्किंग का लोकार्पण

गुवाहाटी। आसाम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा निर्मित माहेश्वरी भवन गुवाहाटी के तलघर में नवनिर्मित पार्किंग स्थल का उद्घाटन वार्ड काउन्सलर राज कुमार तिवाडी द्वारा किया गया। ट्रस्ट संचालक रमेश चाण्डक ने अतिथियों का स्वागत किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश राठी, सचिव भगवान दास दम्माणी, कोषाध्यक्ष सीताराम बिहाणी, कार्यक्रम संयोजक दाऊ लाल सारडा भी मंचासीन थे। ट्रस्ट के संयुक्त मंत्री श्रीराम चाण्डक द्वारा अतिथियों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

सेवा सदन संचालित करेगा आरोग्य भवन

पुष्कर। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष श्यामसुन्दर बिड़ला ने बताया कि सेवा सदन द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में सेवा हेतु अत्याधुनिक एम्स हॉस्पीटल, जोधपुर के निकट 'रोगी-सहयोगी सेवा-केन्द्र' (आरोग्य भवन) को मूर्त रूप देने के लिये एक भव्य भूखण्ड क्रय किया जा चुका है। इसमें सम्पूर्ण राजस्थान एवं दूरस्थ प्रदेशों से अपने परिजनों का ईलाज करवाने हेतु आने वाले बन्धुओं के लिये सुन्दर आवास एवं उनके अनुकूल भोजन की व्यवस्था की जा सकेगी। इस भूखण्ड पर स्वागत-कक्ष, कार्यालय, रेकार्ड रूम, विशाल भोजनशाला, रसोईघर, 2 स्टोर रूम, जल-मन्दिर, सर्वसुविधायुक्त लगभग 50 कमरें, एक हॉल मय लिफ्ट एवं पार्किंग सुविधा के निर्माण आदि करवाया जाना प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि सेवा-सदन द्वारा प्रारम्भ की गई ऑन-लाईन कमरा-बुकिंग व्यवस्था से अनेक समाजबन्धु लाभान्वित हो रहे हैं। अकाउन्टिंग, स्टॉक विवरण व कैमरे भी ऑनलाईन प्रारम्भ कर दिये गये हैं। इससे ई-गवर्नेन्स तथा पेपरलेस कार्य प्रणाली की ओर सदन अग्रसर होगा। साथ ही सेवा-सदन के सभी सदस्यों का लाभ मिल सकेगा। पुष्कर, वृन्दावन, हरिद्वार, नाथद्वारा एवं चारभुजा में यह व्यवस्था प्रारम्भ हो चुकी एवं शीघ्र ही रामदेवरा में भी यह सुविधा प्रारम्भ की जाऐगी।

केरल के सहकारी बैंक पदाधिकारियों का स्वागत

हैदराबाद। केरल प्रदेश की नगरीय सहकारी बैंक, सहकारी ऋण समितियों एवं ग्रामीण सहकारी बैंकों के चेयरमैन, प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों का हैदराबाद स्थित सहकारी बैंकों के अधिकारियों का हेतु लगभग 40 सदस्यों का दल दक्षिण भारत की सहकारिता क्षेत्र की बहुराज्यीय अनुसचित महेश बैंक के प्रधान कार्यालय में आया। इन प्रतिनिधियों का बैंक की ओर से स्वागत चैयरमैन रमेश कुमार बंग ने किया। अध्ययन दल के समन्वयकर्ता कन्नूर सहकारी बैंक के मुख्य अधिकारी ईश्वरमूर्ति ने दल के सभी सदस्यों की ओर से आभार प्रदर्शित करते हुए कहा कि इस अध्ययन दल को तेलंगाणा क्षेत्र की बैंकों की कार्यप्रणाली से काफी कुछ नयी बातें ज्ञात हुई है। बैंक के प्रबन्ध निदेशक उमेशचन्द्र असावा ने सभी को बैंक की प्रणाली से अवगत कराया।

पश्चिमी म.प्र. की बैठक सम्पन्न

उज्जैन। पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल की बैठक श्री माहेश्वरी भवन उज्जैन पर गत 16 नवम्बर को आयोजित की गयी। अध्यक्ष महेश तोतला ने बताया कि प्रथम सत्र में सभा के कार्यसमिति सदस्यों की बैठक रखी गयी। इसमें गत कार्यो की समीक्षा तथा आगामी कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की गयी। जनवरी माह में चिंतन शिविर आयोजित करना तय हुआ। प्रचार प्रमुख पुष्कर बाहेती एवं रूपेश भूतड़ा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय सत्र में कार्यकारी मंडल की बैठक रखी गयी। इसमें कोषाध्यक्ष सत्यनारायण लाठी द्वारा बजट प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् संस्था के पदाधिकारीगण, महिला संगठन अध्यक्ष एवं युवा संगठन अध्यक्ष तथा सभी समिति के संयोजकों द्वारा किये गये कार्यो को एवं आगामी कार्य योजनाओं की जानकारी दी गई। संगठन मंत्री पुष्प माहेश्वरी ने गत बैठक की जानकारी दी। आभार सचिव राजेन्द्र इनाणी ने माना।

With Best Compliments From

VA ASTU worldwide

Om Prakash Mundra
Vastu Consultant

Mangaldeep, Om Chowk Pratap Nagar, Beawar, Rajasthan INDIA
Phone no. : 00971508517577 Dubai, 00919460090425 India
Email ID. :vastudubai@yahoo.co.in, Website :www.vaastuworldwide.com

माहेश्वरी भवन का तृतीय तल लोकार्पित

सिलीगुड़ी। उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की ओर से स्थानीय माहेश्वरी भवन के तृतीय तल के नवीनीकरण के पश्चात लोकार्पण समारोह गत 30 नवंबर को आयोजित किया गया। आधुनिक साज सज्जा से सुसज्जित एवं पूर्णतया वातानुकूलित इस तल का उद्घाटन उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के संरक्षक रामचन्द्र तोष्णीवाल ने किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिंत्री, प्रबंध न्यासी राजेन्द्र प्रसाद मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेश राठी एवं माहेश्वरी भवन रखरखाव समिति के चेयरमेन सुरेन्द्र मूंधड़ा मंचासीन थे। प्रबंध न्यासी राजेन्द्र प्रसाद मूंधड़ा ने बताया कि समय के साथ चलते हुए भवन के तृतीय तल को आधुनिक साज सज्जा, वातानुकूलित कमरे, अटैच बाथरूम, एलइडी टीवी एवं समस्त आधुनिक सेवाओं के साथ प्रस्तुत किया है एवं साथ में वातानुकूलित हॉल भी कीचन सहित सभी व्यवस्थाओं के साथ उपलब्ध होगा। इस अवसर पर प्रवीण झंवर, प्रकाश पेड़ीवाल, बनवारीलाल करनानी, हरिकिशन सोनी, चन्द्रकान्त मोहता, दिलीप लाखोटिया सहित कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौरीप्रसाद तोषणीवाल ने किया।

युवा संगठन की बैठक की तैयारी पूर्ण

विराटनगर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के 11 वें सत्र की तृतीय कार्यसमिति मंडल की बैठक "विराट ऊर्जा-2015" का आयोजन आगामी 9 जनवरी से 11 जनवरी 2015 तक होगा। नेपाल माहेश्वरी युवा संगठन के द्वारा इसका आयोजन नेपाल माहेश्वरी युवा मंच विराटनगर के आतिथ्य में किया जाऐगा। व्यवस्था के लिये संयोजन समिति द्वारा आगंतुकों को फार्म प्रेषित किये गये हैं, और उन्हें भरकर प्रेषित करने का अनुरोध किया गया है, जिससे उनकी व्यवस्था की जा सके। अतिथियों के पिकअप व ड्रॉप की व्यवस्था जोगबनी रेल्वे स्टेशन या विराटनगर एयरपोर्ट से की गई है। इसके लिये संदीप करनानी से सम्पर्क किया जा सकेगा। अन्य व्यवस्थाओं में यातायात विवेक राठी, आवास अमिताभ माहेश्वरी व भोजन व्यवस्था राजेन्द्र राठी सम्हालेंगे।

> अपने बच्चों को हमने कितनी सम्पत्ति दी,
> यह महत्वपूर्ण नहीं है,
> बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि
> हमने उन्हें संस्कार कितने दिये हैं।

गंगाचरण हॉस्पिटल को "स्मार्ट" अवार्ड

बरेली (उ.प्र.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत दैनिक जागरण द्वारा "स्मार्ट सिटी-स्मार्ट सिटीजन" स्पर्धा आयोजित की जा रही है। इसमें सर्वप्रथम नगर के श्री गंगाचरण हॉस्पिटल को उसकी साफ-सफाई व व्यवस्थाओं को लेकर "स्मार्ट हॉस्पिटल" के अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसका जागरण द्वारा गठित "नवरत्नों" की टीम ने चयन किया। आयोजित सम्मान समारोह में इन्हीं नवरत्नों में से महापौर डॉ. आई.एस. तोमर व डॉ. उमेश गौतम ने हॉस्पिटल के एम.डी. डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

ईशा झँवर जिले में प्रथम

अमरावती। बृहन्न महाराष्ट्र योग परिषद् व अमरावती जिला लोकसंगठन के संयुक्त तत्त्वावधान में जिला स्तरीय योगासन स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें 8 से 11 वर्ष आयु समूह में शहर के वरिष्ठ एडव्होकेट किशोर झँवर की पोत्री ईशा सचिन झँवर ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मालाणी परिवार की स्वर्णिम परम्परा

B.M. Jewellers Pvt. Ltd.

अप्सरा कॉम्पलेक्स, आजाद चौक, भीलवाड़ा (राज.)
Phone : 01482-231392, 235527
Website : www.bmjewellers.in

जीवन प्रबंधन के सिखाऐ गुर

इन्दौर। जिन्दगी में केवल पढ़ने के बजाय यदि सीखने पर ध्यान दिया जाए तो उत्तम होगा। उक्त विचार जिनिया टेम्पल के मुख्य वक्ता तुषार गावडे ने माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट द्वारा संचालित झंवर माहेश्वरी गर्ल्स होस्टल के लायनेस क्लब ऑफ इन्दौर सुप्रभात व सारड़ा फाउण्डेशन द्वारा छात्राओं के लिये आयोजित लाईफ मेनेजमेंट वर्कशाप में व्यक्त किये। छात्रावास की सचिव सुमन सारड़ा व कोषाध्यक्ष रामेश्वरलाल सोमानी ने श्री गावडे, लायनेस क्लब सुप्रभात की अध्यक्षा नम्रता बियाणी व सारड़ा फाउण्डेशन के ट्रस्टी भरत सारड़ा का तुलसी के पौधे प्रदान कर स्वागत किया। आभार छात्रावास वार्डन निर्मला धीरन ने माना। इस अवसर पर छात्रावास की 70 से अधिक छात्राएं उपस्थित थीं।

मानसी परिक्रमा के साथ चुनरी महोत्सव सम्पन्न

काटोल। राजस्थानी महिला मंडल काटोल के तत्वावधान में महेश भवन में श्री गिरिराजजी और बैठकजी की मानसी परिक्रमा का आयोजन किया गया। मुंबई की मधुबेन व उनकी टीम द्वारा इस कार्यक्रम में प्रस्तुति दी गई। मंडल द्वारा गिरिराजजी के छप्पन भोग, शालिग्रामजी-तुलसीजी विवाह व कृष्णजन्म के हिंडोले के सुंदर दर्शन की झाँकी का प्रस्तुतीकरण किया गया। एक ही जगह पर यमुनाजी, गंगाजी के स्नान-पान व चुनरी मनोरथ का लाभ उठाया गया। मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी दम्मानी, सचिव किरण बिसानी, शीतल भूतड़ा, वंदना नबीरा, सरिता नबीरा, नीलिमा चांडक, शिखा भूतड़ा, वर्षा भूतड़ा, रेखा भूतड़ा, राजश्री भूतड़ा, छाया टावरी आदि का विशेष सहयोग रहा।

बालदिवस पर विद्यार्थियों की सहायता

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 14 नवम्बर को बाल दिवस पर जनजाति क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिये एक लाख रुपये मूल्य के अन्न वस्त्रादि, खेलकूद सामग्री, फर्नीचर आदि सम्बंधित अभावग्रस्त विद्यालय में वितरित किये गये। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष राजेश तोषणीवाल व सचिव लक्ष्मीकान्त मून्दड़ा ने दी।

> आत्मविश्वास से बढ़कर न कोई मित्र है
> न प्रगति की कोई सीढ़ी,
> आप मित्र को सदा अपने साथ रखिए
> यह आपको पर्याप्त सम्बल देगा।

महिला मंडल ने करवाई नैमिषारण्य यात्रा

आगरा। श्री माहेश्वरी महिला मण्डल आगरा द्वारा मेघा डागा की अध्यक्षता में त्रिदिवसीय नेमिषारण्य यात्रा का 9 से 12 नवम्बर तक आयोजन किया गया। यात्री दल आगरा से सुबह 8 बजे रवाना हुआ। रास्ते में कामना गांधी के पीहर माधवगंज में दोपहर भोजन के बाद शाम 7 बजे नेमिषारण्य के ललिताश्रम में पहुँच गये। वहाँ ठहरने की उचित व्यवस्था थी। दूसरे दिन सुबह गोमती नदी पर रूद्राभिषेक करवाया। 11 नवम्बर को हनुमानगढ़ी मन्दिर में चोला चढ़ाया और सुन्दरकाण्ड का पाठ किया। लौटते समय रास्ते में रमा गगरानी के पीहर हरदोई में डॉ. एस.एस. माहेश्वरी के निवास स्थान पर चाय नाश्ता किया। रात को यात्रा दल आगरा पहुँच गया।

चिकित्सा व रक्तदान शिविर हुआ आयोजित

मावली (उदयपुर)। महेश सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा प्रतिवर्षानुसार 15 से 22 नवम्बर तक राजकीय चिकित्सालय में शल्य चिकित्सा, नैत्र जांच व रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। 125 रोगियों का उपचार हुआ तथा 42 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में जानकीलाल मून्दड़ा, मोहनलाल देवपुरा आदि अतिथि के रूप में मौजूद थे। स्वागत संस्था अध्यक्ष अर्जुन मंत्री व कार्यक्रम का संचालन सचिव श्यामलाल मून्दड़ा ने किया। इस अवसर पर सभी रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया।

18वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के विवाह प्रकोष्ठ (महेश मैरिज ब्यूरो) द्वारा 18 वाँ सामूहिक विवाह देवउठनी एकादशी 3 नवम्बर को एम.पी.एस. इंटरनेशनल तिलक नगर में सम्पन्न हुआ। विवाह प्रकोष्ठ मंत्री रमेश परवाल ने बताया कि इस आयोजन में 8 युगल परिणय सूत्र में बंधे। इसी के साथ तुलसी विवाह का आयोजन भी सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राधाकिशन मालपानी, विशिष्ट अतिथि लक्ष्मीनारायण चांडक एवं स्वागताध्यक्ष सत्यनारायण मांधना थे। तुलसी विवाह के मुख्य यजमान उमा एवं श्यामरतन पटवारी थे। सभी जोडो को दैनिक उपयोग का आवश्यक समान उपहार स्वरूप प्रदान किया गया।

> संसार में न कोई तुम्हारा मित्र है
> और न कोई शत्रु
> तुम्हारे अपने विचार ही
> शत्रु और मित्र बनाने के लिए उत्तरदायी हैं।

मेहमानों को करवाया लोहार्गल भ्रमण

जयपुर। जयपुर जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री रामअवतार आगीवाल द्वारा एक शादी कार्यक्रम में स्थानीय एवम बाहर से आये हुए करीब 125 सम्बन्धियों के लिए लोहार्गल धाम का भ्रमण कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी को माहेश्वरी समाज के वंशोत्पति स्थल लोहार्गल धाम के सम्बन्ध में जानकारी देना एवम उसके महत्व को उजागर करना था। साथ ही लोहार्गल धाम में अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा निर्माणाधीन श्री माहेश्वरी भवन के सम्बन्ध में भी सभी को अवगत करना था। श्री आगीवाल सभी सदस्यों को लोहार्गल धाम रवाना होने से पूर्व भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती द्वारा उपलब्ध कराई गयी माहेश्वरी भवन निर्माण से सम्बंधित परिचय पत्र की प्रतियाँ व माहेश्वरी वंशोत्पति से सम्बंधित चित्र भी भेट किये, जिसमें शिव पार्वती पत्र के सन्मुख सभी 72 उमराव एवम जागा सुजान कंवर को दिखाया गया है। यात्रियों ने सूर्य कुण्ड में स्नान कर वहां सूर्य देव के मंदिर में पूजा अर्चना की। सूर्य पीठाधीश्वर महंत संत दास जी महाराज ने सभी यात्रियों को सूर्य मंदिर लोहार्गल धाम का चित्र भेंट दिया। लोहार्गल भ्रमण के पश्चात् सभी यात्री सालासर बालाजी के दर्शन कर वापस जयपुर आ गये।

।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की

विवाह योग्य युवक-युवतियों की वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का बायो-डाटा रजिस्टर करे और घर बैठे देखे 2000 युवक-युवतियों के बायो-डाटा

B.E., MBA, C.A. Doctor, ग्रॅज्यूएट आदि युवक-युवतियों के बायो-डाटा

कांतिलाल राठी
अध्यक्ष

वेबसाईट देखने का
छह माह का शुल्क रु. 200/-
अथवा एक वर्ष का रु. 400/-

* कार्यालय *
हिंगोली बँके के निचे,
देवलगांव राजा रोड,
जालना (महा.)

फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

इन्दौर युवा संगठन का केलेन्डर विमोचित

इन्दौर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष रूपेश भूतड़ा ने बताया कि संगठन द्वारा वार्षिक केलेन्डर-2015 का विमोचन वृन्दावन में अखिल भारतवर्षीय युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष रमेश तापड़िया (नेपाल), अनिल मांधनी (गोरखपुर),वर्तमान अध्यक्ष कमल भूतड़ा, महामंत्री राजकुमार कालिया (गुलाबपुरा), उपाध्यक्ष मधु भलिका (इन्दौर), आदि के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर इन्दौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के संयोजक शैलेश माहेश्वरी, सुशील बाहेती, कैलाश बाहेती, नवीन माहेश्वरी ने इसमें सहयोग के लिए सचिव हर्ष राठी एवं सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल सदस्य, पदेन सदस्यों व विज्ञापन दाताओं का आभार व्यक्त किया।

महेश सेवा समिति के चुनाव सम्पन्न

इचलकरंजी। हमारी संस्था श्री महेश सेवा समिति के कार्यकारिणी व ट्रस्टी मंडल के चुनाव अधिकारी नंदकिशोर बाहेती तथा उनकी टीम के तत्वाधान में संपन्न हुये। इसमें अध्यक्ष-रामकिशोर बांगड, उपाध्यक्ष-नंदकिशोर भूतड़ा, सचिव-गिरधारीलाल काबरा, सहसचिव-संजय कुमार सोमाणी, कोषाध्यक्ष-श्री सोहनलाल करवा व ट्रस्टी प्रमुख नितिन धूत चुन गये। कार्यकारिणी सदस्यों व ट्रस्टी मंडल सदस्यों का भी चयन हुआ।

स्व. श्री विद्यार्थी की स्मृति में माहेश्वरी सम्मेलन

अलीगढ़। उच्च शिक्षा को समर्पित रहे ख्यात समाजसेवी स्व. श्री तोताराम विद्यार्थी की स्मृति में माहेश्वरी विचार मंच द्वारा "माहेश्वरी सम्मेलन-2015" का आयोजन किया जा रहा है। यह आगामी 8 फरवरी 2015 को श्री माहेश्वरी इण्डर कॉलेज, सासनी गेट, मथुरा रोड अलीगढ़में आयोजित होगा। मुख्य संयोजक पूर्व उपसभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा मदन मोहन तापड़िया ने बताया कि इसमें देश के कई सुपर माहेश्वरी उद्योगपति, वरिष्ठ समाजसेवी, महासभा के प्रमुख पदाधिकारी, वरिष्ठ राजनेता वरिष्ठ न्यायमूर्ति, सांसद, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउण्टेंट, वरिष्ठ डॉक्टर, वरिष्ठ इंजीनियर आदि को आमंत्रित किया जाऐगा।

"जीना सरल है, प्यार करना सरल है,
हारना और जीतना भी सरल है,
तो फिर कठिन क्या है?
सरल होना बहुत कठिन है।"

जेसलमेरिया सरस्वती रत्न से सम्मानित

जोधपुर। अखिल भारतीय स्वतंत्र मंच महामना प. मदन मोहन मालवीय एवम् सुप्रसिद्ध गायक मो. रफी की स्मृति में नई दिल्ली के मुक्त धारा ऑडिटोरियम में आयोजित 24 वें वार्षिकोत्सव 2014 को सम्मान समारोह में जोधपुर की लेखिका "स्वाति "सरू" जेसलमेरिया को सरस्वती रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री नागमणि, महापौर और विशिष्ट नेताओं द्वारा श्रीमती जेसलमेरिया को प्रशस्ति पत्र, शील्ड और शाल द्वारा सम्मानित किया गया।

राधिका स्वर्ण पदक से सम्मानित

बैंगलोर। समाज सदस्य प्रेमलता बजाज की सुपुत्री राधिका बजाज ने बी.ए.एल.एल.बी में पूरे कर्नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुये स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कर्नाटक के धारवाड़ जिले में कर्नाटक प्रदेश लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रथम वार्षिक दीक्षांत समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा राधिका को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

चाण्डक अध्यक्ष व जाजू मंत्री

छापर। स्थानीय माहेश्वरी सभा छापर के निर्वाचन माहेश्वरी भवन में सम्पन्न हुये। इसमें सत्र 2014-17 के लिए अध्यक्ष शिवनारायण चाण्डक चुने गये। सत्यनारायण जाजू निर्विरोध मंत्री चुने गये। उक्त जानकारी देते हुये निर्वाचन अधिकारी फूसराज पेड़ीवाल ने बताया कि उक्त चुनावों में पूसराज सारड़ा उपाध्यक्ष, हेतुलाल करवा सहमंत्री एवं रामकिशन मूंधड़ा कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किये गये। श्री पेड़ीवाल ने बताया कि कुल अधिकृत मतदाताओं में से 59 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया।

सौरभ मालपाणी बने सीए

आकोला। स्थानीय माहेश्वरी समाज के सामाजिक कार्यकर्ता एवम् नैत्रशल्य चिकित्सक डॉ. श्रीकांत मालपाणी के सुपुत्र सौरभ मालपाणी ने सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि सौरभ मालपाणी सीपीटी में भी पूरे भारत में 7 वें स्थान पर रहे हैं।

अटल वाणी

- डॉ. श्याम अटल

पुनर्जन्म महिमा

उम्र बेमानी है
जन्मों की कहानी है
आज के बालक बुजुर्ग थे
पिछली जिन्दगानी में।

सत्यमेव जयते

"सत्य परेशाँ हो सकता है पराजित नहीं"

श्रीनंदकिशोर लखोटिया

के कोलकाता प्रदेश माहेश्वरी सभा के

अध्यक्ष

निर्वाचित होने पर

हार्दिक शुभकामनाए एवं बधाई.

ओमप्रकाश मल, श्यामसुन्दर राठी, ब्रजकुमार बल्देवा, सूरज बागड़ी,
घनश्याम करनानी, दिनेश पेड़ीवाल, अशोक भट्टड़
एवं समस्त कोलकाता प्रदेश मित्र मण्डली.

सबका साथ - सबका विश्वास

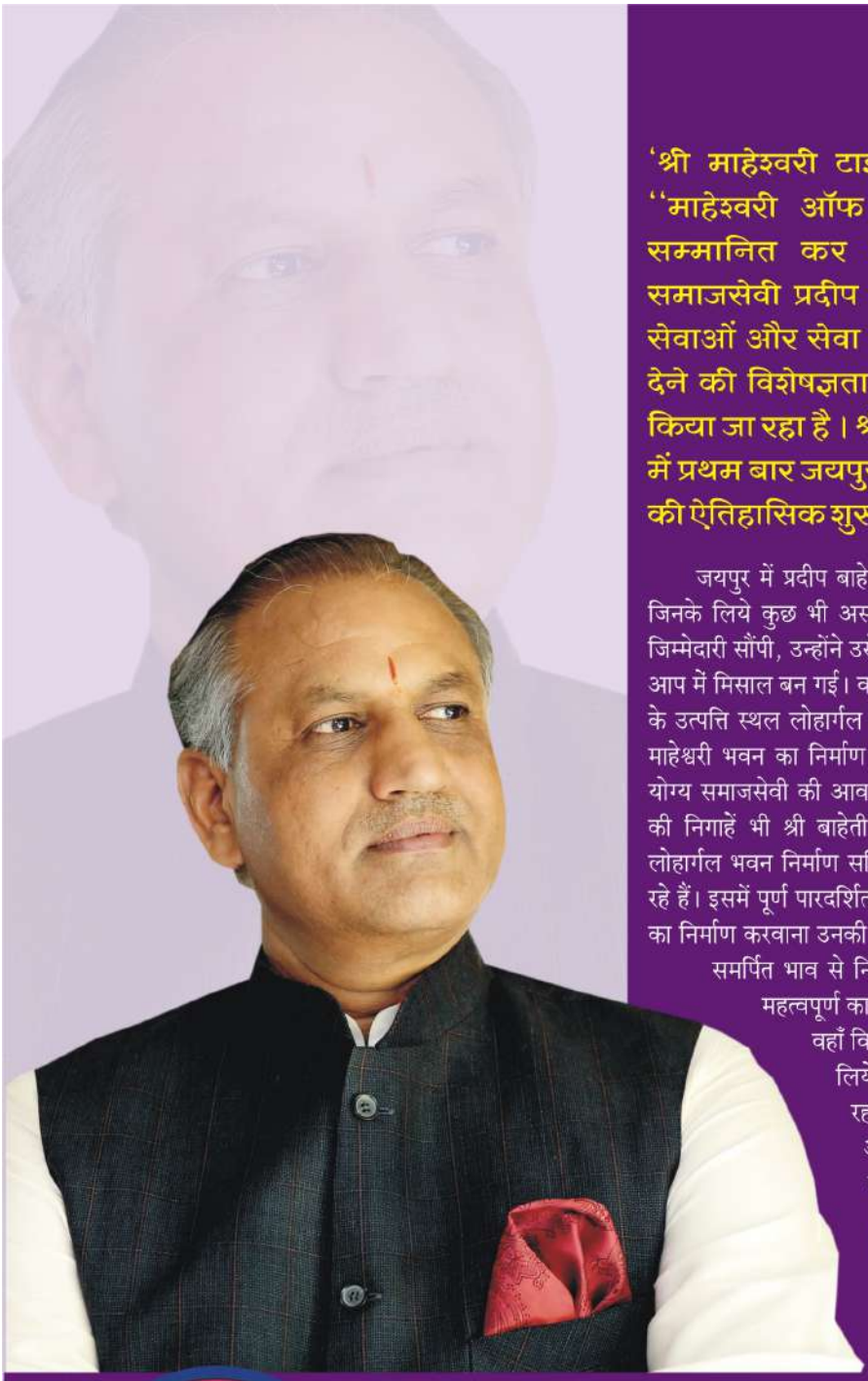

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' समाजसेवा के क्षेत्र में ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2014'' अवार्ड से सम्मानित कर रही है, जयपुर के ख्यात समाजसेवी प्रदीप बाहेती को। उन्हें उनकी दीर्घ सेवाओं और सेवा क्षेत्र में अनहोनी को होनी कर देने की विशेषज्ञता को लेकर यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। श्री बाहेती ने ही वर्ष 2014 में देश में प्रथम बार जयपुर से लोहार्गल धाम दर्शन-यात्रा की ऐतिहासिक शुरुआत की थी।

जयपुर में प्रदीप बाहेती समाजसेवा के क्षेत्र में एक ऐसा नाम है, जिनके लिये कुछ भी असम्भव नहीं। उन्हें समाज ने जब भी जो भी जिम्मेदारी सौंपी, उन्होंने उसे इस तरह निभाया कि उनकी वह सेवा अपने आप में मिसाल बन गई। वर्तमान में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल को तीर्थ का स्वरूप देने के लिये वहां भव्य माहेश्वरी भवन का निर्माण करवा रहा है। इसके निर्माण के लिये जब योग्य समाजसेवी की आवश्यकता महसूस हुई, तो इस राष्ट्रीय संगठन की निगाहें भी श्री बाहेती पर ही जा टिकी। श्री बाहेती वर्तमान में लोहार्गल भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। इसमें पूर्ण पारदर्शिता से संगठन के निर्देशानुसार गरिमामय भवन का निर्माण करवाना उनकी मुख्य जिम्मेदारी है, जिसे वे पूर्ण सजगता व समर्पित भाव से निभा रहे हैं। इसके साथ-साथ वे एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, लोहार्गल के प्रति जन जागरण। वहाँ विशिष्ट आयोजन तथा आने वाले श्रृद्धालुओं के लिये व्यवस्थाऐं जुटाकर इस सामान्य से पद पर रहते हुए भी लोहार्गल तीर्थ से अधिक-से-अधिक समाजजनों को जोड़ने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में जनजागरण के लिये सर्वप्रथम जयपुर से लोहार्गल धाम दर्शन यात्रा का ऐतिहासिक आयोजन किया। इसमें लगभग 500 से अधिक समाजजन शामिल हुए।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2014

सेवा पथ के अनमोल रत्न

प्रदीप बाहेती

सूर्य सप्तमी पर लोहार्गल दर्शन-यात्रा में भाग लेते श्री बाहेती

जयपुर में आयोजित 'एक शाम जीत के नाम' कार्यक्रम में पं. विजयशंकर मेहता के साथ श्री बाहेती।

संस्कारों से मिली सेवा भावना

इरादों के पक्के प्रदीप बाहेती बचपन से ही अपने उद्देश्य व अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। श्री बाहेती मात्र 13 वर्ष की आयु से ही दया, करुणा और परोपकार का महत्व समझ गए थे। यह उम्र ऐसी होती हैं, जब बालक शरारतों और खेल में ही मगन रहता है, लेकिन श्री बाहेती उन सबसे हटकर थे। पढ़ाई में गंभीर तो वह थे ही, साथ ही खेलकूद में भी सक्रिय रहते थे। इस सबके साथ महत्वपूर्ण बात यह है कि वह शुरू से ही दीन-दुखियों की मदद में सदा आगे रहते थे। बचपन के अपने दिनों को याद करते हुए प्रदीप बाहेती बताते हैं कि हमारे परिवार के संस्कार ऐसे ही हैं। श्री बाहेती बचपन से ही महत्वाकांक्षी थे, समाज सेवा का जज्बा उनके अंदर था। वह चाहते थे कि समाज खुशहाल रहे, समाज की खुशहाली में ही देश की खुशहाली है। ज्यों-ज्यों वह बड़े होते गए समाज सेवा की दिशा में कुछ करने की उनकी इच्छा बलवती होती गई। अपने मिशन के प्रति पूरी तरह समर्पण व मिलनसारिता जैसे गुण उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जाने-पहचाने समाजसेवी अपने पिता 'हास्य सम्राट्' श्री आर.डी. बाहेती से मिले हैं। समाज के प्रति समर्पण के कारण अनेकों वरिष्ठजनों का भी इन्हें मार्गदर्शन प्राप्त है।

ऊर्जावान 'युवा' व्यक्तित्व

श्री बाहेती बचपन से ही एक ऊर्जावान व्यक्तित्व के स्वामी रहे हैं। उनकी यही ऊर्जा वर्तमान में उनकी सेवा गतिविधियों में अप्रतीम क्षमता के रूप में सामने आ रही है। राजस्थान विश्वविद्यालय कॉमर्स कॉलेज से बी.कॉम. करने वाले श्री बाहेती खेल के प्रति भी बेहद जागरूक रहे हैं।

परिवार के साथ श्री बाहेती...

बैडमिंटन उनका प्रिय खेल है। उन्होनें राजस्थान स्टेट जूनियर बैडमिंटन में 9 साल तक प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 1976 में कॉमर्स कॉलेज और वर्ष1977 में राजस्थान विश्वविद्यालय में बैडमिंटन टीम के कैप्टन भी रहे। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सजग श्री बाहेती की दिनचर्या प्रातः जल्दी उठना और 5 कि.मी. की दौड़ व योगाभ्यास उनकी समाजसेवी गतिविधियों में सहायक बनी हुई हैं।

17 साल की उम्र से समाज को समर्पित

समाज सेवा के प्रति उनमें इतनी लगन थी कि वह 17 वर्ष की आयु से ही सामूहिक विवाह व समाज के अन्य कार्यक्रमों में कार्यकर्ता के रूप में सहयोग करने लगे। अपने काम के प्रति उनका समर्पण इस कदर था कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाती, वे उसे पूर्ण कुशलता के साथ पूरी करते। उनकी इन्हीं योग्यताओं को देखते हुए उन्हें 1991 में माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर का अध्यक्ष चुना गया। माहेश्वरी नवयुवक मण्डल से उनका जुड़ाव 1976 में हुआ था। इस वर्ष वे मण्डल की कार्यकारिणी के सदस्य चुने गए थे तथा वर्ष 1983 तक आप मण्डल के सदस्य रहे। इस दौरान उन्होनें अनेक सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने के कारण ही उन्हें 1989 में मण्डल का सचिव और 1991 में अध्यक्ष चुना गया। यही नहीं उनका अध्यक्ष का कार्यकाल इतना अच्छा रहा कि वर्ष 1993-1995 में उन्हें माहेश्वरी नवयुवक मण्डल जयपुर का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। श्री बाहेती के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इस तरह उन्होनें सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया।

सेवा से बनाया एक इतिहास

श्री बाहेती का मानना है कि हमें समाज की बदौलत ही सब कुछ प्राप्त होता है। समाज ही हमें प्रतिष्ठा, सम्मान देता है, इसलिए हमारी भी समाज के प्रति एक भारी जिम्मेदारी बनती हैं। इस जिम्मेदारी को निभाने में वह कभी पीछे नहीं रहें। संगठनात्मक कामों में उनकी एक विशेष पहचान बन चुकी थी। यही कारण था कि 1995 में उन्हें अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन (पश्चिमांचल) का उपाध्यक्ष चुना गया। वर्ष 1999 में उन्हें माहेश्वरी समाज जयपुर का संयुक्त शिक्षा सचिव बनाया गया था। उन पर भवन निर्माण समिति के सचिव की भी जिम्मेवारी थी। उन्होनें अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए विद्याधर नगर जयपुर में माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल का निर्माण मात्र 11 माह में पूरा करवाकर रिकार्ड बनाया। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाज के अधीन

माहेश्वरी गर्ल्स कॉलेज की स्थापना भी की गयी, जिसके वह संस्थापक सचिव रह चुके हैं। श्री बाहेती की धर्मपत्नी प्रीति बाहेती भी उनकी अनुगामी होकर विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं को अपनी सेवा दे रही हैं।

कई जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन

दो भाई अशोक, संजय व दो पुत्र आदित्य, अर्जुन के साथ जयपुर, जोधपुर, अजमेर तथा गाज़ियाबाद (उ.प्र.) में ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टक्स, पेट्रोल पम्पस् एवं रियल ईस्टेट व्यवसाय की व्यस्तता के बावजूद पारिवारिक जिम्मेदारियों के अन्तर्गत वे एक पुत्र, पिता, पति, भाई, श्वसुर व दादा आदि सभी रिश्तों की जिम्मेदारियां बखूबी निभाते हुए अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। इनमें एक है, वन बंधु परिषद। यह एक ऐसी संस्था है, जिसमें गांव-शहरों से दूर रहने वाले बनवासी बच्चों को साक्षर बनाया जाता है, उनमें शिक्षा के प्रति रुचि जागृत की जाती है। श्री बाहेती वनबंधु परिषद के संस्थापक सचिव हैं। यह जिम्मेदारी वे वर्ष 2007 से निभा रहे हैं। वनबंधु परिषद संस्था वास्तव में स्वामी विवेकानन्द के उस सपने को पूरा कर रही है, जिसमें उन्होनें कहा था - "अगर वनवासी बालक स्कूल नहीं जा सकता है, तो स्कूलको उसके दरवाजे पर पहुँचना होगा।" इस तरह वे पूरे देश भर में 57 हजार के लगभग एकल शिक्षक विद्यालयों राजस्थान में 2700 स्कूल के माध्यम से बच्चों को साक्षर कर रहे हैं। चिकित्सा व रक्तदान शिविरों के आयोजन में वह सबसे आगे रहते हैं। वह लोगों को तो रक्तदान के लिए प्रेरित करते ही है, स्वयं भी कई बार रक्तदान कर चुके हैं। अनेक निर्धन बच्चों की शिक्षा का जिम्मा भी वह उठा रहे हैं। प्रदीप का मानना है कि जरूरत मंद की समय पर सेवा करना ही सच्चा मानव धर्म हैं।

अध्यात्म के प्रति भी समर्पित

समाज के प्रति सकारात्मक सोच रखने वाले प्रदीप बाहेती एक साथ कई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। वह समय का मूल्य समझते हैं, इसलिए एक क्षण भी व्यर्थ नहीं जाने देते। जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजय शंकर मेहता उनके आदर्श हैं। वह उनके बताए नियमों का पालन करते हैं। वे उनके कार्यक्रमों में सिर्फ भाग ही नहीं लेते, बल्कि उनके कार्यक्रमों के संयोजन की जिम्मेदारी भी उठाते हैं।

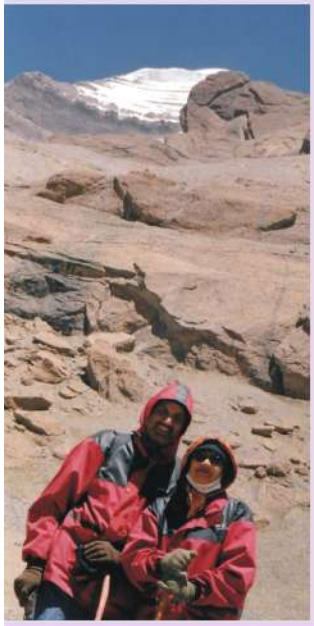

जयपुर में प्रतिवर्ष दशहरा पर पं. विजय शंकर मेहता के एक वृहद कार्यक्रम "एक शाम जीत के नाम" का आयोजन करवाते हैं। इस आयोजन के श्री बाहेती राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इन कार्यक्रमों से जुड़ने का परिणाम ही यह है कि वह व्यवसाय की बड़ी से बड़ी समस्या को आसानी से सुलझा लेते हैं, कभी तनाव में नहीं आते। उनकी कार्यशैली से प्रभावित होकर पं. मेहता ने श्री बाहेती को वर्ष 2016 में उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ में बनने वाले "हनुमतधाम" का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी मनोनीत किया है। आप अन्य आध्यात्मिक कार्यों में भी वे रुचि रखते हैं। विपश्यना ध्यान शिविर में लगातार 10 दिन तक मौन साधना वे कई बार कर चुके हैं।

माहेश्वरी गर्ल्स कॉलेज के भूमि पूजन समारोह में श्री बाहेती।

तत्कालीन गृहमंत्री राजस्थान सरकार श्री शान्ति धारीवाल के साथ गम्भीर मंत्रता करते श्री बाहेती।

एज्यूकेशनल कमेटी ऑफ द माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा आयोजित समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ करते प्रदीप बाहेती।

एक कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए प्रदीप बाहेती की धर्मपत्नी प्रीति बाहेती के साथ।

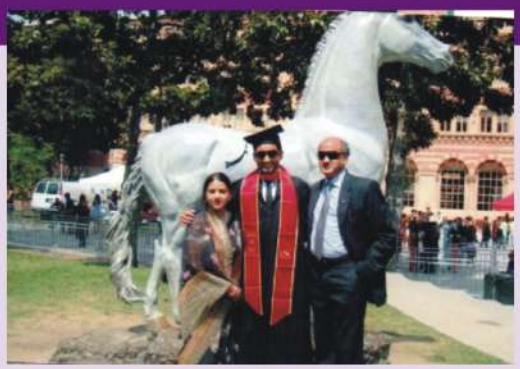

अपने पुत्र अर्जुन बाहेती के दीक्षान्त समारोह के अवसर पर यूनिवर्सिटी ऑफ केलीफोर्निया अमेरिका में प्रदीप-प्रीति बाहेती।

भाजपा सरकार के तत्कालीन स्वायत्त शासन मंत्री श्री भँवरलाल शर्मा का स्वागत करते हुए श्री बाहेती।

बाहेतीजी का सेवा 'दर्शन'

- केवल बातें करने से समाज सुधार नहीं होता, कथनी को करनी में बदलना पड़ता है। नियमों को किसी पर थोपा नहीं जा सकता, इसीलिए उन नियमों को पहले अपने जीवन में उतारना पड़ता है, उन्हें अपनाना पड़ता है, तभी वह नियम सार्थक हो पाते हैं। हम किसी अन्य को कोई बात तभी कहने के अधिकारी हैं, जब हम स्वयं उस बात से सहमत हों। दूसरे लोग भी तभी किसी बात को मानते हैं, जब वह देख लेते हैं कि कहने वाला उसका पालन कर रहा है।
- आज समाज को नए विचारों वाले युवाओं की जरूरत है। प्रतिस्पर्द्धा के इस युग में प्रतिभाशाली व्यक्ति ही समाज का विकास करने में सहायक हो सकते हैं। माहेश्वरी समाज के युवा सामाजिक कार्यों में काफी आगे रहते हैं, लेकिन यह संख्या और बढ़नी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा युवाओं को समाज की मुख्य धारा में आना चाहिए।
- कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। यदि पूर्ण आत्मविश्वास व लगन के साथ किसी कार्य को हाथ में लिया जाए तो वह अवश्य पूर्ण होता है। हमें हमेशा अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए, तभी हम जीवन में सफल हो सकते हैं।
- युवा अपनी कार्यशैली के प्रति बहुत ही प्रोफेशनल हैं। वह हर क्षेत्र की जानकारी रखते हैं, काफी ज्यादा जानते हैं उन्हें अवसर मिले, तो वह इसे साबित करके दिखा सकते हैं। युवा वर्ग अपने कर्तव्यों में समाजहित को सर्वोपरी रखें। उन्हें समस्याओं से घबराना नहीं चाहिए।
- यह सही है कि समस्याओं से लक्ष्य को पाने में बाधों आती है। अगर लक्ष्य को पाने की चाहत बुलंद हो, तन-मन दोनों साथ दे रहे हो और सकारात्मक सोच के साथ सूझबूझ से काम लिया जाए तो सफलता हासिल की जा सकती है।
- हमें वक्त के साथ चलना चाहिए तभी हम दुनिया में अपना अस्तित्व कायम रख पोंगे। संचार तकनीक के कारण पूरा विश्व सिमट गया है। पाश्चात्य देशों के खान-पान, रहन-सहन, सभ्यता एवं संस्कृति का प्रभाव समाज के युवक-युवतियों पर पड़ रहा है। परिवर्तन में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बिना परिवर्तन के विकास नहीं होता। पर इतना ध्यान रखा जाना चाहिए कि संस्कृति एवं संस्कारों के विपरीत कोई काम नहीं हो, और हम अपनी जड़ों से दूर ना हो।
- समाज का प्रत्येक युवा संस्कारवान बने, तभी वह समाज में व्याप्त बुराइयों का विरोध कर सकता है। आज प्रत्येक समाज में भ्रूण हत्या, लिंगानुपात में अंतर, वैमनस्य, दिखावा, फिजूलखर्ची आदि की समस्याएँ हैं। माहेश्वरी परिवार भी इससे अछूते नहीं हैं। युवाओं को इन सबसे लड़ना होगा। समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाना होगा।

जयपुर में आयोजित सामूहिक विवाह के अवसर पर धर्मपत्नी प्रीति बाहेती के साथ श्री बाहेती नव दम्पति को शुभकामनाएँ देते हुए।

डिस्ट्रिक्ट जज श्री दीपक माहेश्वरी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर छात्रों द्वारा परेड की सलामी लेते श्री बाहेती।

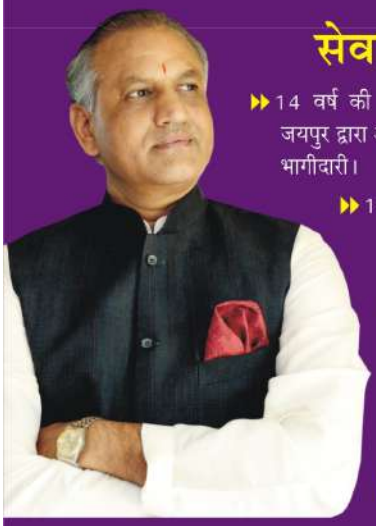

सेवा यात्रा पर एक नजर

- 14 वर्ष की आयु में माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर द्वारा आयोजित खेलकूद कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।
- 17 वर्ष की आयु में जयपुर में आयोजित प्रथम सामूहिक विवाह में कार्यकर्ता के रूप में सहयोग।
- 1976-1983 तक माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर की कार्यकारिणी सदस्य।
- 1989 से माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर के सचिव।
- 1991-1995 तक दीर्घ अवधि तक सतत् अध्यक्ष।
- 1995 में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन (पश्चिमांचल) के उपाध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रम 'आपणो उत्सव' का सफल आयोजन।
- 1999-2002 तक माहेश्वरी समाज, जयपुर के संयुक्त शिक्षा मंत्री एवं माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर के भवन निर्माण सचिव पदों पर रहते हुए मात्र 11 माह की अवधि में भवन का निर्माण पूर्ण कर स्कूल की शुरुआत करके रिकॉर्ड बनाया।
- 2002-2005 में शिक्षा समिति एवं एमजीपीएस की प्रबंध समिति के सदस्य।
- 2004-2011 तक अ.भा. माहेश्वरी महासभा (पश्चिमांचल) के सदस्य।
- 2008-2011 एजूकेशन कमेटी ऑफ द माहेश्वरी समाज के प्रथम महासचिव शिक्षा।

विशेष उपलब्धियाँ-

- प्रताप नगर, जयपुर स्थित गर्ल्स कॉलेज के संस्थापक सचिव।
- एम.पी.एस. इण्टरनेशनल स्कूल, तिलक नगर के भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ।
- उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए बगरू में कॉलेज बनाने हेतु राज्य सरकार से 22 हजार मीटर भूमि आवंटन करवाकर निर्माण प्रारम्भ करवाना।
- प्रताप नगर, जयपुर में गर्ल्स होस्टल के लिए सरकार से 2500 मीटर जमीन आवंटित करवाकर निर्माण प्रारम्भ।

- 2007 से वन बंधु परिषद (एनजीओ) के प्रथम सचिव।
- 2008 से अ.भा. माहेश्वरी युवा ट्रस्ट द्वारा लोहार्गल धाम में 5000 मीटर भूमि पर निर्माणाधीन भवन की समिति के अध्यक्ष।
- अध्यक्ष, जयपुर जेसीज।
- अध्यक्ष, लियो क्लब, जयपुर।
- उपाध्यक्ष, जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन।
- अध्यक्ष, जयपुर जिला पेट्रोलियम डिलर्स एसोसिएशन।
- माहेश्वरी सेवा सदन, चांदपोल, जयपुर के प्रबन्ध मण्डल में रहते हुए भवन व कमरों को अत्याधुनिक साज-सज्जा युक्त बनवाकर लिफ्ट लगवाना।

एजूकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज के कार्यक्रम में मंचासीन श्री बाहेती।

तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को माहेश्वरी गर्ल्स कॉलेज भवन का अवलोकन कराते श्री बाहेती।

एक शाम जीत के नाम कार्यक्रम में प्रवचन सुनते प्रदीप बाहेती अपने पिता श्री आर.डी. बाहेती के साथ।

जीवन प्रबन्धन समूह द्वारा आयोजित महापर्व आयोजन के अवसर पर पण्डित विजय शंकर मेहता के साथ श्री बाहेती एवं आयोजन समिति के सदस्य।

जावंधिया परिवार, ठैनी (बनखेड़ी)

नर्मदा शुगर प्रा.लि.

राजेश जावंधिया
मो. 094259-13000

साळी चौका

विनीत जावंधिया
मो. 094259-12000

रामदेव शुगर प्रा.लि.

अशोक जावंधिया
मो. 094259-23000

बनखेड़ी

किशोर जावंधिया
मो. 094259-16000

शक्ति शुगर प्रा.लि.

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

गाडरवारा

गगन जावंधिया
मो. 094071-23000

श्रीजी शुगर एंड पावर प्रा.लि.

बैतूल

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

Manufacturers of : High Quality White Crystal Sugar, Co-Generation of Electricity

E-mail : ramdevsugar@yahoo.com

वैभव जावंधिया
मो. 094071-13000

अनिल जावंधिया

श्रीनाथ ट्रेडर्स

अनाज एवं तिलहन व्यवसायी

फोन : 07576-228730 (दु.)
मो. : 094250-40817

बनखेड़ी (म.प्र.)

मो. : 094259-14000
094250-40817
फोन : निवास
228018, 228445
228528, 228330

जहाँ विश्वास ही परम्परा है

श्रीजी ट्रेडर्स

पिपरिया

E-mail shrinathtraders@sify.com

जय गिरराज राईस एंड एग्रो मिल्स प्रा.लि.

उदित जावंधिया
मो. 081207-14000

खापरखेड़ा

उमंग जावंधिया
मो. 076938-14000

हिमालय बिल्डर्स

वेदांश जावंधिया
मो. 086025-11000

भोपाल

उद्यम क्षेत्र का ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' अवार्ड इस बार दिया जा रहा है, प्रख्यात लघु उद्यमी आनन्द (गुजरात) के श्याम सुन्दर राठी को। श्री राठी ने न सिर्फ अपने लघु उद्योग को शिखर की ऊँचाई देकर गौरवान्वित किया बल्कि देशभर के लघु व मध्यम उद्योगों के लिये भी एक ऐसे मसीहा बनकर सामने आये जो उनकी हर समस्या के लिये हर पल संघर्ष करते रहे। उनके पिछले 20 वर्षो से लघु उद्योग के विकास हेतु तथा समाज सेवा के प्रयासों के लिये किये गये प्रयासों पर माहेश्वरी समाज गर्व अनुभव करता है।

लघु उद्योगों के मसीहा

श्यामसुन्दर राठी

MAHESHWARI OF THE YEAR 2014

वर्तमान में यदि कॉपर वायर के उत्पाद में विद्या वायर्स प्रा. लि. लोगों की जुबान पर यदि अत्यंत लोकप्रिय नाम है, तो इस उद्योग को स्थापित करने वाले आनन्द (गुजरात) निवासी श्यामसुन्दर राठी की प्रतिष्ठा उद्योग जगत में और भी अधिक है। इसके दो कारण है, एक अत्यंत लघु स्तर पर कॉपर वॉयर उद्योग की स्थापना करके उसे शिखर की ऊँचाई देना तथा उनके लघु व मध्यम उद्योगों के लिये अत्यंत संघर्षशील व्यक्तित्व। जब कभी लघु व मध्यम उद्योगों पर कोई संकट गहराया तो देशभर के उद्यमियों की निगाहें श्री राठी पर जा टिकी और यह उचित भी रहा। कारण कि चाहे वे उद्यमियों के संगठन में किसी पद पर रहे अथवा नहीं लेकिन उन्होंने उद्यमियों के विश्वास को कभी डाँवाडोल नहीं होने दिया। वे हर बार एक क्रांतिकारी की तरह सशक्त रूप से समस्याओं को लेकर शासन के सामने इस तरह आये कि शासन को इन्हें हल करना ही पड़ा।

शून्य से शिखर का सफर

श्री राठी का जन्म नागौर (राजस्थान) में 13 दिसम्बर 1948 को हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा यहीं से ग्रहण कर वर्ष 1968 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से कामर्स में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके पश्चात् कोठारी ग्रुप मुम्बई में सेवा से अपने कॅरियर की शुरूआत की। लगातार 13 वर्षो तक यहाँ सेवा देने के बाद कुछ नया करने का सपना उन्हें उद्योग जगत की ओर ले आया। अत्यंत लघु स्तर पर वर्ष 1982 में ''विद्या वायर्स प्रा. लि.'' उद्योग की स्थापना कर एनामल्ड कॉपर वायर व स्ट्रीप्स तथा पेपर कवर्ड कॉपर वायर व स्ट्रीप्स के उत्पादन से शुरूआत की। वर्ष 2003 में सिल्वासा में एक और युनिट की शुरूआत के साथ उद्योग का विस्तार किया।

देश-विदेश में सफलता की पताका

वर्तमान में उनका उद्योग ''विद्या वायर्स प्रा. लि.'' कॉपर वायर्स के क्षेत्र में देश का एक अत्यंत जाना-माना नाम तो है ही, साथ ही यह विदेशों में भी अपने उत्कृष्ट उत्पादों से सफलता की पताका फहरा रहा है। देश के लगभग अधिकांश प्रतिष्ठित मोटर्स, ट्रांसफार्मर्स, ऑटोमोबाईल व इलेक्ट्रानिक उद्योग के उत्पादक उनके बड़े ग्राहकों में शामिल हैं। कई देशों को उनके उत्पाद निर्यात किये जा रहे हैं। ग्राहकों के इस विश्वास का कारण उनके उत्पादों की उत्कृष्ट क्वालिटी है। ये उत्पाद बीआईएस व आईएसओ-9001-2008 द्वारा तय मानकों के अनुसार बहुत ही उच्च क्वालिटी के मानक परीक्षण से गुजरते हैं। क्वालिटी परीक्षण के लिये कम्पनी के पास निजी उच्च स्तरीय परीक्षण प्रयोगशाला और विशेषज्ञों की टीम है। सर्वप्रथम इस प्रयोगशाला में उत्पादों का परीक्षण होता है, इसके

बाद ही ये मार्केट में पहुँचते है। इस कठोर क्वालिटी मेनेजमेंट के कारण ही "विद्या वायर्स" ग्राहकों में एक विशिष्ट ब्राण्ड बन चुका है।

लघु उद्योगों को दिलाया सम्मान

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में लघु उद्योगों को भारी विषम परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इन स्थितियों को निकट से देख व समझकर श्री राठी गत 20 वर्षो से लघु उद्योगों की समस्याओं के निराकरण व उनके विकास के लिये प्रमुख तौर पर काम कर रहे हैं। श्री राठी 'फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ स्माल इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया' नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं, जिसके 5 हजार से अधिक सदस्य हैं। श्री राठी वर्तमान में 'ऑल इण्डिया वायर मेन्यूफेक्चर्स एसोसिएशन' के भी गत 10 वर्षों से अध्यक्ष हैं। पिछले 20 वर्षों में व्यापार एवं उद्योग से जुड़ी कई समस्याओं को भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत करके उनका निराकरण करवाने में सफल रहे, इससे लघु उद्योग जगत को बहुत राहत मिली।

लघु उद्योगों को दिया 'आकाश'

लघु उद्योगों को बड़े उद्योगों की तरह सुविधाऐं प्राप्त नहीं हैं। उनकी सबसे बड़ी समस्या पूँजी की कमी होती है। पर्याप्त सिक्यूरिटी की व्यवस्था न हो पाने से बैंकों से उन्हें लोन नहीं मिल पाता, जिससे उद्योग की शुरूआत से लेकर उन्हें चलाने तक में कई बार भारी परेशानी उठानी पड़ती है। श्री राठी ने फेडरेशन के माध्यम से इस समस्या को भारत शासन के वित्त मंत्रालय के सामने सशक्त रूप से रखा। लम्बे समय के प्रयासों के बाद वर्ष 2000 में वित्त मंत्रालय ने लघु उद्योगों के हित में क्रेडिट गारण्टी स्कीम प्रारम्भ की। इस स्कीम में बिना किसी सेक्युरिटी के लघु उद्योगों को बैंकों द्वारा 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। प्रोजेक्ट की क्षमता के अनुसार 100 लाख रुपये तक का ऋण भी स्वीकृत किया जाता है। यह स्कीम लघु उद्योगों के लिये अमृत तुल्य सिद्ध हुई, जिसने इनको विकास का एक सशक्त मार्ग प्रदान किया।

सौगाते जिन्होंने लघु उद्योगों को दिलाया "बूम"

- वर्ष 2005 में टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन के लिये भारत शासन की "क्रेडिट लिन्क्ड केपिटल सबसिडी स्कीम (CLCSS) जिसमें अपग्रेडेशन के लिये मशीनरी खरीदी हेतु 15 % की सबसिडी।
- कॉर्पोरेट ग्राहक व शासकीय विभागों से देरी से होने वाले भुगतान की समस्या के निराकरण के लिये "DELAYED PAYMENT ACT" जिसमें 45 दिवस में भुगतान अनिवार्य। देरी पर ब्याज देय।
- वर्ष 2005-06 में कुछ कोर्ट निर्णयों से उत्पन्न हुई सेन्ट्रल एक्साईज ड्यूटी की समस्या के मामले में शासन के सहयोग से उचित समाधान जिससे वायर उद्योग पर कोई अतिरिक्त भार नहीं आया।
- वैश्विक औद्योगिक आपदा वर्ष 2008-09 के दौरान प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री आदि के साथ भेंटकर औद्योगिक परिदृश्य को पुनर्स्थापित करने के लिये बैंक से उद्योग जगत को अतिरिक्त फायनेन्स की उपलब्धता, ब्याज तथा एक्साईज ड्यूटी में रियायत आदि लाभ प्रदान करवाऐं।
- वर्ष 2008-2010 के दौरान वित्त मंत्री के साथ तीन बजट पूर्व बैठकों में शामिल होकर कई 'कर' सुझाव दिये। इन्हें स्वीकार कर शासन ने लघु उद्योगों को एक्साईज, फेक्ट्री, लेबर व इन्सपेक्टर राज आदि का सरलीकरण किया तथा एक्साईज छूट व आयकर में राहत प्रदान की।

लघु उद्योगमंत्री श्री दिनशाभाई पटेल से राष्ट्रीय अवार्ड-2009 प्राप्त करते हुए राठी।

लघु उद्योगमंत्री श्री के.एम. मुनैप्पा से राष्ट्रीय अवार्ड-2011 प्राप्त करते हुए राठी।

श्री राठी एक बिजनेस डेलीगेशन मीटिंग में पूर्व प्रधानमंत्री श्री मदनमोहनजी के साथ।

सेवा ने दिलाया सम्मान

- लघु मध्यम उद्योग मंत्री के हाथों औद्योगिक क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिये नेशनल अवार्ड-2009
- राष्ट्रपति के हाथों उत्कृष्ट उद्यमी नेशनल अवार्ड-2011
- बेस्ट मीडियम स्केल इण्डस्ट्री के लिये गुजरात स्टेट अवार्ड-2010
- गुजरात चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज द्वारा बेस्ट मीडियम स्केल इण्डस्ट्रीज अवार्ड-2011
- इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल वेस्टर्न रीजन द्वारा "स्टार परफार्मर रीजनल एक्सपोर्ट अवार्ड-2011-12"
- टी.वी. चेनल ET NOW द्वारा "लीडर्स ऑफ टूमारो" अवार्ड (टेलीकास्ट 8/10/2013)
- गत 14 नवम्बर 2014 को गुजरात की मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल के हाथों इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (वेस्टर्न रीजन) के "रीजनल स्टॉर परफार्मर अवार्ड 2012-13" से सम्मानित
- संगठन FASII ने वर्ष 2010 में श्री राठी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में मनाया "गोल्डन जुबीली उत्सव", इसमें पूर्व वित्त मंत्री तथा वर्तमान में राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी मुख्य अतिथि थे।

कई संगठनों से सम्बद्ध

- सदस्य- MSME Board (अतिलघु, लघु व मध्यम उद्योग बोर्ड नई दिल्ली)
- सदस्य-सेंट्रल डायरेक्ट टेक्स एडवायजरी कमेटी, नई दिल्ली
- सदस्य-रीजनल सेन्ट्रल एक्साईज एडवायजरी कमेटी, वडोदरा (गुजरात)
- ट्रस्टी-सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ इम्प्लाईज प्रोविडेंट फण्ड
- सदस्य- इम्प्लाईज स्टेट इन्श्योरेंस कार्पोरेशन
- एक्जीक्यूटिव कमेटी मेम्बर-वाईडिंग वायर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया
- एक्जीक्यूटिव कमेटी मेम्बर-विठ्ठल उद्योगनगर इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन
- पूर्व अध्यक्ष-वल्लभ विद्यानगर टाउन क्लब-आणंद
- ट्रस्टी-महेश सेवा ट्रस्ट गुजरात
- सदस्य -आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र।

समाज के विकास का सपना

माहेश्वरी समाज में भी सक्रिय रूप से अपनी सेवा देते हुए गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति सदस्य व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्य मंडल सदस्य के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी महासभा इण्डस्ट्री सेल (स्माल स्केल इण्ड्रस्ट्रीज) के श्री राठी संयोजक के रूप में भी सेवा दे रहे है। समाज के विभिन्न भवनों में कक्षों के दान सहित शिक्षा तथा चिकित्सा हेतु भी जरूरतमंदों को सहायता देते रहे हैं। श्री राठी सिर्फ भौतिक ही नहीं बल्कि माहेश्वरी समाज के सर्वांगीण विकास का सपना देखते हैं। इसी के चलते समाज को सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

आनन्द में आयोजित भागवत कथा
श्री मृदुल कृष्णाजी महाराज के सान्निध्य में

परिवार के साथ श्री राठी।

बहन एवं भाइयों के साथ श्री राठी।

परिवार के साथ श्री राठी।

उन्नति की राह पर परिवार

श्री राठी का विवाह वर्ष 1969 में श्रीमती ब्रजलता राठी सुपुत्री स्व. श्री दामोदरदासजी चाण्डक (नागौर) के साथ हुआ। आपके परिवार में एक पुत्री व एक पुत्र है। पुत्री श्रीमती सरोज बंग एमबीए हैं और उनका विवाह मुम्बई के कृष्णकुमार बंग के साथ हुआ। श्री बंग सीए हैं और परिवार के HDPE बेग्स उद्योग को सम्भाल रहे हैं। पुत्र शैलेष BE (Electrical) तक शिक्षा ग्रहण कर वर्ष 1995 से पारिवारिक व्यवसाय से सम्बद्ध है। शैलेष का विवाह शिल्पा राठी (पुत्री श्री निवास जी सोमानी, वैजापुर) से हुआ है। उनके परिवार में एक पुत्र माधव हैं।

सफलता के सूत्र

- सफलता सिर्फ उत्कृष्टता से प्राप्त होती है तथा उत्कृष्टता एक यात्रा है, मुकाम नहीं।
- एक रुपया कमाना ज्यादा महत्वपूर्ण है, बिना कमाये 10 रुपये कहीं से प्राप्त करने के।
- आत्म-विश्वासी बनें, अभिमानी नहीं। आत्मविश्वासी व्यक्ति हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयास करता है तथा उन्नति करता है, जबकि अभिमानी यह सोचता है कि वह सब कुछ जानता है और इस कारण नया कुछ भी नहीं जान पाता है।

वर्तमान में भी प्रचलित शिक्षा अंग्रेजी गुलामीकाल की शिक्षा है। यह नई पीढ़ी को प्रगतिशील बनाने की पूरी क्षमता नहीं रखती। इस शिक्षा प्रणाली को पूरी वैज्ञानिकता के साथ नया स्वरूप देकर 21वीं सदी की शिक्षा प्रणाली प्रस्तुत की है, नागपुर के शिक्षाविद् डॉ. आर. डी. मोहता ने। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार शिक्षा में योगदान के लिये डॉ. मोहता को माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2014 के सम्मान से नवाज रही है।

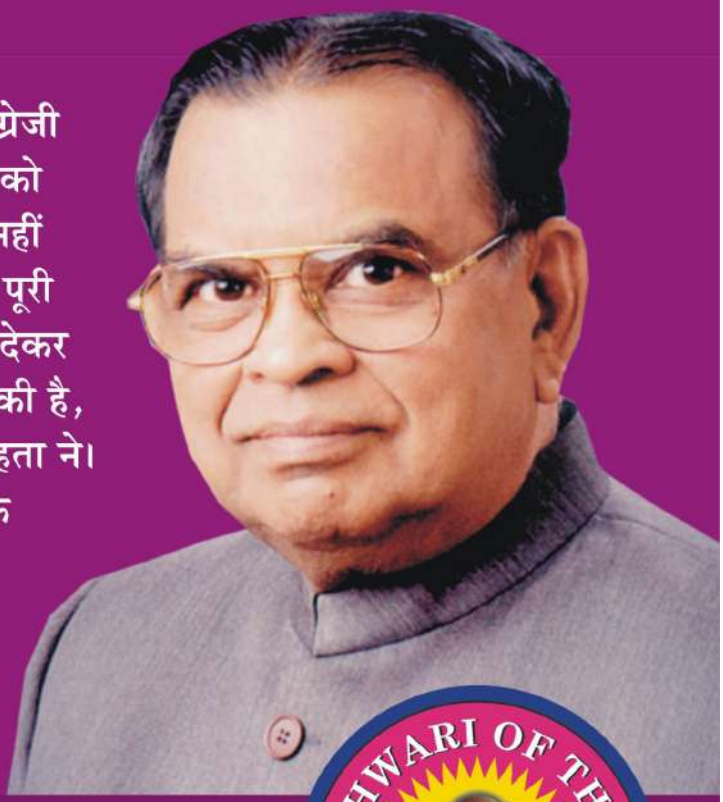

MAHESHWARI OF THE YEAR 2014

शिक्षा जगत के महागुरु

डॉ. आर.डी. मोहता

मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए किसी भी विषय की जानकारी मात्र प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए जानकारी के साथ-साथ प्राप्त की गई जानकारी का "उपयोग" कैसे किया जाए यह उससे भी अधिक जरूरी है। जानकारी का ठीक उपयोग करने के लिए जानकारी का विश्लेषण, स्मरणशक्ति, एकाग्रता, परिसंवाद, तर्क, लगन, उत्साह, सृजनशीलता, ग्रहणात्मक शक्ति, सकारात्मक सोच तथा इस तरह के कई गुणों की आवश्यकता होती है। परंन्तु इन गुणों की शिक्षा वर्तमान प्रणाली में निहित नहीं है। यही कारण है कि सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त अनेक व्यक्ति भी जीवन में सफल नहीं हो पाते हैं। जहाँ तक जानकारी का सवाल है, वह भी अधिकांश शिक्षण संस्थाओं में संतोषप्रद रूप से प्रदान नहीं की जाती है। मिसाल के तौर पर एक खबर के अनुसार बिहार राज्य के 10,000 शिक्षक 5वीं कक्षा की परीक्षा भी पास नहीं कर सके। इस एक उदाहरण से ही भारत मे शिक्षा की व्यवस्था का अंदाज लगाया जा सकता है।

सेवा निवृत्त पर शिक्षा जगत को समर्पित

एम. कॉम., एल.एल.बी. व डी लिट् तक उच्च शिक्षा प्राप्त नागपुर के डॉ. आर.डी. मोहता शिक्षा जगत से 62 वर्षों से भी अधिक समय से जुड़े रहे। इस दौरान कई शिक्षाविदों से विचार विमर्श हुआ और साथ ही इस विषय पर गहन शोध भी चला कि आखिर देश की शिक्षा व्यवस्था में कमी क्या है और इसकी कमियों को दूर कैसे किया जाए? डॉ. मोहता विभिन्न कंपनियों व उनके सीईओ को प्रशिक्षण प्रदान करने वाली विख्यात संस्था "इंडियन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एण्ड डिवलपमेंट" के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। वैसे वे अपनी उम्र के प्रभाव के कारण कुछ जिम्मेदारियों से दूर हो गये थे, लेकिन फिर जब एक संस्था ने उनके शोध को आधार बनाकर स्कूल से लेकर सम्पूर्ण कॉलेज शिक्षा तक के कायाकल्प का बीड़ा उठाया तो 78 वर्ष की अवस्था के बावजूद डॉ. मोहता अपने आपको रोक नहीं पाए। आप इस संस्था "क्रियेटिव एजूकेटर्स विंग" के नागपुर चेप्टर के फाउण्डर चेयरमेन पद की जिम्मेदारियों का सक्रियता पूर्वक इस अवस्था में भी निर्वहन कर रहे हैं।

सर्वांगीण विकास ही प्रमुख लक्ष्य

शिक्षाविदों के द्वारा पूर्णरूप से परखकर महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रणाली को शिक्षकों की प्रशिक्षण पुस्तिका में सम्मिलित कर लिया है। इस

श्री मोहता अपने परिवार के साथ।

एक तथ्य से ही प्रणाली की विश्वसनीयता प्रमाणित होती है। इस नयी प्रणाली का आधारभूत उद्देश्य बहुत उच्च कोटी का है। इसमें शिक्षण का लक्ष्य मात्र जानकारी प्रदान करने का न होकर ''संपूर्ण मानव'' का उत्थान करना है। किसी भी व्यक्ति की सफलता मुख्यतः दो शक्तियों पर निर्भर करती है- एक शारीरिक तथा दूसरी मानसिक। व्यक्ति की शारीरिक शक्ति का जन्म और विकास तो उसके माता-पिता करते हैं; परंतु उसकी मानसिक शक्ति का जन्म और विकास करने की जवाबदारी मुख्यतः शिक्षण संस्थाओं की होती है। इस मुद्दे पर तो आज की शिक्षण प्रणाली तथा संस्थाएँ सर्वथा असफल रही हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस 21वीं सदी की शिक्षण प्रणाली में इस कमजोरी को दूर करने का यथा संभव प्रयास किया गया है। यह प्रयास आज की शिक्षण व्यवस्था की सीमाओं में ही कार्यान्वित किया जा सके, इस बात का भी संपूर्ण रूप से ध्यान रखा गया है।

क्या है यह शिक्षा प्रणाली

विश्वभर की शिक्षण प्रणालियाँ कम ज्यादा रूप से ''पढ़ाने''- के पहलू को ही सामने रखती हैं। स्वाभाविकतः पढ़ाने वाले की याने शिक्षक की भूमिका ही मुख्य रूप से परिलक्षित होती है। विद्यार्थी की - याने सीखने वाले की भूमिका काफी नगण्य रहती है। फलस्वरूप पढ़ाने की लगभग संपूर्ण जवाबदारी शिक्षक की समझी जाती है। इसके विपरीत 21वीं सदी की शिक्षण प्रणाली में प्राधान्यता विद्यार्थियों को सौपी जाती है। यद्यपि अन्तिम जवाबदारी तो शिक्षक की ही रहती है परन्तु विद्यार्थी को भी सीखने की प्रक्रिया में पूर्णतः शामिल किया जाता है। इस प्रकार सूक्ष्म से बदलाव से भी अत्यधिक लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं।

शिक्षण संस्थानों ने सराहा

संस्था शासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के उन्नयन में भी सीधे अपना निःशुल्क योगदान दे रही है। इसके अन्तर्गत संस्था विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों से सम्पर्क करती है। ये अधिकारी संबंधित जिले के प्राचार्यों को एकत्र कर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करवाते हैं। इनमें संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त ये प्राचार्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। महाराष्ट्र शासन ने तो इस प्रणाली को शिक्षकों की प्रशिक्षण पुस्तिका (मेन्युअल) में ही शामिल कर लिया है। इस तरह यह अब महाराष्ट्र में तो शिक्षा जगत का अभिन्न अंग ही बन चुका है। स्कूल शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा संस्थान भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रहे। नागपुर विश्वविद्यालय, इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विद्यापीठ (इग्नू) व भारतीय विद्या भवन ने भी इसे उच्च शिक्षा के नवीनीकरण के रूप में अपना लिया है।

प्रशिक्षण बिल्कुल निःस्वार्थ

संस्था क्रिएटिव एजुकेटर्स शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन कर रही है और वह भी निःस्वार्थ भाव से। संस्था द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षक व विशेषज्ञ प्राचार्य तथा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इनसे प्रशिक्षण प्राप्त ये प्राचार्य व शिक्षक अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इस तरह पूरा क्षेत्र ही एक अभियान की तरह शिक्षा का कायाकल्प कर लेता है। प्रशिक्षित शिक्षक इसका अपनी संस्था में प्रयोग करते हुए इसे विभिन्न कक्षाओं में इसे क्रमबद्ध रूप से लागू करते हैं।

नाग विदर्भ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उद्घाटन समारोह पर दीप प्रज्जवलन करते हुए डॉ. मोहता।

रोटरी क्लब में भाषण देते हुए डॉ. मोहता।

श्री बी.सी. भरतीया अ.भा. व्यापारी संघ के अध्यक्ष डॉ. मोहता का शॉल से सत्कार करते हुए।

क्या कहते हैं विद्यार्थी ?

विद्यार्थियों पर इस 21वीं सदी की शिक्षा प्रणाली का क्या प्रभाव पड़ रहा है, यह जानने के लिए हमने जाने एक प्रतिष्ठित विद्यालय के विद्यार्थियों के अनुभव। यहाँ इसके विशेषज्ञों ने इस पद्धति के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था।

- अब सभी को स्कूल आने में आनंद आऐगा। **-प्रभप्रीत सिंह**
- हर कमजोर विद्यार्थी भी अच्छा पढ़ सकता है। **-हिराम्या वर्मा**
- इस प्रकार का शिक्षण मुझे बहुत पसंद है। **-मोनिका**
- मैं विश्वास नहीं कर सकता कि अब मैं मात्र एक दिन में 3 विषय पढ़ सकता हूँ। **-श्रेय**
- गणित, अंग्रेजी और सोश्यल साइंस जैसे कठिन विषय भी बहुत सरल हो गये। **-वैष्णवी**
- टाईम कैसे गुजर गया पता ही नहीं चला। **-अंकित वर्मा**
- हमने वह चीज सीखी जो पहलें कभी नहीं सीखी थी और वह भी मनोरंजन के साथ। **-ईशा**
- हिस्ट्री, ओह.... कितना बोरिंग विषय, लेकिन वह वर्कशॉप के बाद मनोरंजक हो गया। **-तनमय थूसू**
- इस विधि ने मेरे लिये पढ़ाई को आनंददायक व आसान बना दिया है। **-नीरज अकोलिया**
- मैं सभी विषयों में ''ए'' ग्रेड ला सकती हूँ, यदि सभी को इसी तरीके से पढ़ूँ। **-शगुन शर्मा**
- मेरे जीवन के श्रेष्ठ अनुभवों में से एक था, वर्कशॉप। **-पायल गौतम**
- इस वर्कशॉप ने अत्यधिक प्रेरित किया। मैं तो चाहता हूँ कि इसका सत्र पूरे वर्ष तक चलता रहे। **-सौरव शर्मा**
- इस प्रोग्राम ने सिद्ध कर दिखाया कि पढ़ाई को भी कितना मनोरंजक व आसान बनाया जा सकता है। **-एस. श्री तोमर**
- गणित की कक्षा में मुझे बहुत आनंद आया। **-ऋषभ ठाकुर**
- गत वर्कशॉप का बहुत ही अद्भुत अनुभव रहा। मैं अब हर विषय में 100% अंक लाना चाहूँगा। **-रितेष शेजवाल**
- वर्कशॉप का अनुभव अद्भुत व आश्चर्यजनक रहा। मेरे अनुसार तो यह विश्व का सबसे श्रेष्ठ टीचिंग मेथड है। **-आरकुई**
- अब मैं गणित को सर्वाधिक पसंद करने लगा हूँ। **-प्रिन्स कलसी**
- मात्र डेढ़ घंटे में 5 चेप्टर खत्म कर दिये। **-संध्या**
- गणित की कक्षा इतनी आनंददायक रही कि जैसा मैं कभी सोच भी नहीं सकता था। **-सुकृति**
- वास्तव में मैं गणित में बहुत कमजोर था लेकिन इस मेथड से पढ़ने के बाद मैं इस विषय में बहुत अच्छा हो गया हूँ। **-शोएब हुसैन**
- मुझे यह कहने में बहुत खुशी हो रही है कि आपकी जो टेकनिक है, वह चाँद की रोशनी जैसी है। मुझे और मेरे दोस्तों को भी बहुत पसन्द आयी है। **- शिवानी पवार**

नागपुर मैनेजमेंट एसोसिएशन के कार्यक्रम में सन्मान्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहता।

अनुभव अपना अपना

सही मार्ग पर ले जाता है

"मैंने सेकण्डरी स्कूल बड़ागाँव पिम्परी तहसील सिन्नेर में गत 22 जनवरी 2014 को अध्यक्ष महोदय के साथ क्रियेटिव एज्युकेटर्स का ट्रेनिंग प्रोगाम देखा। इसके बाद विद्यार्थियों का प्रदर्शन बहुत उत्कृष्ट पाया गया। इसे देखकर ऐसा लगता है कि वास्तव में "क्रिएटिव एज्युकेटर्स" की संकल्पना शिक्षा को सही मार्ग पर ले जा रही है।

- प्रकाश अंधाले

असिस्टेंट सेक्रेटरी नासिक डिविजनल बोर्ड, नासिक

आश्चर्यजनक परीक्षा परिणाम

पिछले 3 वर्षों से हम क्रिएटिव एज्युकेटर्स द्वारा बताए गये ग्रुप डिस्कशन मेथड को अपनाते हुए प्रतिवर्ष 1-1 क्लास बढ़ाते जा रहे हैं। गत वर्ष हमने शुरू से ही इसे अपनाया जिससे स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिस कक्षा में इसे अपनाया गया उसके 6 विद्यार्थियों को 96% से अधिक, 11 को 95% से अधिक व 23 विद्यार्थियों को 90% से अधिक अंक प्राप्त हुए।

- प्रधानाध्यापक

अमरकोट विद्यालय, भांडूप (प.) मुम्बई, -400078

सभी का प्रदर्शन सुधरा

पूर्व में ऐसा कई बार होता था कि कोई एक विद्यार्थी मेरिट में आता था। शेष अधिकांश कम पर्सेंटेज वाले ही रहते थे। वर्ष 2012-13 में हमने शुरू से ही इस विधि को अपनाया। इसका परिणाम यह है कि स्कूल का रिजल्ट तो शत-प्रतिशत रहा ही साथ ही विद्यार्थियों के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ। कुल 42 में से केवल 3 विद्यार्थियों को ही 73% से कम और शेष सभी को 73% से अधिक अंक प्राप्त हुए।

- सुभाष कटारिया

सचिव, रत्ना विद्या निकेतन व बंसीलाल कटारिया हाईस्कूल
हिंगनघाट जिला वर्धा (महा.)

छुपी प्रतिभा आयी सामने

क्रिएटिव एज्युकेटर्स द्वारा इतिहास के टॉपिक पर एक ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया। इसमें एक ग्रुप प्रश्न पूछता और दूसरा उत्तर देता। इससे तार्किक रूप से सोचने एवं अपने विचारों को सही ढंग से प्रस्तुत करने तथा अपने छुपी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। यह वास्तव में एक उत्कृष्ट विद्यार्थी केन्द्रित विधि है।

- प्रधानाध्यापिका

जे.एन.टाटा पारसी गर्ल्स, हाईस्कूल नागपुर (महा.)

पढ़ाने में बना सहायक

क्रिएटिव एज्युकेटर्स के प्रोग्राम की वजह से मुझे व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों को पढ़ाने में बहुत सुविधा हो रही है। कार्यक्रम में बताये गये दिशा निर्देशों के अनुसार मैंने विद्यार्थियों को भूगोल विषय पढ़ाया। इससे विद्यार्थियों की श्रेणी में काफी सुधार हुआ और विषय का प्रतिफल 80 % तक बढ़ा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अच्छा रहा।

- श्रीमती कुमुदिनी नंदेश्वर

प्रधानाध्यापिका, भोला हाईस्कूल मोती बाग-नागपुर

नागपुर में वरिष्ठ नागरिक सभा को सम्बोधित करते डॉ. मोहता।

आदर्श विद्या मन्दिर में डॉ. मोहता का स्वागत करते हुए।

शुभ ग्रह जब वक्री होता है, जो उसके शुभ प्रभाव में वृद्धि होती है। गत 9 दिसम्बर से अपनी उच्च राशि कर्क में स्थित बृहस्पति वक्री हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में अवश्य ही उनकी जमकर कृपा बरसेगी। आईये देखें किन्हें देंगे वे क्या फल?

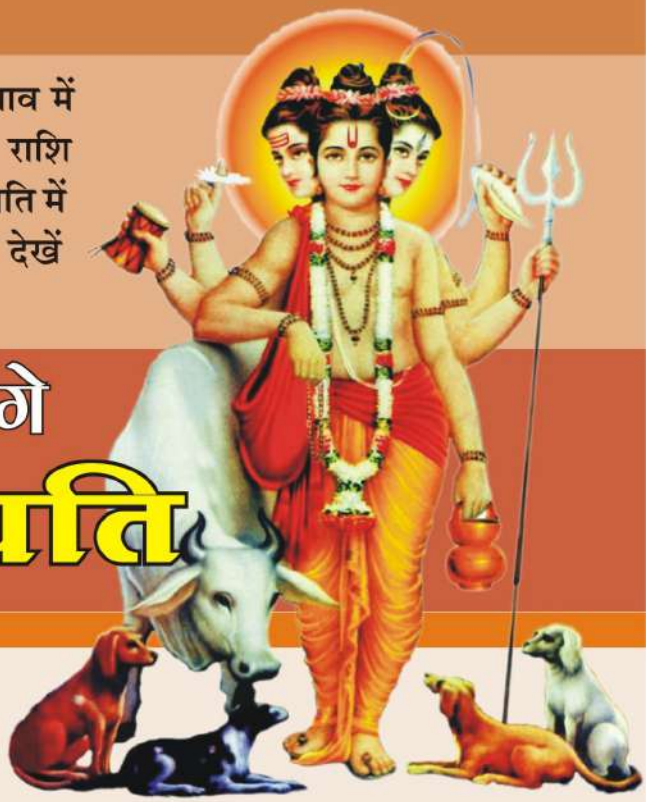

क्या कमाल दिखायेंगे वक्री बृहस्पति

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर, मो. 9414370518

गोचर भ्रमणवश उच्च राशि कर्क में गतिशील देवगुरू, बृहस्पति 9 दिसम्बर को 02.12 बजे से 120 दिनों के लिए वक्री होकर 8 अप्रैल को रात्रि 10.26 बजे पुनः मार्गी हो जायेंगे। वक्री गुरू के शुभाशुभ फलों से समस्त राशियां प्रभावित होंगी। वक्री ग्रहों के संबंध में ज्योतिष प्रकाशतत्व में कहा गया है कि "क्रूरा वक्रा महाक्रूराः सौम्या वक्रा महाशुभाः"। अर्थात् क्रूर ग्रह वक्री होने पर अतिक्रूर फल देते हैं तथा सौम्या ग्रह वक्री होने पर अति शुभफल देते हैं। जातक तत्व और सारावली के अनुसार यदि शुभग्रह वक्री हो तो मनुष्य को राज्य, धन, वैभव की प्राप्ति होती है किन्तु यदि पापग्रह वक्री हो तो धन, यश प्रतिष्ठा की हानि होकर प्रतिकूल फल की संभावना रहती है। जन्म समय में वक्री ग्रह जब गोचरवश वक्री होता है तो वह शुभफल प्रदान करता है बशर्त ऐसे जातक की शुभ दशान्तर्दशा चल रही हो।

शुभफल की वृद्धि करता है वक्री गुरु

भारतीय ज्योतिष के अनुसार बृहस्पति जिस भाव में स्थित होकर वक्री होता है, उस भाव के फलादेशों में अनुकूल व सुखद परिवर्तन आते हैं। आम तौर पर बृहस्पति के वक्री होने पर व्यक्ति अपने परिवार-कुटुम्ब, देश, संतान, जिम्मेदारियों, धर्म व कर्त्तव्य के प्रति ज्यादा चिंतित हो जाता है। जन्म कुण्डली के दूसरे स्थान में आकर जब बृहस्पति वक्री होता है, तब अपनी दशा-अन्तर्दशा में अपार धन-दौलत देता है। नवम भाव में वक्री होने पर जातक के भाग्य द्वार खोल देता है एवं द्वादश स्थान में वक्री होने पर जातक को जन्मभूमि की ओर ले जाता है। मकर राशि में भले ही नीच का गुरू विराजमान हो परन्तु यदि वह वक्री हो तो उच्च की तरह ही शुभफल प्रदान करेगा। कर्क राशि में वक्री गुरू के गोचर भ्रमणवश पहले, चौथे, आठवें, बारहवें बृहस्पति के अशुभ प्रभाव से प्रभावित कर्क, मेष, धनु एवं सिंह राशि के जातकों को राहत मिलेगी। इस दौरान शनि पर वक्री गुरू की कृपा दृष्टि से मेष, सिंह राशि पर गतिशील शनि की ढैया एवं तुला, वृश्चिक, धनु राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलेगी।

क्या है वक्री ग्रह

फलित ज्योतिष के अनुसार जब कोई ग्रह किसी राशि में गतिशील रहते हुए अपने स्वाभाविक परिक्रमा पथ पर आगे को न बढ़कर पीछे की ओर (उलटा) गति करता है, तो वक्री कहा जाता है। जो ग्रह अपने परिक्रमा पथ पर आगे को गति करता है, तो वह मार्गी कहा जाता है। वक्री ग्रह कुण्डली में जातक विशेष के चरित्र-निर्माण की क्रिया में सहायक होते हैं। जिस भाव और राशि में वह वक्री होते हैं, उस राशि और भाव संबंधी फलादेश में काफी कुछ परिवर्तन आ जाता है। राहु व केतु तो वक्री ग्रह हैं, ये कभी भी मार्गी नहीं होते हैं। अन्य सभी ग्रह कभी मार्गी तो कभी वक्री नहीं होते हैं। अक्सर जब कोई ग्रह अपने परिक्रमा पथ पर सूर्य के निकटतम पहुंच जाता है, तब वक्री हो जाता है। किन्तु कुछ समय बाद वह फिर से मार्गी हो जाता है।

कब होते हैं गुरु वक्री

बृहस्पति अपनी धुरी पर 9 घंटा 55 मिनट में पूरी तरह घूम लेता है। यह एक सेकण्ड में 8 मील चलता है तथा सूर्य की परिक्रमा 4332 दिन में 35 घटी 5 पल में पूरी करता है। स्थूल मान से गुरू एक राशि पर 12 या 13 महीने रहता है। एक नक्षत्र पर 160 दिन व एक चरण पर 43 दिन रहता है। बृहस्पति ग्रह अस्त होने के 30 दिन बाद उदय होता है। उदय के 128 दिन बाद वक्री होता है। वक्री के 120 दिन बाद मार्गी होता है तथा 128 दिन बाद पुनः अस्त हो जाता है। व्रकी होने के पांच दिन आगे-पीछे तक यह स्थिर रहता है।

वक्री गुरु का राशियों पर प्रभाव

मेष- इस राशि से चतुर्थ स्थान में वक्री गुरू की अष्टम भाव में शनि पर पूर्ण दृष्टि के कारण सुवर्ण पाया से गतिशील शनि की ढैया के प्रभाव में कमी आयेगी। अहंकार और घमण्ड पर नियंत्रण रखें। सामाजिक कार्यो के प्रति सजग, जनसम्पर्क के प्रति सावधान रहें। नए वाहन खरीदने से बचें। जपनीय मंत्र-"ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीनारायणाय नमः"।

वृषभ- तृतीय भावस्थ वक्री गुरू की सातवें भाव में स्थित शनि पर दृष्टि रहेगी। शत्रुओं से सावधानी रखें। जन्मकाल में शनि बलवान हो तो शत्रुनाश करता है, यशस्वी अधिकारी के गुण पैदा करेगा। विवाह संबंधी योग बनेंगे। राज्यपक्ष से अटके कार्यो में सफलता मिलेगी। जपनीय मंत्र "ॐ गोपालाय उत्तरध्वजाय नमः।

मिथुन- द्वितीय भाव में वक्री गुरू का छटे भाव में विराजमान शनि से दृष्टि संबंध बनेगा। धन लाभ के अवसर मिलेंगे परन्तु धन खर्च के मामले में लापरवाही नहीं बरतें। खोया धन वापस मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार से विवाद सुलझेंगे, सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यो में रूचि लें। "ॐ कृष्णाय नमः।" मंत्र का जप लाभप्रद रहेगा।

कर्क- लग्नस्थ वक्री गुरू की पंचम भाव में शनि पर दृष्टि रहेगी। अशुभ आर्थिक पक्ष में सुधार, धार्मिक कार्य होंगे। यह समय संतान के लिए लाभकारी रहेगा। अशुभ प्रभाव में कमी आएगी। नकारात्मक प्रभाव से बचें। "ॐ हिरण्यगर्भाय अव्यक्तरूपिणे नमः।" मंत्र का जप करें।

सिंह- बारहवें वक्री बृहस्पति की चतुर्थ भावस्थ शनि पर कृपा दृष्टि के प्रभाव के कारण ताम्र पाद से गतिशील शनि की ढैया का प्रभाव कम होगा। धन संबंधी एवं अन्य बाधाओं से मुक्ति मिलेगी। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक समस्याओं का समाधान होकर लाभ मिलेगा। नैराश्य को त्याग कर कर्म में विश्वास रखें। जपनीय मंत्र "ॐ क्लीं ब्रह्मणे जगधाराय नमः।

कन्या- तृतीय भावस्थ शनि पर लाभ भाव में बैठे वक्री बृहस्पति की पूर्ण कृपा दृष्टि के कारण आय के साधन बढेंगे। भाई बंधुओं से लाभ मिलेगा। धैर्य में वृद्धि होगी। अनावश्यक विवादों से बचें। "ॐ नमो प्रीं पीताम्बराय नमः।" मंत्र का जप करें।

तुला- कर्म भाव में वक्री गुरू धन भाव में बैठे शनि को देखेगा। अतः इस राशि पर चाँदी के पाया से गतिशील शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव कम होगा। आर्थिक पक्ष में सुधार होकर धन लाभ के अवसर मिलेगें। कूटनीति से राजनीति में सफलता मिलेगी। कार्य व्यवसाय में सफलता तथा राज्य सत्ता से लाभ होगा। जपनीय मंत्र- "ॐ तत्त्वनिरंजनाय तारकरामाय नमः"।

वृश्चिक- इस राशि पर लोहे के पाया से शनि की साढ़ेसाती गतिशील है। लग्नस्थ शनि पर भाग्य भाव में बैठे वक्री गुरू की कृपा दृष्टि रहेगी। धार्मिक कार्य होंगे। धार्मिक यात्रायें संभव है। मांगलिक कार्य होंगे। जपनीय मंत्र- 'ॐ नारायण सुरसिंहाय नमः"।

धनु- यह राशि ताम्र पाया या शनि की साढ़ेसाती एवं आठवें बृहस्पति के अशुभ प्रभाव में है। अष्टमस्थ वक्री गुरू की व्यय भाव में बैठे शनि पर पूर्ण दृष्टि के प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आयेगी। अनावश्यक खर्च में वृद्धि होगी। इन दिनों कर्ज लेने से बचें। "ॐ श्रीं देवकृष्णाय ऊर्ध्वशताय नमः" मंत्र का जप करें।

मकर- सप्तमस्थ वक्री गुरू की लाभ भाव में विराजमान शनि पर दृष्टि रहेगी। चापलूसों से सावधान रहें। अचानक कार्यसिद्धि तथा मंगल कार्य योजना बनेंगी। विवाह में आ रही बाधायें दूर होंगी। जपनीय मंत्र- 'ॐ श्रीं वत्सलाय नमः'।

कुंभ- छठे भाव में वक्री गुरू के राज्य स्थान में बैठे शनि पर दृष्टियोग से अकारण अपवाद, गृहक्लेश, आय में कमी तथा शत्रु से हानि हो सकती है। यदि जन्मकाल में भी गुरू वक्री होंगे, तो अशुभ फलों में न्यूनता आएगी। जपनीय मंत्र 'ॐ श्रीं उपेन्द्राय अच्युताय नमः'।

मीन- आपकी राशि में पंचम भाव में बैठा वक्री गुरु भाग्य स्थान में बैठे शनि को पूर्ण दृष्टि देख रहा है। भाग्य एवं धार्मिक कार्यों में वृद्धि, समस्याओं का समाधान, मान सम्मान, भूमि, भवन, वाहन आदि का लाभ मिलेगा। 'ॐ क्लीं उद्धृताय उद्धारिणे नमः' मंत्र का जप करें।

महान् त्याग से ही महान् कार्य होता है। - स्वामी विवेकानन्द

हुरकट परिवार

की ओर से हार्दिक अभिनन्दन

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

बाबू, बाबा और बाप

खम्मा घणी सा हुक्म आपने ध्यान है आपाणे देश में अंग्रेजो रे पतन रे बाद में देश री सता पर बाबू, बाबा,और बाप री त्रिमूर्ति कब्जों कर दियो ।किन्ही हिम्मत नहीं जो इण तिकड़ी ने तोड़ ने बतादे।

'बाबू' मतलब अफसरशाही 'बाबा' माने आपने बतावण री जरूरत नहीं क्योंकि पिछला एकाध बरसो सूं याणी करतुता जगजाहिर हुयोड़ी है ।और तीसरा लोकतंत्र रा बाप उर्फ़ नेता ।

हुक्म इण तीनो रा तार एक दूजे सूं यूँ गुथयोड़ा है ज्यों 'गुदड़ी में धागा'। नेता लोग चाहे पक्ष रा हो या विपक्ष रा एक - दूजे रे हितो री रक्षा रे वास्ते कुछ भी कर सके।सदनों में एक दूजे पर प्रहार करण वाला बारे आने यूँ गले मिळे ज्यों चोर- चोर मौसरे भाई ।एक दूजे रे काळे कारनामों पर कम्बल डालण में देर नहीं करे।

सही कहूँ तो हुक्म बेचारा मनजी (मनमोहन सिंह) इण वास्ते बदनाम हुआ कि वे एक निहायत भ्रस्ट मंत्रियों रे समूह रा नेता था। आजकल राजनितिक दलो में अध्यक्षों री छवि यूँ बणयोड़ी है ज्यों अली बाबा और चालीस चोर री। हालांकि अली बाबा खुद ईमानदार इंसान था ।

'बाबू' हुक्म इण देश में सब कुछ हिल सके पर कोई माई रो लाल याणे टस रो मस नहीं कर सके ।ज्यादा सुं ज्यादा एक मोहरे री जगह दूजो रख दे ।पर उण मोहरो री बुनियादी चरित्र में कोई अंतर नहीं रेवे । फर्क बस इतो ही कि एक मोहरा पंजा छाप तो दूजा फूल का ठप्पा ।

हुक्म पूरी अफसरशाही अपने आपने देश रो भाग्य विधाता समझ रही है ।पहला तो अफसर मंत्रियों सूं थोड़ा बहुत डरता भी पर नाकाबिल मंत्रियों ने अफसरों रे दिल सुं रियो - सियो डर भी निकाळ दियो ।वे नेताओ री चाबी आपरी कांख में दबा ने राखे ।

'बाबा' ये सब धर्म में हुवे। आजकल बाबा लोगा रा आपरा व्यवसाय और संस्थान है और तो और हुक्म कुछ तो अपणी 'कमांडो फ़ोर्स' भी बणा राखी है। चेले चेलियों री तो भरमार है ।वे एड़ा वातानुकूलित अंधरे कक्षो में रेवे जठे चिड़ियाँ भी पर नहीं मार सके । खैर इन तिकड़ी रे सुख में अगर कोई मरे तो वो है आम आदमी। वे बंधुआ मजदूरो री तरह सेवा करे और मेवा ये तीनो हड़प जावे।

हुक्म या तिकड़ी अपने आपने 'पब्लिक सर्वेंट' और सेवादार केहवे पर केवण और करण में बहुत बड़ो फर्क है।

और बाकि म्हाणा जेड़ा लोग भले ही कितो लिख लिख ने चिल्लपौ मचावता रहवे पर कोई नहीं सुणे और मन ने समझाने बेठ जावे क्योंकि आखिर म्हाणी भी लिखण री भी एक सीमा हुवे।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

धर्मान्तरण

"क्यों रे छोटू !
मैंने कितनी बार कहा
कि मुझसे पूछे बिना कोई काम मत किया कर
लेकिन यह तूने क्या किया
इतना सस्ते में सौदा कैसे कर लिया
मात्र दस हजार रुपयों में ही
अपना धर्म बदल लिया।"

"दादा !
आप तो जानते ही हैं
मैं तो आपका ही चेला हूँ
कच्ची गोलियाँ नहीं खेला हूँ
यह सौदा
दस हजार का नहीं, तीस हजार का है
वक्त की पुकार का है
बिलकुल चिन्ता मत करो
मुझ पर
कुछ तो भरोसा रखो
आपका यह छोटू
इतना भी बेवकूफ नहीं है
मैंने
दूसरी पार्टी से
'घर वापसी' की बात
बीस हजार में पहले से ही तय कर रखी है।"

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

वर्तमान में यदि भारत औद्योगिक क्षेत्र में भी विश्व के मानचित्र पर प्रतिष्ठित ढंग से स्थापित है, तो उसमें माहेश्वरी समाज का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे ही एक इतिहास पुरुष थे, जोधपुर के श्री केवलचंद मोदी, जिन्होंने देश को सर्वप्रथम रेडिएटर निर्माण उद्योग की सौगात दी थी।

देश के प्रथम रेडिएटर उत्पादक थे
केवलचन्द मोदी

न सिर्फ जोधपुर या राजस्थान बल्कि देश के इतिहास में भी स्व. श्री केवलचंद मोदी का नाम अत्यंत सम्मानजनक रूप से लिया जाता है। उनकी पहचान देश की स्वतंत्रता के समर्पित स्वतंत्रता सेनानी के रूप में तो रही ही है, साथ ही एक ऐसे उद्योगपति के रूप में भी है, जिन्होंने पैतृक व्यवसाय से अलग हटकर उद्योग जगत में न सिर्फ अपनी बल्कि देश की प्रतिष्ठा भी बनाई। समाजसेवा के लिये तो उनकी तिजोरी हमेशा ही खुली रही।

देश के लिये भी प्रेम का झरना

स्व. श्री मोदी का जन्म 1 जनवरी 1927 को प्रतिष्ठित मोदी परिवार में हुआ। मोदी परिवार के सुस्थापित जमींदारी व अन्य व्यवसाय थे। स्कूली शिक्षा यहीं से प्रारम्भ हुई। लेकिन देश प्रेम का जज्बा उनके मन में इस तरह हिलौर ले रहा था कि इसी दौरान आप स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से सक्रिय रूप से सम्बद्ध हो गये। उनकी गतिविधियों को देखते हुए अंग्रेज सरकार ने नगर-निष्कासन दे दिया। अतः मोदी ने लाहौर से मैट्रिक उत्तीर्ण कर ''प्रभाकर'' व बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। स्वतंत्र भारत में भारत छोड़ों आंदोलन की स्वर्ण जयंती के अवसर पर वर्ष 1988 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री शंकरदयाल शर्मा द्वारा आपको स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान के लिए शॉल ओढ़ाकर ताम्रपत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

उद्योग जगत को अमिट सौगात

श्री मोदी ने स्वतंत्रता आंदोलन में तो अपना योगदान दिया ही, साथ ही स्वतंत्र भारत को आर्थिक रूप से विश्व स्तर पर स्थापित करने में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुछ नया कर दिखाने की आकांक्षा को लेकर पैतृक व्यवसाय से अलग उद्योग जगत में कदम रखा। आपको वर्ष 1958 में देश के सर्वप्रथम रेडिएटर उत्पादन के उद्योग ''हिन्दुस्तान रेडिएटर्स'' की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। जहाँ विश्वस्तरीय रेडिएटर्स का निर्माण होता रहा है। समय के साथ इसका विकास कर इसमें हीट एक्सचेंजर यूनिट भी जोड़ा। इसके उत्पाद सम्पूर्ण विश्व में लोकप्रिय रहे हैं।

देश ने भी किया सम्मान

श्री मोदी ने उद्योग जगत में भी देश को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करवाई। अतः उनके इन योगदानों को लेकर वर्ष 1977 में तत्कालीन राष्ट्रपति बी.डी. जत्ती द्वारा ''राष्ट्रपति पुरस्कार'' से तथा वर्ष 1983 में तत्कालीन उद्योग मंत्री नारायण दत्त तिवारी के हाथों ''भट्ट पुरस्कार'' से नवाजे गये। औद्योगिक संगठनों के अन्तर्गत आप मारवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स व जोधपुर इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रहे हैं। मरुधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन व सांस्कृतिक संस्था स्वर सुधा के भी संरक्षक अन्तिम समय तक रहे। आप एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के सम्मानित सदस्य भी रहे।

समाज के लिये भी सेवक

समाजसेवी गतिविधियों में भी श्री मोदी तन-मन-धन से समर्पित रहे। प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था ''बाल निकेतन'' के 20 वर्ष तक अध्यक्ष तथा श्री महेश शिक्षण संस्थान जोधपुर के उपाध्यक्ष रहे। वर्तमान में महेश शिक्षण संस्थान प्राथमिक से शोध उपाधि तक संस्कारित रूप से शिक्षा प्रदान करता है। मारवाड़ क्षेत्र में पड़े भीषण अकाल के दौरान ''सहायता समिति'' के उपाध्यक्ष के रूप में उस समय 10 लाख गायों की जीवन रक्षा के लिये 38 करोड़ रुपये के चारा-पानी की व्यवस्था की गई। इसके लिये ''शाह गोवर्धनलाल काबरा ज्ञानपीठ'' ने आपको '' समाजसेवा रत्न'' की उपाधि से सम्मानित किया। आप राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य तथा मुखपत्र ''माहेश्वरी'' पाक्षिक की संचालन समिति के सदस्य भी रहे हैं।

अब परिवार के हाथ में डोर

इस प्रकार अपने बहुआयामी व्यक्तित्व से श्री केवलचन्द मोदी ने शिक्षा, समाज, अध्यात्म एवं व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में सफलता एवं विकास के नित नये आयाम स्थापित किये। आपका गत 28 अप्रैल, 2014 को अचानक हृदयगति रुक जाने के कारण देहावसान हो गया। आप अपने पीछे एक भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। आपके तीन पुत्र प्रकाशचन्द मोदी, हरीशचन्द मोदी और कैलाशचन्द मोदी सफल उद्योगपति हैं व स्वतन्त्र रूप से अपने व्यवसायों का संचालन कर रहे हैं। आपकी दोनों पुत्रियाँ श्रीमती रेखा माहेश्वरी एवं श्रीमती चन्दूबाला काबरा का विवाह उच्च घरानों में हुआ है। कैलाशचन्द मोदी अपने पिता के द्वारा स्थापित उद्योग हिन्दुस्तान रेडियेटर्स एण्ड हीट एक्सचैंजर का सफल संचालन कर रहे हैं। कैलाशचन्द मोदी ने 'शान्ति निकेतन स्कूल' की स्थापना की है। वे महेश पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष व श्री महेश शिक्षण संस्थान के संयुक्त सचिव भी हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कई समाजसेवी एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

तेल मालिश वैसे तो हर आयु के लोगों के लिये श्रेयस्कर है, लेकिन वरिष्ठों के लिये तो यह किसी वरदान से कम नहीं। इसमें भी यदि इसके नियमों और ज्योतिषीय मार्गदर्शन का ध्यान रखा जाए, तो फिर यह अपने-आप में एक चमत्कार दिखाने की क्षमता रखती है, चाहे आपकी परेशानी कोई भी हो।

कई कष्टों से मुक्ति दे सकती है

तेल मालिश

महर्षि वाग्भट के अनुसार तेल से मालिश से नसों में अवरूद्ध वायु हट जाती है और दर्द और विकार दूर होते है। आयुर्वेद के अनुसार सरसों के तेल मालिश करने से अनेक प्रकार की बीमारियां शांत हो जाती है महार्षि चरक ने तो तेल में घृत से 8 गुणा ज्यादा शक्ति को माना है। यदि प्रतिदिन नियम से तेल मालिश की जाए तो सिरदर्द, बालों का झड़ना, खुजली, दाद, फोड़े-फुंसी एवं एग्जिमा आदि बीमारियां कभी नहीं होती हैं। तेल मालिश त्वचा को कोमल, नसों को स्फूर्ति युक्त और रक्त को गतिशील बनाती है।

कब करें कब न करें

प्रातः काल नियमपूर्वक यदि मालिश की जाए तो व्यक्ति रोगमुक्त एवं दीर्घजीवी बनता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए वायु की प्रमुख आवश्यकता है। वायु का ग्रहण त्वचा पर निर्भर है और त्वचा का मालिश पर। सूर्योदय के समय वायु में प्राण शक्ति और चन्द्रमा द्वारा प्रदत्त अमृत का अंश भी सम्मिश्रित होता है। परन्तु रवि, मंगल, गुरू, शुक्रवार को मालिश नहीं करनी चाहिए। हमारे शास्त्रों के अनुसार रविवार को मालिश करने से ताप (बुखार), मंगल को मृत्यु, गुरू को हानि, शुक्र को दुःख होता है। सोमवार को तेल मालिश करने से शारीरिक सौंदर्य बढ़ता है बुध को धन में वृद्धि होती है, शनिवार को धन प्राप्ति एवं सुखों की वृद्धि होती है।

सरसों का तेल क्यों है सबसे श्रेष्ठ

कुंडली बनवाने से पता चलता है कि कौन सी गृह कमजोर है या अशुभ है। ये एक संकेत है, हमारे संचित संस्कारों का इसके लिए एक उपाय यह भी कर सकते हैं, कि उस गृह को सशक्त करने वाले तेल से मालिश की जाएं ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सरसों का तेल शनि का कारक है। अतः सामान्यतः शनि के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को सरसों के तेल की मालिश कर स्नान करने से शनि के अशुभ प्रभाव से हमारी रक्षा होती है और हर प्रकार की मनोकामना पूर्ण होती है।

ग्रहों के अनुकूल तेल मालिश

▸▸ **सूर्य** की अनिष्टता दूर करने के लिए तेल सूरजमुखी और तिल का तेल आधा आधा लीटर ले कर उसमें 5 ग्राम लौंग का तेल और 10 ग्राम केसर मिलाये इसे सात दिन सूर्य प्रकाश में रखें।

▸▸ **चन्द्रमा** के लिए एक लीटर सफेद तिल का तेल, 100 ग्राम चन्दन का तेल और 50 ग्राम कपूर डालें। इसे सात दिन चन्द्रमा के प्रकाश में रखे। इसे लगाने से पेट के रोग, सिर के रोग और चन्द्रमा की अनिष्टता दूर होतीहै।

▸▸ **मंगल** का तेल बनाना थोड़ा मुश्किल है। इसलिए इसे किसी कुशल जानकार से बनवाये। इसे लगाने से रक्त विकार, मिर्गी के दौरे और मंगल दोष दूर होते हैं।

▸▸ **बुध** का तेल बनाने के लिये एक लीटर तिल के तेल में ब्राम्ही और खस डालकर उबाल लें। छान कर ठंडा होने पर उसमें 5 ग्राम लौंग का तेल डाले। इसे हरे रंग की कांच की बोतल में अँधेरी जगह में सात दिन रखे। यह त्वचा के विकारों में लाभकारी है।

▸▸ **बृहस्पति** का तेल बनाने के लिये एक लीटर नारियल तेल में 5 ग्राम हल्दी और 5 ग्राम खस डाल कर उबाल कर छान लें। ठंडा होने पर दस ग्राम चन्दन का तेल डाले और हरी बोतल में भर कर रखे। नहाने से पहले 10 ग्राम चन्दन का तेल और दो बूँद निम्बू का रस मिला कर लगाए। इससे दमा दूर होता है और चेहरे पर रौनक आती है।

▸▸ **शुक्र** का तेल बनाने के लिये आधा-आधा लीटर नारियल व तिल का तेल लें। 5 ग्राम चन्दन और 2 ग्राम चमेली का तेल मिलाकर कांच की बोतल में 3 दिन धूप में रखे।

▸▸ **शनि** के लिए एक लीटर तिल के तेल में भृंगराज,जायफल, केसर या कस्तूरी 5-5 ग्राम पानी में भिगोकर पिस लें। इसे तिल के तेल में उबाल ले। छान कर ठंडा होने पर 5 ग्राम लौंग का तेल मिलाये। इसे सात दिन कांच की बोतल में अँधेरे में रखे। इसे लगाने से वात व हड्डियों के रोग दूर होते हैं। बाल भी काले रहते हैं।

▸▸ **राहु** का तेल बनाने की विधि शनि के तेल की तरह ही है। सिर्फ इसे उँचाई पर सात दिन के लिए पश्चिम दिशा में रखें।

▸▸ **केतु** का तेल बनाने में एक लीटर तिल या सरसों के तेल मे लोध मिला कर उबालें। ठंडा होने पर 5 ग्राम लौंग का तेल मिलाये। फिर काले रंग की बोतल में मकान की पश्चिम दिशा में ऊंचाई पर रखे। इसे लगाने से केतु के दुष्प्रभाव दूर होते हैं।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा आयोजित

तृतीय कार्यसमिति बैठक
एवं
प्रथम कार्यकारी मण्डल बैठक

ब्रज समागम

के वृन्दावन में सफल आयोजन पर

समस्त अतिथियों व सहयोगियों तथा उपस्थित समाजजनों का

हार्दिक आभार
एवं
नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएँ

विनोद माहेश्वरी
(मोदी नगर)
उपसभापति उत्तरांचल

अजय काबरा
मुख्य संयोजक

वीरेन्द्र भूराड़िया
कार्यक्रम प्रणेता

लोकेन्द्र करवा
सहसंयोजक
(सूचना एवं आवास आदि)

राजकुमार कोठारी
सहसंयोजक
वाराणसी

गोपाल लोहिया
सहसंयोजक
कानपुर

प्रमोद माहेश्वरी
सहसंयोजक
मोदीनगर

विनोद माहेश्वरी
अध्यक्ष
(पूर्वी उत्तरप्रदेश)

राजेश भूराड़िया
अध्यक्ष
(मध्य उत्तरप्रदेश)

कौशल किशोर पल्तानी
अध्यक्ष
(पश्चिमी उत्तरप्रदेश)

नंदकिशोर झंवर
महामंत्री
(पूर्वी उत्तरप्रदेश)

संजय लोईवाल
महामंत्री
(मध्य उत्तरप्रदेश)

कमलेन्द्र माहेश्वरी
महामंत्री
(पश्चिमी उत्तरप्रदेश)

जनवरी, 2015

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष। इस माह में आपके रूके कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा, व्यापार-व्यवसाय एवं नौकरी में प्रगति तथा प्रमोशन के अवसर मिलेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा। लम्बी यात्रा तथा धार्मिक यात्रा के अवसर मिलेगें। मन प्रसन्न रहेगा, किन्तु व्यय की अधिकता का भी सामना करना पड़ेगा। पुराने कार्य पूर्ण होंगे। शुभ संदेश मिलेंगे। व्यस्तता बनी रहेगी। अपनों से मन-मुटाव भी होगा। शिक्षा में सफलता मिलेगी तथा विवाह सम्बंध्स में सफलता मिलेगी।

वृषभ। इस माह में इच्छित कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, बाधाऐं आयेगी किन्तु आप अपने धैर्य एवं युक्ति युक्त तरीके से पार करने में सफल रहेंगे। अचानक धन लाभ, रूका पैसा मिलेगा। शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। नई योजनाओं को बनायेगें एवं क्रियान्वित कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। अपनों से स्नेह एवं सहयोग मिलेगा, यश मिलेगा। नवीन-वाहन-मकान सुख मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य के अवसर प्राप्त होंगे। शान-शौकत मनोरंजन में व्यय करेंगे तथा भाग लेंगे।

मिथुन। यह माह आपके लिये राजकीय पक्ष की अनुकूलता प्रदान करने वाला होगा। कार्य व्यवसाय में वृद्धि होगी, रूके कार्य पूर्ण, लम्बी यात्रा होगी। मन प्रसन्न रहेगा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। दाम्पत्य जीवन का आनन्द उठायेगें। पुराने कार्यो में सफलता मिलेगी। अपनों से भेंट होगी। धार्मिक कार्य होगें। विवाह सम्बध योग बनेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनी अग्रिम सुझबुझ से कार्य को मूर्तरूप देने में सफलता मिलेगी। स्थाई सम्पत्ति वृद्धि के अवसर रहेंगे। संतान से सम्बंधित कार्य पूर्ण होगा।

कर्क। यह माह आपके लिये मांगलिक धार्मिक कार्य करने वाला होगा घर में शुभ कार्य में सफलता मिलेगी। धन लाभ के अवसर के साथ-साथ यश कीर्ति भी बढ़ेगी। मनचाही सफलता एवं वस्तु की प्राप्ति होगी। मित्रों एवं सहयोगियों से सहयोग प्राप्त होगा। अपनों से मुलाकात होगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। यात्रा के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक कार्य पूर्ण होंगे। संतान से सम्बंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। पाचन तन्त्र से कष्ट एवं व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह। यह माह आपके लिये स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा। लम्बी यात्रा होगी, रूका हुआ धन प्राप्त होगा। कार्य व्यवसाय में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके हुये कार्य में सफलता अर्जित होगी। मित्रों एवं परिवारजनों से स्नेह सहयोग मिलेगा। नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धार्मिक, मांगलिक शुभ कार्य, धार्मिक यात्रा, भोजन दिखावे पर व्यय करेंगे एवं इन कार्यो में उत्साह से सम्मिलित होगें। विवाह सम्बन्ध संतान की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे।

कन्या। यह माह आपके लिये चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। राजकीय पुरस्कार प्राप्ति के योग, चुनाव में विजय होगी। संतान के कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। साझेदारी में लाभ के अवसर मिलेगें। जान-पहचान का क्षेत्र विस्तृत होगा। परिश्रम का फल उत्तम मिलेगा। पाचन तन्त्र से कष्ट एवं अज्ञात भय बना रहेगा। दांत एवं हड्डी से कष्ट संभावित है।

तुला। यह माह आपके लिये मान-सम्मान में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा। संतान की ओर से खुशियां मिलेगी। आय में वृद्धि के योग रहेंगे। पूराने कर्ज एवं कष्ट से छुटकारा मिलेगा। अपनों से सहयोग मिलेगा। पारिवारिक कार्यों में सफलता अर्जित होगी। स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि, पद-प्रतिष्ठा एवं पदोन्नति के योग प्रबल रहेगें। मित्रों के सहयोग से असंभव कार्यों में सफलता मिलेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता प्राप्त होगी। विवाह सम्बन्ध, संतान, न्यायालीन प्रकरण नौकरी तथा विरोधियों पर विजय भी प्राप्त होगी।

वृश्चिक। यह माह आपको लम्बी यात्रा एवं कार्यों में प्रगति देने वाला होगा। किन्तु परिश्रम की तुलना में आशातीत सफलता नहीं मिल पायेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। शासकीय कार्य में परिश्रम करने पर सफलता अर्जित होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। धार्मिक मांगलिक कार्य होंगे। धार्मिक यात्रा होगी। मानसिक तनाव बना रहेगा। फिर भी रुकावट के साथ कार्यों में सफलता मिलती रहेगी। धन और यश की प्राप्ति मिलेगी और चुनौती भरे कार्यो में श्रेष्ठ सफलता प्राप्त होगी।

धनु। इस माह आपको आशातीत सफलता कठिन परिश्रम करने से प्राप्त होगी। अनावश्यक तनाव से बचें लम्बी यात्रा के अवसर मिलेगें। धार्मिक एवं मांगलिक कार्यो में भाग लेंगे। विरोधी परास्त होंगे। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधार अनुभव करेंगे। साझेदारी में सावधानी अवश्य रखें। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि के योग रहेगें। स्थाई सम्पत्ति का निर्माण करेगें। वाणी पर नियन्त्रण आवश्यक रहेगा। राजनीति सम्पर्क का लाभ मिलेगा। संतान से सम्बन्धित कार्यो में सफलता मिलेगी।

मकर। यह माह आपके लिये आर्थिक स्थिति, व्यापार में अच्छी सफलता प्रदान करेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता व मन की इच्छा पूर्ण होगी। परिवार एवं मित्रों से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यो एवं उन्नति से मन में खुशी मिलेगी। शुभ समाचार प्राप्त होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। जीवन साथी के सहयोग से अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर लेगें। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। प्रबन्धकीय कार्यो में सफलता मिलेगी।

कुम्भ। यह माह आपको स्वजनों से भेंट करने वाला होगा। मान-सम्मान एवं यश में वृद्धि होगी। पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रूके कार्यो व कठिन मेहनत से सफलता अर्जित कर पायेंगे। परिवार में शुभ एवं मांगलिक कार्य होगा। सम्पत्ति से सम्बंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। अचानक धन लाभ के योग मिलेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी, किन्तु मन में अज्ञात भय बना रहेगा। खान-पान एवं पाचन तन्त्र से सम्बंधित विशेष सावधानी बरतें। धार्मिक यात्रा होगी।

मीन। यह माह लिये कार्य व्यवसाय में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा। लम्बित कार्य पूर्ण होगें। मित्रों एवं अपनों के सहयोग से कार्यों में श्रेष्ठ सफलता अर्जित होगी। पारिवारिक वातावरण निर्मित होगा। धार्मिक यात्रा होगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता। नौकरी अथवा नवीन कार्य व्यवसाय प्रारम्भ होगा। विवाह सम्बन्ध तय होगा। संतान प्राप्ति के योग व धार्मिक कार्यो में रुचि रहेगी। लेखन के क्षेत्र में सफलता, अज्ञात भय व्याप्त रहेगा।

श्रद्धांजलि

माहेश्वरी समाज के समर्पित समाजसेवी व प्रतिष्ठित व्यवसायी उज्जैन के श्री मदनलाल पलौड़ नहीं रहे। लम्बे समय से अस्वस्थता के बाद उन्होंने गत 02 दिसम्बर को अंतिम सांस ली। स्व. श्री पलौड़ एक ऐसी विभूति थे, जिन्होंने संरक्षक व मार्गदर्शक के रूप में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' को भी प्रारम्भ से ही अपना स्नेहील सहयोग प्रदान किया।

शून्य से शिखर के यात्री थे 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के मार्गदर्शक

मदनलाल पलौड़

उज्जैन। उज्जैन या प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्र स्तर पर भी श्री मदनलाल पलौड़ एक ऐसा नाम रहा है, जिन्होंने जब भी आवश्यकता लगी समाज को तन-मन-धन से अपनी सेवा दी। स्थानीय समाज को निःस्वार्थ भाव से सेवा देते हुए स्व.श्री पलौड़ माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत उज्जैन के अध्यक्ष रहे हैं। इसके अतिरिक्त पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष तथा कई वर्षो तक अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य भी रहे। आपके पश्चिमांचल के अध्यक्षीय कार्यकाल में उज्जैन में वर्ष 2000 में महासभा का अधिवेशन आयोजित हुआ था, जिसकी स्वर्णिम स्मृतियाँ अभी भी सभी के मनमस्तिष्क में रची बसी हुई है। कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में उज्जैन जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए न सिर्फ क्षेत्र में संगठन की स्थिति सुदृढ़की बल्कि महासभा की योजनाओं को भी जरूरतमंदों तक पहुँचाया। अन्य समाज सेवी गतिविधियों के अन्तर्गत आप लायंस क्लब के अध्यक्ष रहे और लायंस क्लब उज्जैन महाकाल तथा चंद्रावती गंज जैसे नये क्लबों की सौगात दी। क्लब को अपने वृद्धाश्रम के लिये भूमि भी उपलब्ध करवाई। जगतगुरू स्वामी श्री कांताचार्यजी महाराज के आश्रम व मंदिर ''तिरूपति धाम'' के लिये भूमि प्रदान की और निर्माणाधीन समाज भवन महेश धाम के लिये भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

शून्य से शिखर के यात्री

राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में जन्में स्व. श्री पलौड़ ने म.प्र. के उज्जैन जिले के छोटे से गाँव हमीरखेड़ी से जीवन यात्रा प्रारम्भ की थी। इसके पश्चात् चंद्रावतीगंज को कर्म-क्षेत्र बनाया। भारी आर्थिक संघर्षों से गुजर रहे श्री पलौड़ भगवान महाकाल के अनन्य भक्त थे और बिना महाकाल दर्शन के सोमवार को अन्नजल ग्रहण नहीं करते थे। यह भगवान की कृपा ही है कि उनका कार्यक्षेत्र उज्जैन बन गया और शून्य से शुरूआत करने वाले श्री पलौड़ धीरे-धीरे आटोमोबाइल, सबमर्सिबल आदि कई व्यवसायों में शहर ही नहीं बल्कि देश में भी एक जाना माना नाम बन गये। सम्पन्नता को फिर भी उन्होंने कभी सिर्फ अपने आप तक ही सीमित नहीं किया। कई नेत्र व नशा मुक्ति, शिविर जैसी सेवा गतिविधियों के साथ ही उन्होंने गुप्तदान की तरह चुपचाप से कई कन्याओं का विवाह भी करवा दिया।

सभी ने दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्री मदनलाल पलौड़ के अकस्मात निधन का समाचार पाकर अत्यंत दुख हुआ। श्री पलौड़ केन्द्र के सम्मानीय सदस्य थे। उनकी केन्द्र योजना के प्रति बहुत आस्था एवं लगन थी। उन्होंने अनेक दानदाता बन्धुओं को प्रेरित कर योजना से सदस्य के रूप में जोड़कर संबल प्रदान किया है। केन्द्र द्वारा ऋण सहायता के विषय में भी उनका सदैव सहयोग रहा है। श्री पलौड़ के निधन से हुई क्षति की पूर्ति संभव नहीं है, लेकिन विधि के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक हैं।

- बंशीलाल राठी

कार्याध्यक्ष- श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

श्री पलौड़ के आकस्मिक निधन के समाचार से मुझे गहन दुःख हुआ। श्री पलौड़ अत्यन्त सरल, सुहृदय, समाज सेवा के कार्यो में सदैव संलिप्त रहने वाले दुर्लभ व्यक्तियों में से थे। उनकी उज्जैन जिले की माहेश्वरी समाज में काफी पकड़ तो थी ही, साथ ही उनका अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज में भी प्रभाव था। ऐसे समाज सेवी जब समाज से बिछड़ते हैं तो परिवार के साथ पूरे समाज को भी एक कमी महसूस होती है। वे माहेश्वरी समाज के पश्चिमी अंचल के अध्यक्ष भी रहे एवं उनके नेतृत्व में अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज के कार्यकारी मंडल का अधिवेशन एवं अधिवेशन में नए सत्र के अध्यक्ष का चुनाव बड़े ही गौरवशाली ढंग से सम्पन्न हुआ था, जिसकी स्मृतियां समाज बंधुओं में आज भी कायम हैं।

- बनवारीलाल जाजू

भू.पू. उपसभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्री मदनलाल पलौड़ जैसे विरले ही जन्म लेते हैं। उनके देहावसान ने समाज से एक समर्पित समाजसेवी ही नहीं बल्कि कुशल मार्गदर्शक भी छीन लिया है। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की ओर से मैं उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। **- रामकुमार भूतड़ा,** महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा

बाबूजी सिर्फ एक समाजसेवी ही नहीं, बल्कि समाजसेवा की पाठशाला थे। वास्तव में समाज की सेवा किस तरह की जाती है, यह हमने उन्हीं से सीखा। आपका देहावसान उज्जैन माहेश्वरी समाज के लिये गहरा आघात है।

- जयप्रकाश राठी, अध्यक्ष, महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट, उज्जैन

लायंस क्लब एवं औद्योगिक विकास बैंक संचालक मण्डल के माध्यम से मैं स्व. श्री पलौड़ से लम्बे समय से सम्बद्ध रहा हूँ। वे एक ऐसे समाजसेवी थे, जिन्होंने कई संस्थाओं को सेवा के कई नये मार्ग दिखाये। इन्हीं के कारण वे अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। श्री पलौड़ बहुत ही समर्पित एवं रिश्ते निभाने मित्र थे। मैं उनकी मित्रता को सलाम करता हूँ। इनके कारण लायंस क्लब वर्तमान में क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हुआ है।

- डॉ. बमशंकर जोशी, पूर्व अध्यक्ष, औद्योगिक विकास बैंक, उज्जैन

स्व. श्री पलौड़ लायंस की सेवा यात्रा के हमारे साथी और परम मित्र थे। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में क्लब ने दो नये सहयोगी क्लबों व उज्जैन महाकाल व चंद्रावतीगंज से नयी शुरूआत की थी। इसके बाद ही लायंस क्लब ने और भी कई नये क्लबों की स्थापना की।

- ला. पुष्पेन्द्र जसौरिया, पूर्व गवर्नर, लायंस क्लब

श्री द्वारिका प्रसाद सोमानी

संगरिया। माहेश्वरी सभा के संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष ख्यात व्यवसायी श्री द्वारका प्रसाद सोमानी का 70 वर्ष की अवस्था में गत 18 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। जिला माहेश्वरी सभा व हनुमानगढ़जिला माहेश्वरी युवा संगठन सहित कई गणमान्यजनों ने श्रृद्धांजलि अर्पित की। स्व. श्री सोमानी पूर्व पालिकाध्यक्ष सीताराम सोमानी, बृजलाल सोमानी, बाबूलाल सोमानी व व्यापार मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष श्यामलाल सोमानी के बड़े भाई व पवन कुमार सोमानी के पिता थे।

श्री लक्ष्मीनारायण चाण्डक

खामगाँव। समाज सदस्य संजयकुमार चाण्डक व नन्दकिशोर चाण्डक के पिता श्री लक्ष्मीनारायण चाण्डक का 83 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री हनुमानदास काकाणी

अमरावती। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य व व्यवसायी श्री हनुमानदास रामचन्द्र काकाणी का 70 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नी, पुत्र दीपक काकाणी व तीन पुत्री सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं। अन्तिम इच्छानुसार उनके नेत्रदान किये गये।

श्री पदमेश्वर जाजू

कासगंज। शहर के भामाशाह रहे स्व. वैद्य भगवती प्रसाद जाजू के सुपुत्र श्री पदमेश्वर प्रसाद जाजू के गत 14 दिसम्बर को देहावसान हो गया। आप ने अपना सम्पूर्ण जीवन एक ब्रह्मचारी के रूप में बिताया। श्री जाजू ने अपने हिस्से की जमीन भी काफी पहले एक विद्यालय को दान दे दी थी, जहां उनकी माताजी श्रीमती द्रौपदी जाजू के नाम से इन्टर कॉलेज (स्कूल) संचालित है।

श्री सुनील माहेश्वरी

कासगंज। समाज सदस्य नन्नूमल माहेश्वरी (बर्फवाले) के बेटे श्री सुनील का असामयिक निधन हो गया। इससे स्थानीय समाज में शोक की लहर छा गई।

श्री रामेश्वरलाल गट्टाणी

संगरिया। हनुमानगढ़ जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य श्री रामेश्वरलाल गट्टाणी का 65 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास गत तीन दिसम्बर को हो गया। आप पिछले चार माह से बीमार चल रहे थे। आप अपने पीछे भाई, पुत्र, भतीजा-भतीजी आदि से भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती शकुंतला देवी झंवर

कासगंज। समाज की वरिष्ठ श्रीमती शकुन्तलादेवी झंवर का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। आप आजीवन आर्यसमाज से सम्बद्ध रही। आप अपने पीछे तीन पुत्रों का भरापूरा परिवार छोड़ गयी हैं।

श्री सुशील बाबू रांदड़

कासगंज। समाज सदस्य श्री सुशील बाबू रांदड़ का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। आप अपने हसमुख स्वभाव के कारण सभी में घुले मिले हुए थे।

'माहेश्वरी टाईम्स' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगतों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि ।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

Shri Veerganapathi Steels (P) Ltd.

Iron & Steel Material

"The Legend"
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI - MPHIN/2005/14721
Po. Reg. - Malwa Division /244/2010-2013

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
Maheshwari Bhawan, Golamandi, UJJAIN (M.P.)
Ph. : 0734- 2556144, 2559389
E-mail : sri_maheshwaritimes@yahoo.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com